रायपुर। बुधवार, 26 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 24/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कोलंबो टेस्ट : तीसरे दिन तक भारत की पकड़ में...
@ विचार सरकारी सकूल सोशल मीडिया के लिए मंच नहीं हैं...
@ व्यापार गिरावट के बाद बाजार में दिखी रौनक सेंसेक्स 287...

टीआरई-4 की एकल परीक्षा समेत मांगों को लेकर पटना में छात्रों का उग्र प्रदर्शन

पुलिस ने किया लाठीचार्ज और वाटर कैनन का प्रयोग, कई छात्र घायल, पुलिसकर्मियों को आई चोटें

एजेंसी ■ पटना

बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 की एकल परीक्षा कराने समेत अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को पटना में छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गांधी मैदान से शुरू हुआ छात्रों का मार्च डाकबंगला चौराहे तक पहुंच गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर से लगाए गए सुरक्षा घेरे और बैरिकेडिंग को पार कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया और कई छात्रों को हिरासत में लिया गया।

गांधी मैदान और डाकबंगला चौराहे के आसपास प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती के साथ कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी। हालांकि, प्रदर्शनकारी इन बाधाओं को पार करते हुए डाकबंगला चौराहे तक पहुंच गए। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पानी की बौछार शुरू कर दी। वाटर कैनन के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र मौके पर डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे।

प्रदर्शन के दौरान कई छात्र तिरंगा लेकर सड़क पर नारे लगाते और डांस करते नजर आए। छात्रों का कहना था कि वे शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार तथा बिहार लोक सेवा आयोग को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मौके पर स्थिति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी कुंदन कुमार और एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा भी डाकबंगला चौराहे पहुंचे। अधिकारियों ने पुलिस बल से स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन भीड़ के पीछे नहीं हटने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि छात्र अपना अधिकार मांग रहे हैं, किसी से भीख नहीं मांग रहे। उन्होंने परीक्षा व्यवस्था में देरी और कथित पेपर लीक की घटनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएसएससी का नोटिफिकेशन वर्षों पहले जारी होने के बावजूद परीक्षा नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सरकारी मशीनरी समय पर काम करती है, लेकिन छात्रों की परीक्षाओं के मामले में लगातार देरी और अव्यवस्था देखने को मिलती है। उन्होंने वाटर कैनन और बैरिकेडिंग पर भी सवाल उठाए। छात्र शांतिपूर्ण तरीके से मार्च कर रहे हैं और उनकी कोशिश है कि उनका प्रतिनिधिमंडल सरकार तक अपनी बात पहुंचा सके। उन्होंने कहा कि बड़े से बड़ा बैरिकेड भी छात्रों के हौसले को नहीं रोक सकता। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनके आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन और बल प्रयोग का सहारा लिया।

छात्रों ने कहा कि वे अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे और जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग टीआरई-4 की एकल परीक्षा कराने से जुड़ी है। इसके अलावा छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी, परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। छात्रों ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से उनकी मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की अपील की।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। मंगलवार को पटना की सड़कों पर हुए इस प्रदर्शन के कारण कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हुआ और पुलिस-प्रशासन को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक उड़ान संस्कृति और विरासत को भी नई पहचान

मंत्री राजेश अग्रवाल ने गिनाईं उपलब्धियां, 2028 तक नई पर्यटन पहचान का लक्ष्य

संवाददाता ■ रायपुर

पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल न अपने विभागों की उपलब्धियों, योजनाओं और आगामी प्राथमिकताओं की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाई।

अग्रवाल नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया से रूबरू हुए। प्रेस वार्ता में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे, संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की डीजीएम पूनम शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। प्रेस वार्ता की शुरुआत पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन से संबंधित महत्वपूर्ण उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति के साथ हुई। मंत्री राजेश अग्रवाल ने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, बस्तर और सरगुजा की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सिरपुर जैसी ऐतिहासिक विरासत तथा मां दंतेश्वरी और मां महामाया जैसे प्रमुख आस्था केंद्रों की समृद्ध विरासत प्रदान की है। सरकार का लक्ष्य इन प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपदाओं को देश और दुनिया के सामने नई पहचान दिलाना है।

पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले लगभग ढाई वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। फिल्म सिटी निर्माण के लिए 203 करोड़ 53 लाख के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। फिल्म पर्यटन और बड़े आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए फिल्म सिटी एवं कन्वेंशन सेंटर के विकास की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 350 करोड़ है।

61 ट्रेनों से 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए अयोध्या-काशी के दर्शन

अग्रवाल ने बताया कि सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत आईआरसीटीसी के सहयोग से अब तक 61 ट्रेनों का सफल संचालन किया जा चुका है। इनके माध्यम से 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या और काशी के दर्शन कराए जा चुके हैं। सरकार का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के नागरिकों के लिए धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को अधिक सुगम, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है।

होमस्टे और स्थानीय रोजगार पर विशेष जोर

पर्यटन मंत्री ने बताया कि पर्यटन का वास्तविक लाभ स्थानीय परिवारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से होमस्टे और स्थानीय पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प और युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के अवसर बढ़ेंगे। पर्यटन व्यवसाय के औपचारिक पंजीकरण में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान में लगभग 390 से अधिक टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट तथा 26 होटल पंजीकृत हैं।

तरुण तेजपाल को दो हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

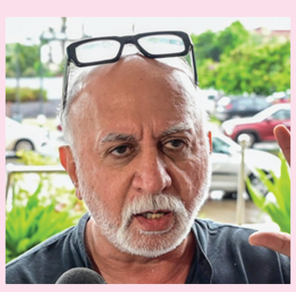

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व तहलका संपादक तरुण तेजपाल को दो हफ्ते के अंदर सरेंडर करने के लिए कहा है। सहयोगी के यौन शोषण के मामले में तरुण तेजपाल ने बॉम्बे हाईकोर्ट की ओर से दी गई 10 साल की सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर तेजपाल सरेंडर कर देते हैं तो कोर्ट 22 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा। यह मामला साल 2013 का है। तरुण तेजपाल पर आरोप था कि उन्होंने गोवा के एक लग्जरी होटल की लिफ्ट में अपनी जूनियर सहयोगी के साथ यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म किया। शिकायत के बाद गोवा पुलिस ने उनके खिलाफ दुष्कर्म समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया था। नवंबर 2013 में तरुण तेजपाल को गिरफ्तार किया गया था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मई 2021 में मापुसा की सत्र अदालत ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए तरुण तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। लेकिन गोवा सरकार इस फैसले से संतुष्ट नहीं थी और उसने इसे बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी। 6 अगस्त 2026 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत का फैसला पलट दिया और तेजपाल को दोषी ठहराया। हाईकोर्ट ने उन्हें कई धाराओं के तहत दोषी मानते हुए 10 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दोनों पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। 20 अगस्त को तरुण तेजपाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर हाईकोर्ट के फैसले और 10 साल की सजा को चुनौती दी थी। वहीं 18 अगस्त को गोवा सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

400 बच्चे, सिर्फ 5 शिक्षक, 5 दिन में दूसरी बार सड़क पर उतरे छात्र?

संवाददाता ■ दुर्ग

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शिक्षकों की कमी को लेकर पेंड्रावन के आत्मानंद स्कूल के छात्र-छात्राओं ने 5 दिन के भीतर दूसरी बार चक्काजाम कर दिया। स्कूल में 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं लगती हैं और करीब 400 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन यहां सिर्फ 5 शिक्षक हैं। छात्रों का कहना है कि शिक्षकों की कमी के कारण उनका कोर्स समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है। उनका दावा है कि स्कूल में कम से कम 17 शिक्षक होने चाहिए। समाचार

शिक्षकों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर छात्रों ने 21 अगस्त को भी खैरागढ़-धमधा मुख्य मार्ग पर प्रदर्शन किया था। मांग पूरी नहीं होने पर मंगलवार, 25 अगस्त को उन्होंने दोबारा सड़क जाम कर दिया। यह मार्ग बेमेतरा और धमधा को जोड़ता है। चक्काजाम के कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया।

मांग पूरी नहीं हुई तो फिर सड़क पर उतरे

छात्रों के मुताबिक 21 अगस्त के प्रदर्शन के बाद प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे और उनकी समस्याएं सुनी थीं। छात्रों को उम्मीद थी कि स्कूल में शिक्षकों की कमी दूर की जाएगी।

हिजबुल के पोस्टरों के साथ तीन गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने नाका चेकिंग अभियान के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड और प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के पांच पोस्टर बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में नाका चेकिंग के दौरान तीनों आरोपियों को एक मोटरसाइकिल समेत पकड़ा गया।

मायावती का ऐलान, यूपी समेत तीन राज्यों में अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी बसपा

एजेंसी ■ लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि पार्टी उत्तर प्रदेश के साथ पंजाब और उत्तराखंड में भी किसी दल से गठबंधन या समझौता किए बिना अपने बलबूते चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कर्मठ व ईमानदार लोगों को उम्मीदवार बनाने पर विशेष जोर दिया। मायावती ने लखनऊ में आयोजित बैठक में पंजाब में पार्टी के जनाधार और संगठन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को बेहतर परिणाम के लिए पूरी ताकत से तैयारी करनी होगी।

क्या मक्का रक्षा समझौता बदलेगा दक्षिण एशिया का शक्ति-संतुलन?

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

बांग्लादेश का मक्का रक्षा समझौते में शामिल होने पर विचार केवल उसकी विदेश नीति का फैसला नहीं होगा, बल्कि इसका असर पूरे दक्षिण एशिया की रणनीतिक तस्वीर पर पड़ सकता है। सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने 7 अगस्त को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत किसी एक सदस्य पर सशस्त्र हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा। अब बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने संकेत दिया है कि ढाका इस व्यवस्था में शामिल होने की संभावना को सकारात्मक नजर से देख रहा है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते पहले ही कई मुद्दों पर तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। शेख हसीना के भारत में रहने और उनके प्रत्यर्पण की ढाका की मांग ने दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी बढ़ाई है। ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ एक सामूहिक रक्षा व्यवस्था में बांग्लादेश का प्रवेश नई दिल्ली के लिए स्वाभाविक रूप से चिंता का विषय होगा।

लेकिन इसे केवल 'भारत के खिलाफ बांग्लादेश का झुकाव' मानना भी जल्दबाजी होगी। ढाका की अर्थव्यवस्था भारत के साथ व्यापार, पश्चिमी देशों में परिधान निर्यात और खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों बांग्लादेशी नागरिकों से आने वाले रेमिटेंस पर निर्भर है। किसी सैन्य गुट में औपचारिक शामिल होना उसकी उस संतुलित विदेश नीति को कमजोर कर सकता है, जिसके जरिए वह भारत, चीन, अमेरिका, जापान और पश्चिम एशिया—सभी के साथ संबंध बनाए रखने की कोशिश करता रहा है।

फिर भी पाकिस्तान के लिए यह बड़ा रणनीतिक अवसर होगा। 1971 के इतिहास के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच बढ़ती निकटता दक्षिण एशिया की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव होगी। यदि बांग्लादेश इस समझौते में शामिल होता है, तो पाकिस्तान को पूर्वी दिशा में कूटनीतिक और रणनीतिक आधार मिलेगा। भारत के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति बंगाल की खाड़ी और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के संदर्भ में अत्यंत संवेदनशील है।

हालांकि मक्का समझौते को अभी 'इस्लामिक NATO' मान लेना भी अतिशयोक्ति होगी। इसकी संस्थागत संरचना और सैन्य एकीकरण NATO जितना विकसित नहीं है। लेकिन यदि इसमें बांग्लादेश जैसे नए देश जुड़ते हैं, तो यह धीरे-धीरे पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया को जोड़ने वाला एक नया सुरक्षा मंच बन सकता है। तुर्किये ने भी संकेत दिया है कि समझौता विस्तार के लिए खुला है।

भारत के सामने इसलिए सबसे बड़ी चुनौती प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि कूटनीतिक धैर्य की होगी। नई दिल्ली को ढाका को किसी एक खेमे में धकेलने के बजाय आर्थिक सहयोग, सीमा प्रबंधन, ऊर्जा, जल, संपर्क और व्यापार के माध्यम से अपने संबंधों को मजबूत करना चाहिए। बांग्लादेश को भी यह समझना होगा कि धार्मिक समानता पर आधारित सुरक्षा साझेदारी और राष्ट्रीय हित आधारित विदेश नीति दो अलग चीजें हैं।

अंततः मक्का समझौते में शामिल होने का फैसला बांग्लादेश की संप्रभु पसंद है। लेकिन यदि ढाका इसमें शामिल होता है, तो दक्षिण एशिया में शक्ति-संतुलन की पुरानी धुरी बदल सकती है। भारत के लिए संदेश स्पष्ट है—बांग्लादेश को खोना केवल एक पड़ोसी को खोना नहीं होगा, बल्कि बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर भारत के आसपास अपनी रणनीतिक स्थिति को कमजोर करना होगा।

तीर तेवर — सागर कुमार

हरदीप सिंह पुरी ने तेल खोज के दौर पर एक्सॉनमोबिल के प्रमुख से की मुलाकात

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) राउंड 10 और ईस्टर्न ऑफशोर के जरिए भारत में तेल और गैस की खोज के मौकों पर अपस्ट्रीम ग्लोबल ऑयल कंपनी एक्सॉनमोबिल के इंडिया कंट्री चेयर स्कॉट सैंडलिन के साथ 'फायदेमंद बातचीत' की।

मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत ने लगभग 10 लाख वर्ग किलोमीटर के 'नो-गो' (प्रतिबंधित) क्षेत्रों को खोल दिया है। अब 'ऑयलफील्ड्स (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) अमेंडमेंट एक्ट, 2025', नए पीएनजी नियमों और 'एम्पावर्ड कमिटी ऑफ सेक्रेटरीज' (ईसीएस) के सुधारों के लागू होने के बाद हमारे अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के लिए अपस्ट्रीम क्षेत्र में निवेश के अनुकूल माहौल तैयार हुआ है।'

मंत्री ने मैनेजमेंट कंसल्टिंग और बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर, 'बेन एंड कंपनी' के चेयरमैन मैनी मैसेडा से भी मुलाकात की।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'टेक्नोलॉजी, एनर्जी और स्ट्रैटेजी में अपनी विशेषज्ञता और ग्लोबल अनुभव के साथ, 'बेन' भारत के एनर्जी सेक्टर को मजबूत और विस्तारित करने की कोशिशों में भारतीय एनर्जी कंपनियों के साथ सार्थक सहयोग कर सकता है।'

ऑयल और गैस सेक्टर में खोज और उत्पादन की गतिविधियों को तेज करने के क्रम में सरकार ने ओएएलपी बिड राउंड 10 की घोषणा की। एचईएलपी व्यवस्था के तहत किसी एक ओएएलपी बिड राउंड में पेश किए गए एरिया (क्षेत्रफल) के लिहाज से यह अब तक का सबसे बड़ा बिड राउंड है। इस बिड राउंड में ऑयल और गैस की खोज के लिए निवेशकों को लगभग 1,82,589.21 वर्ग किलोमीटर के एरिया वाले 25 ब्लॉक पेश किए गए हैं।

यह मुख्य रूप से एक ऑफशोर (समुद्र में स्थित) बिड राउंड है, जिसमें 1,65,718 वर्ग किलोमीटर एरिया वाले 19 ऑफशोर ब्लॉक शामिल हैं। इनमें से 13 ब्लॉक, जिनका एरिया 1,24,327 वर्ग किलोमीटर है, गहरे पानी (डीप वॉटर) और बहुत गहरे पानी (अल्ट्रा-डीप वॉटर) वाले क्षेत्रों में आते हैं। ये ब्लॉक 13 सेडिमेंट्री बेसिन में फैले हुए हैं, जिनमें से 6 ब्लॉक ऑनलैंड (जमीन पर स्थित) हैं।

पेश किए गए हर ब्लॉक का अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा हाइड्रोकार्बन की संभावना के लिए तकनीकी विश्लेषण किया जाता है और वे निवेशकों के लिए आसानी से उपलब्ध हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने राष्ट्रीय और जोनल नेतृत्व टीम का किया विस्तार, नई संगठनात्मक नियुक्तियों का ऐलान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने संगठनात्मक ढांचे के बड़े विस्तार की घोषणा करते हुए नई राष्ट्रीय नेतृत्व टीम और जोनल कोऑर्डिनेशन कमेटियों का गठन किया है। पार्टी ने कहा कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना, राज्यों और क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और स्थानीय नेतृत्व का व्यापक नेटवर्क तैयार करना है।

पार्टी के अनुसार, नए संगठनात्मक ढांचे में देश के विभिन्न क्षेत्रों के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। इससे सीजेपी की फील्ड स्तर की गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और आम नागरिकों की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा।

संगठन संयुक्त सचिव के रूप में रेखा शर्मा, अक्षय शिंदे, प्रेम आकाश, अनाम उज्जमा और बालकृष्ण शुक्ला को नियुक्त किया गया है। वहीं, राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर सुधीर सांगवान और सिद्धांत भारद्वाज को नियुक्त किया गया है।

जोनल कॉर्डिनेशन कमिटी में पूर्वी जोन: शेख मारुफ उद्दीन, देदीप्या गांगुली, शेख अब्दुल हाफिज, प्रकृति साहू, राकेश रंजन सामल, स्वप्निल मिश्रा, आशुतोष रंजन, खुशबू वहाब चौधरी, मयंक पांडेय, सतीश यादव, असलम खान, रसिका खरे, सचिन बरवाल, कृतिका कश्यप, मोहन यादव और रमन दीप। पश्चिमी जोन: डॉ. नितिन दिघे, एडवोकेट जयसिंह शेरे, दुर्गेश कुहिके, नीलाक्षी वानखेड़े, सरोश शेख, रोहित पटेल, अनिकेत शिवहरे, राम पटेल, वेद त्रिवेदी और प्रितेश चावड़ा।

सीबीआई ने दो घोषित अपराधियों को किया गिरफ्तार, एक की 17 और दूसरे की 4 साल से थी तलाश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे दो घोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र कुमार और पूजा पाहवा के रूप में हुई है, जो 17 वर्ष और 4 वर्ष से कानून की पकड़ से बाहर थे।

सीबीआई के अनुसार, आरोपी जितेंद्र कुमार वर्ष 2002-03 में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से फर्जी एवं जाली वेतन प्रमाणपत्रों के आधार पर होम लोन लेने के मामले में शामिल था। इस धोखाधड़ी से वित्तीय संस्था को लगभग 65.90 लाख रुपए का नुकसान हुआ था। ऋण वितरण के तुरंत बाद ही खाता एनपीए घोषित हो गया था।

मामले में वर्ष 2006 में जितेंद्र कुमार सहित 19 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। हालांकि, आरोपी ने 2009 से न्यायालय में पेश होना बंद कर दिया और लगातार फरार रहा। जनवरी 2013 में उसे घोषित अपराधी घोषित किया गया था। सीबीआई के लगातार प्रयासों के बाद उसे मंगलवार को नई दिल्ली के द्वारका मोड़ क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सक्षम न्यायालय में पेश किया जाएगा।

दूसरे मामले में गिरफ्तार की गई पूजा पाहवा पर इंडियन ओवरसीज बैंक से प्राप्त कैश क्रेडिट सुविधा का दुरुपयोग और धन की हेराफेरी करने का आरोप है। जांच में सामने आया कि फर्जी और जाली दस्तावेजों के आधार पर यह सुविधा प्राप्त की गई थी, जिससे बैंक को 10.16 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। संबंधित खाता वर्ष 2012 में एनपीए घोषित कर दिया गया था।

सीबीआई ने वर्ष 2017 में पूजा पाहवा सहित छह आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। बाद में चार बैंक अधिकारियों के खिलाफ भी पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया, जिन पर लाभार्थी कंपनी और अन्य आरोपियों के साथ साजिश रचने का आरोप है।

जून 2029 तक राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ेगा इंफाल, देश से बढ़ेगी सीधी कनेक्टिविटी

विश्व केसरी

गुवाहाटी/इंफाल। मणिपुर की राजधानी इंफाल जून 2029 तक राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ने वाला पूर्वोत्तर क्षेत्र का पांचवां राजधानी शहर बन जाएगा। इसके लिए जिरीबाम-इंफाल नई रेलवे लाइन परियोजना पर काम चल रहा है। इसके जून 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिरीबाम को इंफाल से जोड़ने वाली 111 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना लगभग 22,000 करोड़ रुपए की लागत से बनाई जा रही है। जिरीबाम मणिपुर में स्थित है और दक्षिणी असम के कछार जिले की सीमा से लगा है।

वर्तमान में असम की राजधानी दिसपुर (गुवाहाटी के पास), त्रिपुरा की राजधानी अगरतला, अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर और मिजोरम की राजधानी आइजोल भारतीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 सितंबर 2025 को आइजोल में बैराबी-सैरांग रेलखंड का उद्घाटन किया था। यह 51.38 किलोमीटर लंबा रेलमार्ग मिजोरम की राजधानी को रेलवे नेटवर्क से जोड़ता है।

अधिकारी ने बताया कि जिरीबाम-इंफाल नई रेलवे लाइन परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र की सबसे चुनौतीपूर्ण रेलवे प्रोजेक्ट्स में से एक है। यह रेलमार्ग पहाड़ी और कठिन इलाकों से होकर गुजरता है, जिसके कारण इसमें बड़े पैमाने पर सुरंगों और पुलों का निर्माण किया जा रहा है।

हाल ही में एनएफआर (निर्माण) के महाप्रबंधक आशीष बंसल ने परियोजना के जिरीबाम-खोंगसांग, खोंगसांग-आवांगखुल और आवांगखुल-इंफाल खंडों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और परियोजना से जुड़े महत्वपूर्ण रेलवे ढांचे का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने टनल नंबर 28 और टनल नंबर 12 का भी दौरा किया और सुरंग निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

अधिकारी के अनुसार, रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) अक्टूबर 2026 में खोंगसांग-आवांगखुल खंड का निरीक्षण कर सकते हैं।

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका विशाल सुरंग नेटवर्क है। पूरी परियोजना में 54 सुरंगें बनाई जा रही हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 66.47 किलोमीटर होगी।

इनमें टनल नंबर 12 भारत की सबसे लंबी रेलवे सुरंग होगी। इसकी लंबाई 11.55 किलोमीटर होगी, जो जम्मू-कश्मीर की बनिहाल-काजीगुंड रेल लाइन पर स्थित प्रसिद्ध पीर पंजाल सुरंग से भी लंबी होगी।

अधिकारी ने कहा कि कठिन भूगर्भीय और पहाड़ी परिस्थितियों में इन सुरंगों का निर्माण इंजीनियरिंग का एक बड़ा उदाहरण है। इसके लिए उन्नत तकनीक, कड़े सुरक्षा मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की आवश्यकता होती है। परियोजना में 15 बड़े और 116 छोटे पुलों का भी निर्माण किया जा रहा है। इनमें नोनी जिले में स्थित पुल संख्या 164 विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

खाद से लेकर खाद्य पदार्थों तक की कीमतों में तेजी, कारोबारियों और ग्राहकों की सरकार से महंगाई कम करने की अपील

विश्व केसरी

पिंपरी-चिंचवड़। खाद से लेकर खाद्य पदार्थों तक की कीमतों में तेजी आ गई है। प्याज और चीनी के दाम बढ़ गए हैं, जिससे घरों के बजट पर दबाव बढ़ गया है। इस पर कारोबारियों, खरीदारों समेत किसानों ने सरकार से महंगाई कम करने की अपील की है।

प्याज विक्रेता फिरोज तंबोली ने कहा कि कम स्टॉक और कम आवक की वजह से कीमतें बढ़ रही हैं। ग्राहक गजानन मोहिते ने बढ़ती कीमतों का ग्राहकों पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया।

प्याज विक्रेता फिरोज तंबोली ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, 'इस साल बाजार में माल की सप्लाई 40 प्रतिशत कम हो गई है।

पिछले साल प्याज की कीमत लगभग 20 से 25 रुपए प्रति किलोग्राम थी इस साल, सप्लाई में 40 प्रतिशत की कमी के कारण प्याज की कीमतें 40 से 50 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। इसके अलावा, डीजल की बढ़ती कीमतों ने ट्रांसपोर्टेशन का खर्च बढ़ाया है। किसानों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उनकी लगभग 40 प्रतिशत फसल खराब हो गई है, जिससे बाजार में कीमतें और बढ़ गई हैं।

सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि, 11 परिषदीय विद्यालयों में देखा कक्षा शिक्षण

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुनियादी शिक्षा और बच्चों की सीखने की क्षमता को मजबूत करने के प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय पीयर-लर्निंग का विषय बन रहे हैं। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत भारत में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) सुधारों को समझने के उद्देश्य से केन्या, ब्राजील, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका और सेनेगल के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों एवं नागरिक समाज के प्रतिनिधियों का लगभग 70 सदस्यीय दल गाजियाबाद पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल ने परिषदीय विद्यालयों में कक्षा शिक्षण का प्रत्यक्ष अवलोकन कर निपुण भारत की नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन को समझा। 23 से 27 अगस्त तक चल रहे सप्ताहभर के पीयर-लर्निंग इमर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर गाजियाबाद के नगर, राजापुर, लोनी और मुरादनगर ब्लॉकों के 11 विद्यालयों का भ्रमण कराया गया।

प्रतिनिधियों ने कक्षा-कक्ष में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया देखी तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, अकादमिक रिसोर्स पर्सन्स (एआरपी) और राज्य संसाधन समूह के अधिकारियों से संवाद किया।

राजस्थान : सरकारों के बदलने के बावजूद वित्तीय मुश्किलें जारी, सीएजी ने घाटे की सीमा पार होने पर चिंता जताई

जयपुर । नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की हालिया रिपोर्ट ने राजस्थान के वित्तीय प्रबंधन पर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट से पता चलता है कि वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत और भजन लाल शर्मा की सरकारों के कार्यकाल के दौरान ज्यादातर समय राज्य का राजकोषीय घाटा तय सीमा से ऊपर रहा। पिछले 12 सालों में राजस्थान में सरकारें बदली हैं लेकिन राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव बना हुआ है। लगातार आती रही सरकारों ने राजकोषीय घाटे को तय सीमा के भीतर रखने के लक्ष्य तय किए, फिर भी सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि ये लक्ष्य बार-बार पूरे नहीं हो पाए। ह्यबजट अनुमान और वास्तविक आंकड़ों, दोनों में ही घाटा तय मानकों से ज्?यादा रहा। रिपोर्ट के अनुसार, 2015-16 और 2024-25 के बीच राजस्थान के राजकोषीय घाटे में काफी उतार-चढ़ाव आया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34692..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34692

वार्ड का नाम 29 - गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330F00256 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MRS. MARYAMNAG पिता/पति श्री श्रीमती DEENDAYAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. संदीप वैथ पिता श्री प्रदीप वैध 2. अर्पणा वैध पति श्री संदीप वैध पिता/पति श्री/श्रीमती 1. पिता श्री प्रदीप वैध 2. पति श्री संदीप वैध ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /...34560..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34560

वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802M00141 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती VANDAN KUMAR JAYSHRI RAMTEKE पिता / पति श्री/श्रीमती MORESHWER JI VANDAN RAMTEKE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती Rekha mishra पिता / पति श्री/श्रीमती Mahesh mishra ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34642.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34642

वार्ड का नाम 5 बंजारी माता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR105C00306 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Jagdish Sahu पिता / पति श्री/श्रीमती Nand Ram के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1.VIJAY KUMAR KOSHALE 2.ARABIND KUMAR SATNAMI पिता / पति श्री/श्रीमती JIVARAKHAN KOSLE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34799..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34799

वार्ड का नाम - 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR107D00424 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती JOGESHWER SAHU पिता/पति श्री श्रीमती KALURAM के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. GITA BAI VERMA 02. SHUBHAM JANGHEL पिता/पति श्री श्रीमती 01. W/O LATE. SONU RAM VERMA 02. S/O DINESH KUMAR JANGHEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.MALMA VIKRAYA IKARARNAMA 02. SHAPAT PATRA 03. TAX RASHID KE AADHAR PAR / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34620..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34620

वार्ड का नाम - 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR107C00220 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DULAL CHAND DEY पिता/पति श्री श्रीमती SURESH CHND DEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 01. ANUPAMA DEY 02. SIDDHARTH DEY 03.SUDHANSHU DEY 04. SAMEER DEY पिता/पति श्री श्रीमती W/O LATE. PRABHAT DEY S/O PRABHAT KUMAR DEY ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.FOUTI NAMANTARAN 02.SHAPATH PAPTRA 03.B1 04. TAX RASHID KE AADHAR / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है. प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....34499..../ न. पा. नि. जोन क्रं 2026
रायपुर ,दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34499

वार्ड का नाम 38 स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715D00194 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SANTOSH KUMAR पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्रीमती सरोज देशमुख, 02. श्री अमित देशमुख, 03. श्री संजय कुमार देशमुख, 04. शुभा (नेहा) बंगाली पिता / पति श्री श्रीमती 01. पति स्व. संतोष कुमार देशमुख, 02. पिता स्व. संतोष कुमार देशमुख, 03. पिता स्व. संतोष कुमार देशमुख, 04. पति नितिन बंगाली ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / shapath patr, adhar card, mrityu praman patr, old ragistri, nigam ta& copy / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34721..../ न. पा. नि. / जोन क्र 3/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34721

वार्ड का नाम 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR331D00153 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MRS. SUBHADRA JHA पिता/पति श्री SUBHADRA P. JHA के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती श्रीमती मनीषा पाराशर पिता/पति श्री श्रीमती पति विनीत पाराशर ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / अपंजीकृत अपंज वसीयत नामा / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

राजनांदगांव के युवाओं ने नशे के खिलाफ लिया संकल्प, राष्ट्र निर्माण में योगदान का दिया संदेश

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का समापन

विश्व केसरी

राजनांदगांव। केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव में आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। 24 एवं 25 अगस्त को आयोजित यह कार्यक्रम 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाने का संदेश दिया गया।

मादक पदार्थों की तस्करी और नियंत्रण की दी जानकारी - कार्यक्रम के दूसरे दिन मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), रायपुर के अधीक्षक अनिल कुमार ने मादक पदार्थों की तस्करी, नियंत्रण और नशे के दुष्परिणामों पर पीपीटी प्रस्तुति दी। उन्होंने युवाओं को नशे से बचाव में उनकी भूमिका तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने नशामुक्ति से संबंधित मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में भी बताया।

विद्यार्थियों ने नशे, मादक पदार्थों की तस्करी, इसके दुष्परिणाम और बचाव से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। अनिल कुमार ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का विस्तारपूर्वक समाधान किया और नशे से दूर रहने के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने का आह्वान किया।

निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा - दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपनी विचारशीलता एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। सक्रिय रूप से भाग लेने वाले विद्यार्थियों को केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से सहभागिता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ हुआ समापन - कार्यक्रम में महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एस. आर. कनोजे, सामाजिक कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, ब्रह्माकुमारी केंद्र के प्रतिनिधि, प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही युवाओं से अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में लगाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया गया।

मोरखण्डी जंगल में नक्सल डम्प से हथियार समेत भारी मात्रा में सामग्री बरामद

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। थाना छोटेबेठिया क्षेत्र के ग्राम मोरखण्डी के जंगल-पहाड़ी इलाके में सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सल डम्प का पता लगाकर हथियार, वायरलेस सेट, जीपीएस, सोलर प्लेट सहित बड़ी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त 2026 को जिला बल, बीएसएफ और बीडीएस टीम द्वारा मोरखण्डी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में संयुक्त रूप से सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सुरक्षा बलों को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प का पता चला। डम्प की तलाशी लेने पर हथियार समेत अन्य सामग्री बरामद की गई।

ये सामग्री हुई बरामद - भारमार बंदूक- 4 नग, भारमार बंदूक बैरल- 3 नग, वायरलेस सेट - 1 नग, बिजली वायर - 3 बंडल, जीपीएस - 1 नग, छोटी सोलर प्लेट - 1 नग, चार्जर - 1 नग, नक्सली साहित्य एवं अन्य नक्सली सामग्री। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई बस्तर रेंज आईजी बद्री नारायण मीणा, बीएसएफ भानुप्रतापपुर डीआईजी दीपक तिवारी, कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा तथा 94वीं वाहिनी बीएसएफ बांदे के 2IC प्रभारी सेनानी सुभाष चंद्र के मार्गदर्शन में की गई।

बीएसएफ-बीडीएस टीम ने संभाली कमान

संयुक्त अभियान में 94वीं वाहिनी बीएसएफ के इंस्पेक्टर हनुमान मीणा, उप निरीक्षक मोहित बंसल तथा बीएसएफ बीडीएस टीम के कमांडर उप निरीक्षक रोशन लाल मीणा शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, कांकेर जिले के नक्सल प्रभावित एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में जिला बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों पर अभद्र टिप्पणी, थाने में शिकायत दर्ज

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शीर्ष संवैधानिक पदों पर बैठे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर की जा रही अमर्यादित टिप्पणियों को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भारी आक्रोश है। इसी कड़ी में सोमवार को राजधानी रायपुर के सिविल लाइन थाने में एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील भाषा और भद्दी गालियों के इस्तेमाल का गंभीर आरोप लगाया गया है।

मामले का पूरा विवरण देते हुए शिकायतकर्ता एवं राष्ट्रवादी विचारक वीरेंद्र दुबे ने पुलिस को साक्ष्य सौंपे हैं। जानकारी के अनुसार, इंस्टाग्राम पर 'सागर निर्मलकर' नामक एक आईडी से वीडियो पोस्ट किया गया था। इस वीडियो के कमेंट सेक्शन में '@quail.3131469' नामक यूजर आईडी से संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं के लिए बेहद आपत्तिजनक और भद्दी भाषा का प्रयोग किया गया। शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में स्वस्थ आलोचना का स्वागत है, लेकिन इस तरह की बदजुबानी को अभिव्यक्ति की आजादी का नाम नहीं दिया जा सकता।

प्रदेश में बीते कुछ समय से जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और विशिष्ट व्यक्तियों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर भ्रामक व अपमानजनक सामग्री परोसने के मामले बढ़े हैं। इससे पहले भी राज्य के विभिन्न जिलों में साइबर पुलिस ऐसे मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए कई फर्जी और गुमनाम अकाउंट्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य के प्रमुख आदिवासी नेताओं में से एक हैं, ऐसे में इस तरह की दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियों को सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की साजिश के रूप में भी देखा जा रहा है।

बैंक, वित्तीय संस्थानों में साइबर अपराध के बारे में दी गई जानकारी

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। डीआईजी/एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी साइबर सेल रितेश चौधरी के कुशल नेतृत्व में जिला अंतर्गत दूसरे सप्ताह में सभी बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों में नागरिकों कों जागरूक करने 'साइबर जागृति अभियान' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है!

साइबर अपराधों के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत स्टेट बैंक ऑफ़ बतौली, सेंट्रल बैंक नर्मदापारा, पंजाब नेशनल बैंक अंबिकापुर, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर, ग्रामीण बैंक लुण्ड्रा, ग्रामीण बैंक लखनपुर, राज्य ग्रामीण बैंक अंबिकापुर, सहकारी समिति बैंक लखनपुर एवं स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया लखनपुर, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया सीतापुर में उपस्थित नागरिकों एवं व्यवसायिक संगठन (कैट) के प्रभारियों एवं सदस्यो के माध्यम से साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैंक एवं वित्तीय संस्थानों में पदस्थ अधिकारी कर्मचारी समेत बैंको में उपस्थित नागरिकों, एवं व्यवसायिक संगठन (कैट) के प्रभारियों एवं सदस्यो ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान बैंक के अधिकारी कर्मचारियों समेत उपस्थित नागरिकों, ग्रामीणों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई।

मिठास की नई चमक सड्डू रायपुर में न्यू दिल्ली स्वीट्स गोल्ड का शुभारंभ

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शुद्धता और स्वाद का विश्वसनीय नाम बन चुका न्यू देहली स्वीट्स अब एक नए अवतार में आ रहा है। न्यू देहली स्वीट्स गोल्ड राजधानी रायपुर के सड्डू में शुरू होने जा रहा है यह आउटलेट हमारी मिठाइयों की श्रृंखला का 16 आउटलेट होगा 2011 से शुरू हुई थी । मिठास की यात्रा 11 मार्च 2011 को रायपुर से एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुई। यह विकास यात्रा आज दो राज्यों के सफर में हैं शीघ्र ही इसमें तीसरा सोपान जोड़ा जाएगा। इस मीठी श्रृंखला के सूत्रधार अशोक ऋषि हैं 20 बरस पहले उनके द्वारा यह सपना संजोया गया था, जो उनके पुत्र अभिनव ऋषि पुत्रवधू नीतू ऋषि व पुत्री साक्षी ऋषि के अतुलनीय सहयोग से साकार होने जा रहा है। एन डी एस को मिष्ठान प्रेमियों से बे इंतेहा प्यार मिला वजह बहुत साफ थी हमने अपने सूत्र वाक्य हाउस आफ प्योरिटी यानी शुद्धता स्वाद और परफेक्शन पर पूरा ध्यान दिया। यही हमारी पहचान बनी आज उस पर बने हुए हैं। हमारा उद्देश्य था बिना किसी व्यावसायिक लाभ के छत्तीसगढ़ वासियों को शुद्ध और स्वादिष्ट मिठाइयां उपलब्ध कराना हमें गर्व है कि हम अपने इस अभियान में सफल हो पाए हैं । मिठाइयों की बिक्री में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की एक उल्लेखनीय पहल की है। एक ही शहर में मल्टी पॉइंट आउटलेट्स का कॉन्सेप्ट हम लेकर आए हैं ताकि हर क्षेत्र के ग्राहक तक शुद्धता मिठाई आसानी से पहुंचे एन डी एस की सबसे बड़ी खासियत वजन और क्वालिटी में ईमानदारी हमने परफेक्शन में सिर्फ स्वाद में ही नहीं बल्कि मापदंड में भी लाया है हम जितना दावा करते हैं ।

जिला अस्पताल में जांच रिपोर्ट के लिए भटक रहे मरीज, दो-तीन दिन लगाने पड़ते हैं चक्कर

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। जिला अस्पताल में ब्लड सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच कराने वाले मरीजों और उनके परिजनों को जांच रिपोर्ट की हार्ड कॉपी लेने के लिए दो से तीन दिन तक अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। अटल आरोग्य लैब के तहत जांच के बाद मरीजों के मोबाइल नंबर पर रिपोर्ट तैयार होने का मैसेज और व्हाट्सएप के माध्यम से रिपोर्ट भेजने की जानकारी दी जा रही है, लेकिन जरूरतमंद मरीजों को तत्काल हार्ड कॉपी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों को रिपोर्ट के लिए दोबारा और कई बार तीसरी बार अस्पताल पहुंचना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में प्रतिदिन करीब 150 से 200 मरीज विभिन्न प्रकार की जांच कराने पहुंच रहे हैं। इन दिनों वायरल फीवर सहित अन्य बीमारियों के मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। डॉक्टरों की सलाह पर मरीजों के ब्लड सैंपल लिए जा रहे हैं। लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, रूटीन ब्लड टेस्ट सहित कई तरह की जांच की जा रही है। जांच के बाद रिपोर्ट मोबाइल पर उपलब्ध होने की सूचना तो मरीजों को मिल रही है, लेकिन जब मरीज या परिजन हार्ड कॉपी लेने पहुंचते हैं तो सर्वर डाउन होने की जानकारी देकर उन्हें वापस लौटाया जा रहा है।

मोबाइल पर रिपोर्ट की सूचना, हार्ड कॉपी के लिए अस्पताल आना मजबूरी - अटल आरोग्य लैब के तहत जिला अस्पताल में ब्लड एवं अन्य जांचों की व्यवस्था की गई है। इसके लिए निजी कंपनी के कर्मचारी अस्पताल के सिस्टम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जांच के लिए सैंपल लेने के बाद ऑनलाइन एंट्री की जाती है और इसके बाद मरीज की आईडी जनरेट होती है। रिपोर्ट तैयार होने पर मरीज के मोबाइल नंबर पर सूचना पहुंचती है। ग्रामीण क्षेत्र के मरीज मोबाइल पर रिपोर्ट आने की जानकारी मिलने के बाद हार्ड कॉपी लेने जिला अस्पताल पहुंचते हैं। लेकिन कई बार उन्हें तत्काल रिपोर्ट नहीं मिल पाती। ऐसे में उन्हें वापस लौटकर अगले दिन आने को कहा जाता है। दूरी अधिक होने के कारण ग्रामीण मरीजों और उनके परिजनों को आने-जाने में अतिरिक्त समय और खर्च उठाना पड़ रहा है।

बी.एससी. कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी

विश्व केसरी

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत बी.एससी. ऑनर्स कृषि प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु पी.ए.टी. काउंसलिंग 2026 कृषि महाविद्यालय, रायपुर में संचालित की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन के यह संज्ञान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा दूरभाष के माध्यम से विद्यार्थियों एंव उनके पालको को फोन कर प्रवेश अथवा सीट दिलाने के नाम पर राशि की मांग की जा रही है। अत: पी.ए.टी. काउंसलिंग 2026 के समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं तथा प्रवेश अथवा सीट दिलाने के नाम पर किसी को भी कोई राशि प्रदान न करें। यदि किसी अभ्यर्थी को इस प्रकार का फोन अथवा कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है, तो उसकी शिकायत तत्काल विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध कराएं। प्रवेश की पूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है। अभ्यर्थी केवल विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित आधिकारिक काउंसलिंग प्रक्रिया एवं माध्यमों का ही पालन करें।

बेमेतरा कलेक्टर की सख्त हिदायतः आवश्यक सेवा वाले अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, जनहित से जुड़े कार्यों और लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सेवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आवश्यक सेवा से जुड़े कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी अधिकारी को किसी कारणवश मुख्यालय से बाहर जाना आवश्यक हो तो नियमानुसार पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति मुख्यालय से अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं एवं जनहित से जुड़े कार्य संचालित हैं। ऐसे में अधिकारियों की मुख्यालय में उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, खाद्य, शिक्षा, विद्युत एवं जल प्रदाय जैसे आवश्यक सेवा वाले विभागों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण आम नागरिकों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

सड़क दुर्घटना के क्षतिपूर्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण- बैठक में कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में मृत एवं घायल व्यक्तियों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति एवं राहत राशि के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। इसलिए ऐसे सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग को आपसी समन्वय से दुर्घटना से संबंधित क्लेम प्रकरण तैयार कर समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राहत राशि की स्वीकृति में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

जेपी स्कूल के नन्हे विद्यार्थियों ने ली यातायात नियमों की जानकारी

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। पुलिस की कार्यप्रणाली और यातायात नियमों को व्यवहारिक रूप से समझने के लिए जेपी स्कूल कांकेर के नन्हे विद्यार्थियों ने सिटी कोतवाली और यातायात शाखा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने पुलिस के कामकाज को करीब से जाना और सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी हासिल की।

पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार साहू के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी हरीश पाटिल के पर्यवेक्षण में यह भ्रमण कराया गया। यातायात प्रभारी दीपक साव, थाना प्रभारी जीतेन्द्र साहू सहित थाना एवं यातायात शाखा के अधिकारियों-कर्मचारियों ने बच्चों को पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने सिटी कोतवाली परिसर का भ्रमण कर शिकायत प्राप्त करने की प्रक्रिया, अपराध पंजीयन, पुलिस हेल्प डेस्क तथा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारियों के बारे में जाना। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया कि पुलिस आमजन की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम के लिए किस तरह कार्य करती है।

ट्रैफिक सिग्नल से लेकर सुरक्षा उपकरणों की जानकारी

यातायात शाखा में बच्चों को ट्रैफिक सिग्नल, बैरिकेड्स, रिफ्लेक्टिव जैकेट, कोन, साइन बोर्ड और अन्य सड़क सुरक्षा उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों को सड़क पार करते समय सावधानी बरतने, यातायात संकेतों का पालन करने तथा वाहन में सफर के दौरान सीट बेल्ट और हेलमेट के उपयोग का महत्व समझाया गया। पुलिस के अनुसार, शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को बचपन से ही यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और पुलिस व्यवस्था को व्यवहारिक रूप से समझाना था। भ्रमण के दौरान बच्चों में पुलिस की कार्यप्रणाली और यातायात व्यवस्था को लेकर उत्साह एवं जिज्ञासा देखने को मिली।

कृषि शिक्षा में भी हैं करियर, नवाचार और उद्यमिता के असीमित अवसर

विश्व केसरी

रायपुर। कृषि अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित क्षेत्र नहीं रह गई है, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता, टिकाऊ कृषि और बाजारोन्मुख अवसरों से जुड़ा व्यापक एवं रोजगारोन्मुख क्षेत्र बन चुकी है। ऐसे बदलते परिदृश्य में बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि विद्यार्थियों को सरकारी सेवाओं से लेकर अनुसंधान, कृषि व्यवसाय, एग्री-टेक, खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमिता तक अनेक करियर विकल्प उपलब्ध कराती है। छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में संभावनाएं विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

राज्य की धान आधारित कृषि प्रणालियां, दलहन एवं तिलहन, उद्यानिकी, पशुपालन, वनोपज आधारित आजीविका, पारंपरिक एवं जनजातीय कृषि तथा कृषि-प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि शिक्षा और व्यावसायिक विकास के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। प्रशिक्षित कृषि स्नातक उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन तथा कृषि मूल्य श्रृंखला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान, मृदाविज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, उद्यानिकी, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि प्रसार, कृषि मौसम विज्ञान, कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान और कृषि व्यवसाय प्रबंधन जैसे विविध विषयों का बहुविषयक ज्ञान प्रदान करता है। इससे विद्यार्थी उच्च शिक्षा, रोजगार, अनुसंधान और उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं।

संपादकीय

बेरोजगारी के आंकडे में घट-बढ का खेल

राकेश अचल

भारत में बेरोजगारी पर बहस करते समय पहले आंकड़ा समझ लीजिए।जुलाई 2026 में देश की बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत रही, जो जून के 5.5 प्रतिशत से कम है। सरकार के लिए यह निश्चित रूप से राहत की खबर है। लेकिन इसी आंकड़े का दूसरा पहलू देखिए—शहरी बेरोजगारी 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई।और शिक्षित बेरोजगार?

साल 2025 के पूरे साल के सरकारी पी एल एफ एस के आंकड़ों में माध्यमिक या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त लोगों की बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत रही। यानी पढ़िए, डिग्री लीजिए और फिर नौकरी के लिए भटकिए—यह समस्या अभी खत्म नहीं हुई है।

कहने को सरकार कह सकती है कि रोजगार बढ़ रहा है। जुलाई में काम करने वाली आबादी का अनुपात भी बढ़ा और श्रमबल में भागीदारी 55.4 प्रतिशत हुई।लेकिन असली सवाल है—नौकरी कैसी है?क्या वह स्थायी है? क्या उससे परिवार चल सकता है? क्या उसमें सामाजिक सुरक्षा है? क्या डिग्री के मुताबिक वेतन मिलता है?

भारत में रोजगार का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र, स्वरोजगार, दिहाड़ी और कम आय वाले कामों में है। इसलिए सिर्फ बेरोजगारी दर घटने से यह मान लेना कि रोजगार का संकट खत्म हो गया, तस्वीर को अधूरा देखना होगा।

सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ आंकड़ा कम करना नहीं है।सरकार को विनिर्माण में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने होंगे, छोटे और मझोले उद्योगों को मजबूत करना होगा, युवाओं की शिक्षा और उद्योग की जरूरत के बीच की दूरी घटानी होगी और ऐसी नौकरियां पैदा करनी होंगी जिनसे सम्मानजनक जीवन चल सके।

और अब जरा हमारे राजनीतिक विमर्श को देखिए।संसद में बेरोजगारी, महंगाई, मजदूरी और रोजगार पर गंभीर बहस से ज्यादा समय अगर इस बात पर खर्च हो कि वंदेमातरम कौन गाएगा, कितनी बार गाएगा और किससे ज्यादा देशभक्त कौन है, तो सवाल पूछना तो बनता है।

वंदेमातरम हमारे राष्ट्रीय इतिहास और भावना का सम्मान है। लेकिन क्या सिर्फ वंदेमातरम गाने से बेरोजगार युवक को नौकरी मिल जाएगी क्या इससे महंगाई कम होगीक्या इससे कारखाने खुलेंगे क्या इससे किसान की आय बढ़ेगीक्या इससे किसी युवा की डिग्री नौकरी में बदल जाएगी

मेरे ख्याल से देशभक्ति जरूरी है, लेकिन देशभक्ति का सबसे बड़ा

प्रमाण यही होना चाहिए कि देश के नागरिकों के पास रोजगार, सम्मान और बेहतर जीवन हो। इसलिए सरकार से सवाल है—नारे भी चाहिए और रोजगार भी। वंदेमातरम भी गाइए, लेकिन रोजगार का गीत भी सुनाइए।क्योंकि भूखे पेट देशभक्ति का नारा बहुत देर तक नहीं चलता।आखिर देश सिर्फ नारों से खुशहाल होगा या नौकरियों से?

संसद के मानसून सत्र में इस ज्वलंत मुद पर बहस होना तो दूर आंकडे तक पेश नहीं किए गए. लालकिले की प्राचीर से भी शिक्षित बेरोजगारों को परोक्ष रूप से दिमाग वाला नक्सली कहकर अपमानित किया गया. और अब को वंदेमातरम में उलझाकर रख दिया गया है. जनता भी उलझी है. जनता न बेरोजगारी के खिलाफ खडी हो रही है और न मंहगाई के खिलाफ.

बहरहाल मसला बेरोजगारी का है और इसी पर बहस होना चाहिए. वंदेमातरम पर फिर विवाद हो सकता है. जो गाए सो भला न गाए सो भी भला. इस सयम वंदेमातरम से ज्यादा जरूरी रोजगार है. आप मानें चाहे मानें.क्योंकि देश में तमाम समस्याओं की जड यही बेरोजगारी है, वंदेमातरम नहीं. वंदेमातरम विवाद तो जानबूझकर पैदा किया गया है ताकि हिंदू, मुसलमान, सिख सब आपस में भिडते रहें.

भारत में बेरोजगारी बढने के जिने भी कारण हैं या हो सकते हैं उनके बारे में कोई संसद, विधानसभा या कोई दूसरा मंच विमर्श करने को राजी नहीं पूरा देश दिग्भ्रमित है. एक तरफ अंधभक्ति है दूसरी तरफ अंध मुखालफत. देश की फिक्र जिन्हे है, जो सवाल करते हैं वे सब सरकार की नजर में दिमागी नक्सली और देशद्रोही हो चुके हैं. राम जाने आने वाले समय में ये देश किस में जा रहा ।

सरकारी स्कूल सोशल मीडिया के लिए मंच नहीं हैं

डॉ. सत्यवान सौरभ

आजकल सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नज़रिया एक चलन बनता जा रहा है, और यह अच्छा नहीं है। फ़ोन, कैमरा और कैमरा-युक्त स्मार्टफोन होते ही लगभग कोई भी सरकारी स्कूल में जाकर शिक्षकों से सवाल पूछ सकता है, कक्षाओं की तस्वीरें खींच सकता है और कुछ ही मिनटों में पूरी शिक्षा व्यवस्था के बारे में अपनी राय बना सकता है। कभी-कभी, यह इरादा नेक होता है। नागरिकों को शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज और बच्चों के भविष्य के बारे में चिंतित होने का पूरा अधिकार है।

इसका मतलब यह है कि एक सीधा-सा सवाल अक्सर उठाया जाता है, लेकिन उस पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है: निरीक्षण को लेकर यह उत्साह अक्सर सरकारी स्कूलों तक ही सीमित क्यों रहता है? कितनी बार स्वघोषित निरीक्षक बड़ी मुश्किल से और घड़ी की चुभती निगाहों से देखते हुए कुलीन निजी स्कूलों में घुसते हैं और वहाँ की फीस, बुनियादी ढाँचे, प्रवेश नीतियों, शिक्षकों के कार्यभार, परिवहन या अन्य किसी भी चीज़ के बारे में और भी अटपटे सवालों का सामना करते हैं? लोग महंगे निजी स्कूलों के गेट पर कैमरा लेकर घुस जाते हैं और शिक्षकों से सवाल पूछने लगते हैं। जवाब स्पष्ट है। हर निजी स्कूल की अपनी विशिष्ट प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा, प्रशासन और फोटोग्राफी/रिकॉर्डिंग की सीमाएँ होती हैं। बिना अनुमति के किसी को भी कक्षाओं में घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर, सरकारी स्कूलों में अक्सर खुला और सुलभ वातावरण होता है। वे समाज के कमजोर वर्गों और निम्न आर्थिक स्तर के बच्चों का पालन-पोषण करते हैं। वे खुले तो हैं, लेकिन नियमों से मुक्त नहीं हैं। हर पहुँच का मतलब पूर्ण अधिकार नहीं होता।

सरकारी विद्यालयों के शिक्षक सरकार, विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों, छात्रों और कानून के प्रति उत्तरदायी होते हैं। उन्हें उचित संस्थागत माध्यमों से अपने पेशेवर कर्तव्यों के संबंध में पूछताछ का अधिकार और दायित्व दोनों है। हालांकि, उचित निरीक्षण और अनौपचारिक निगरानी में स्पष्ट अंतर होता है। अधिकृत निरीक्षण प्रशासन के निर्धारित ढांचे के भीतर होता है। इसके लिए प्रक्रियाएं, रिकॉर्ड, जिम्मेदारियां और जवाबदेही आवश्यक हैं। किसी परिसर में मोबाइल फोन रखना और बिना अनुमति के शिक्षकों की रिकॉर्डिंग करना दिखावा हो सकता है, लेकिन दिखावा निरीक्षण नहीं है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि शैक्षणिक संस्थानों में पारदर्शिता और गरिमा की आवश्यकता है।

यहां एक और बड़ा सवाल उठता है: शिक्षकों की गरिमा। शिक्षक कक्षाओं में बैठे सरकारी अधिकारी नहीं होते। वे विशेषज्ञ होते हैं जो बच्चों के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसी प्रक्रियाएं होनी चाहिए जिनसे यह पता चल सके कि कोई शिक्षक अपने कर्तव्य में विफल हो रहा है, इसकी जांच की जाए और यदि शिक्षक वास्तव में विफल हो रहा है तो सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। हालांकि, आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना, बिना अनुमति के उनकी रिकॉर्डिंग करना या सोशल मीडिया पर चुनिंदा वीडियो पोस्ट करना यह जरूरी नहीं है कि सरकारी स्कूलों को जांच से छूट मिलनी चाहिए। बल्कि इसके विपरीत। सार्वजनिक धन और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, बच्चों के भविष्य से जुड़े मामलों में, सरकारी स्कूलों को पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए। इसलिए शिक्षक और प्रशासक अपने कर्तव्यों के प्रति जवाबदेह हैं। माता-पिता और नागरिक नि:संकोच अपनी चिंताओं को व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन उचित मंच पर चिंताएं उठाना एक

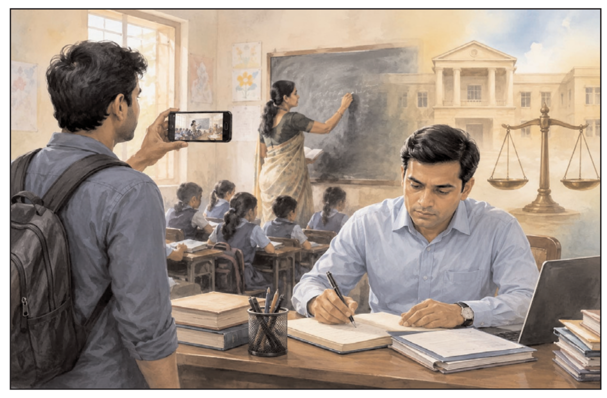

जवाबदेही के लिए अधिकार की आवश्यकता होती है, सिर्फ कैमरे की नहीं

दर्शाता कि इससे शिक्षा का स्तर बेहतर हो रहा है। इसके विपरीत, इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यदि हर बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल होने की संभावना बन जाए, तो शिक्षक छात्रों के साथ स्वाभाविक रूप से बातचीत करने की बजाय उनके द्वारा रिकॉर्ड किए जाने को लेकर अधिक चिंतित हो सकते हैं। कक्षा धीरे-धीरे एक प्रदर्शन स्थल में बदल सकती है और वायरल कंटेंट की होड़ में शिक्षा का उद्देश्य भुलाया जा सकता है।

सका यह मतलब बिलकुल नहीं बात है और अनधिकृत निरीक्षण और सोशल मीडिया पर परीक्षण के माध्यम से उन्हें उठाना बिलकुल अलग बात है।

शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में वास्तव में रुचि रखने वालों के लिए व्यवस्था के भीतर रहकर सार्थक योगदान देने का एक वैध तरीका भी है।

तो क्यों न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी या अन्य प्राधिकरण पदों के लिए आवेदन करें? कड़ी मेहनत करें, योग्यता प्राप्त करें, नियमों को जानें, जिम्मेदारी लें और सरकार द्वारा प्रदत्त अधिकार के साथ विद्यालयों में प्रवेश करें। इस स्तर पर, निरीक्षणकर्ता और शिक्षक के बीच संबंध में महत्वपूर्ण बदलाव आता है। एक अधिकृत शिक्षा अधिकारी केवल कमियों को इंगित नहीं करता। एक अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उन कमियों के कारणों को समझे, अभिलेखों की समीक्षा करे, कार्यान्वयन का मूल्यांकन करे, शिक्षकों का मार्गदर्शन करे, व्यवस्थागत मुद्दों को उजागर करे और समाधान खोजने में सहायता करे। निरीक्षण और हस्तक्षेप में यही अंतर है।

एक समस्या को कैमरे से पल भर में पहचाना जा सकता है, लेकिन एक सक्षम प्रशासक को समस्या के कारणों का पता लगाने और उसे हल करने के लिए आवश्यक संसाधनों, प्रशिक्षण, नीति या संस्थागत सहायता का पता लगाने में हफ्तों या महीनों लग सकते हैं। अपमान शिक्षा को बेहतर बनाने का साधन नहीं हो सकता। हर शिक्षक का वीडियो वायरल करके शिक्षा को बेहतर नहीं बनाया जा सकता। सरकारी स्कूलों जैसे आसान लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करके भी शिक्षा को बेहतर नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि उनके दरवाजे खुले होते हैं। बेहतर स्कूलों के लिए हमें बेहतर सवालों की जरूरत है। किसी विशेष स्कूल में बुनियादी ढांचे की कमी का क्या कारण है? शिक्षकों को प्रशासनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना क्यों करना पड़ता है? क्या शिक्षण संसाधन अच्छे हैं? क्या छात्र-शिक्षक अनुपात सही है? क्या अभिभावकों की भागीदारी पर्याप्त है? क्या सरकारी योजनाएं उन लोगों तक पहुंच रही हैं जिनके लिए वे बनाई गई हैं? क्या शिक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण मिलता है?

मस्या पर कैमरा घुमाना सबसे आसान तरीका है। समस्या का समाधान करना उतना ही मुश्किल होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि नागरिकों को बोलने से रोका जाए, न ही इसका मतलब यह है कि वास्तविक भ्रष्टाचार को उजागर न किया जाए। यदि भ्रष्टाचार, दुर्व्यवहार, लापरवाही या गंभीर कदाचार व्याप्त है, तो इसकी रिपोर्ट करना और उचित माध्यमों से इसकी जांच कराना आवश्यक है। पेशेवर रवैया का मतलब चुप्पी नहीं है। अब आलोचना जिम्मेदारी से होनी चाहिए—और जवाबदेही भी, कानूनी जवाबदेही।

स्कूल कोई कंटेंट स्टूडियो नहीं है। कक्षा सोशल मीडिया रील्स के लिए कोई मंच नहीं है। शिक्षक ऑनलाइन किसी कहानी में किसी और की कहानी नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यूज़, लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़ में शिक्षा को दरकिनार नहीं किया जाना चाहिए। बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन स्कूल का सबसे खराब वीडियो बना सकता है।

स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए कैमरे ही एकमात्र साधन नहीं हैं। स्कूलों का विकास सहयोग, जिम्मेदारी, समन्वय, संसाधनों और सुविचारित प्रशासन के फलस्वरूप होता है। इसलिए, किसी सरकारी स्कूल में स्वयं को निरीक्षक घोषित करने से पहले, आपको स्वयं से पूछना चाहिए: क्या मेरे पास यह कार्य ठीक से करने का अधिकार, समझ और जिम्मेदारी है? यदि आपको लगता है कि इसका उत्तर 'नहीं' है, तो शायद कैमरे के बजाय बातचीत के माध्यम से प्रवेश करना बेहतर होगा।

सनातन संस्कृति पर राजनीतिक प्रहार

पार्थसारथि थपलियाल

22 अगस्त 2026 को पुणे में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महिलाओं की स्वतंत्रता के प्रश्न पर मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए कहा कि बचपन में स्त्री पिता, युवावस्था में पति और वृद्धावस्था में पुत्र के अधीन रहती है तथा 'एक महिला को कभी स्वतंत्र नहीं होना चाहिए'; उन्होंने इन शब्दों को 'शर्मनाक' बताया और कहा कि महिला स्वयं की है, किसी पुरुष की संपत्ति नहीं। महिला की स्वतंत्रता और गरिमा के पक्ष में खड़ा होना निश्चय ही स्वागतयोग्य है। प्रश्न यह है कि क्या भारतीय नारी की गरिमा सिद्ध करने के लिए सनातन परंपरा को ही कटघरे में खड़ा करना आवश्यक है? क्या हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता को एक स्मृति-ग्रंथ के एक श्लोक से पढ़ा जा सकता है? और क्या उस संस्कृति का मूल्यांकन करते समय गार्गी, मैत्रेयी, अपाला, लोपामुद्रा, घोषा, उभय भारती, जीजाबाई, अहिल्याबाई, रानी दुर्गावती, सावित्री फुले और लक्ष्मीबाई को भूल जाना इतिहास के साथ न्याय होगा?

राहुल गांधी ने जिस विचार का उल्लेख किया, उसका संबंध मनुस्मृति 9.3 से है-

'पिता रक्षति कौमारे भर्ता रक्षति यौवने।
रक्षन्ति स्थविरे पुत्रा न स्त्री स्वातन्त्र्यमर्हति॥'

इस श्लोक की आधुनिक स्वतंत्रता और समानता की कसौटी पर आलोचना की जा सकती है। लेकिन यहीं प्रश्न उठता है, क्या इसी ग्रंथ के दूसरे श्लोक को भी उसी ईमानदारी से सामने रखा जाएगा? मनुस्मृति 3.56 कहती है-

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:॥'

अर्थात जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है, वहाँ देवता प्रसन्न होते हैं और जहाँ उनका सम्मान नहीं होता, वहाँ धार्मिक कर्म भी निष्फल हो जाते हैं। इसके ठीक पहले 3.55 में पिता, भाई, पति और देवर द्वारा स्त्रियों के सम्मान और अलंकरण की बात कही गई है तथा 3.57 में स्त्रियों के दु:खी होने पर कुल के विनाश और प्रसन्न रहने पर कुल की उन्नति का उल्लेख है।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है।

अक्सर कहा जाता है कि अंग्रेज न्यायाधीश सर विलियम जोन्स ने कुल्लूक भट्ट से मनुस्मृति का अनुवाद करवाया और वही आज प्रचलित मनुस्मृति है। वास्तविकता इससे कुछ अधिक जटिल है।

आज मनुस्मृति की 50 से अधिक पांडुलिपियों के प्रमाण हैं, और वे सभी पाठगत रूप से एक-दूसरे से पूरी तरह समान नहीं हैं। गीता प्रेस गोरखपुर के प्रकाशनों में मनुस्मृति नहीं मिलती उसका कारण यह बताया जाता है कि अप्रमाणिक पुस्तक को गीता प्रेस प्रकाशित नहीं करती। ऋग्वैदिक परंपरा में स्त्री केवल किसी पुरुष की पुत्री या पत्नी नहीं थी, वह मंत्रद्रष्टा भी हो सकती थी। भारत सरकार के वैदिक विरासत संबंधी एक अध्ययन में ऋग्वेद में 27 महिला ऋषिकाओं का उल्लेख मिलता है।

अपाला, लोपामुद्रा, विश्ववारा, घोषा, रोमशा, वाक्, रात्रि आदि नाम इस परंपरा के साक्ष्य हैं। वैदिक साहित्य में स्त्री की उपस्थिति केवल घरेलू भूमिका तक सीमित नहीं दिखाई देती।

लोपामुद्रा का नाम ऋग्वेद में आता है। अपाला का सूक्त ऋग्वेद 8.91 से जुड़ा है। घोषा के सूक्त 10.39-40 में हैं। वाक् का प्रसिद्ध देवीसूक्त ऋग्वेद 10.125 में है।

बृहदारण्यक उपनिषद में गार्गी वाचक्नवी याज्ञवल्क्य से ब्रह्म और अस्तित्व के मूल प्रश्नों पर संवाद करती हैं। मैत्रेयी आत्मा, अमरत्व और धन के संबंध में याज्ञवल्क्य से प्रश्न करती हैं।

यदि भारतीय संस्कृति का मूल स्वभाव ही स्त्री को विचार करने से रोकना होता, तो गार्गी भारतीय दार्शनिक परंपरा में याज्ञवल्क्य को प्रश्नों के कठघरे में खड़ा करती हुई क्यों दिखाई देतीं? बाद की परंपरा में उभय भारती का प्रसंग तो और भी महत्वपूर्ण है।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया। यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्कता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

कविता

दुनिया कितनी नीच

डॉ. सत्यवान सौरभ

दूजे के घर आग में, सेंके अपने हाथ।
याद रखो वह आग फिर, ढूँढे तेरा साथ।।

दूजे के दुख पर हँसे, चेहरे पर मुस्कान।
वक्त बदलते देर क्या, रोएगा इंसान।।

जिसकी नाव डुबो रहे, बैठे उसके घाट।
लहरों का भी धर्म है, लौटेंगी सौगात।।

आज किसी की हार पर, बजती तेरी गाल।
कल तेरे ही द्वार पर, गूँजेगी बदहाल।।

दूजे की छत टूटती, तुम गिनते हो ईंट।
वक्त पड़े तो दीखती, दुनिया कितनी नीच।

जिस कुएँ में जहर तुम, रोज रहे हो डाल।
प्यास कभी अपनी लगे, तब समझोगे हाल।।

परनिंदा के रस लिए, डूबे आठों याम।
दिखा आईना सामने, भूलें अपना नाम।।

दूजे के घर राख को, समझ रहे हो खेल।
हवा किसी की दास कब, बदले सारे मेल।।

जिनको गिरता देख तुम, हँस रहे हो यार।
समय बड़ा है निर्दयी, देगा करके चार।।

दर्द किसी का बेचकर, करता अपना जोड़।
वक्त पड़े तो लोग वो, सह ना पाते मोड़।।

दूजे की मजबूरियों, किया खूब व्यापार।
होती क्या इंसानियत, क्या है तुम्हें विचार?।।

व्यंग्य केसरी

अता - पता...!

राजेंद्र ओझा

बड़े लोगों से मिलने की हमेशा मेरी इच्छा रही है। पुस्तकें / पत्रिकाएं उलटने - पलटने का भी शौक रहा है। पढ़े लिखे होते तो पढ़ने का भी शौक पाल लेते। इसी उलटने - पलटने में बड्डे - बड्डे लेखकों के पते भी दिख जाते तो मैं उन्हें विशेष रूप से बनाई गई डायरी में नोट कर लेता। यात्रा के समय यह डायरी हमेशा जेब में रहती।

आज मैं उस शहर में था, जहां 'साक्षर अपार्टमेंट' में वे रहते थे। ऐदल - पैदल, रिक्शे - विक्शे वालों सहित बड़े - बूढ़ों से भी पूछ लिया, सभी ने अनभिज्ञता व्यक्त की। बाद में पता चला कि उस अपार्टमेंट में रहने वाले सभी जब क, ख, ग सिखकर 'साक्षर' हो गये तो अपार्टमेंट के मालिक ने सभी को शाबाशी देते हुए उन्हें आगे और शिक्षित करने के उद्देश्य से अपार्टमेंट का नाम भी 'बाराखड़ी अपार्टमेंट' रख दिया है।

एक और थे जो 'दीनदयाल उपाध्याय मार्ग' में रहते थे। हमारे देश में सरकारों के अपने - अपने महापुरुष होते हैं।? सरकार बदलते ही 'दीनदयाल उपाध्याय मार्ग' का नाम 'प्रियदर्शिनी पथ' हो गया और दीनदयाल को खोज रहे थे, जो न मिलना था और न मिला।

रजनीगंधा की खुशबू किसे अच्छी नहीं लगती, हमें भी पसंद है और हमारे प्रिय लेखक भी इसी नाम की कलौनी में रहते हैं। लेकिन कर्ज में डूबे बिल्डर ने पूरी कलौनी बेच दी और खरीदने वाले ने 'रजनीगंधा' से उसका नाम अपनी माँ के नाम पर कर दिया - 'सुगंधा।' अब इस भांति - भांति की गंध में आप नाक लिए ढूंढते रहिए अपनी रजनीगंधा को।

जो पते नहीं मिलते थे उसे मैं काट दिया करता था। मिलने वाले पतों से न मिलने वाले पतों की संख्या ज्यादा थी। लोग भी कहीं 'न मिलने की प्राथमिकता वाले तो नहीं थे?' 'नहीं, नहीं, तौबा, तौबा' कहते हुए अंदर की इस आवाज़ पर मैंने तुरंत ही बुल्डोजर चला दिया।

वो लेंड लाइन का जमाना था और आज का जमाना 'मोबाइल' का है। मोबाइल नंबर ही पता है और यह भी कि नंबर बदलते ही खुद वह व्यक्ति ही अपना नया नंबर एक ही दिन में लगभग सभी परिचितों को बता भी देता है। उसे पता है 'रुबरु मिलने की उत्सुकता' वाला वो पूराना जमाना कब से लद गया। आजकल के लोग तो वॉट्सएप पर संदेश भेजकर ही अपना काम चला लेते हैं। फोन लगाकर बात वे उनसे ही करते हैं, जिनसे बात करके उन्हें किसी भी प्रकार का ही सही लेकिन कुछ तो लाभ मिले।

इतिहास

26 अगस्त का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और दिवस के रूप में दर्ज है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ (Historical Events)1303: दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ किले पर कब्जा किया।1768: ब्रिटिश अन्वेषक (e&plorer) जेम्स कुक ने अपने जहाज एचएमएस हेंडवर से पहली यात्रा शुरू की।1856: विलियम हेनरी पर्किन ने दुनिया के पहले सिंथेटिक (कृत्रिम) रंग का पेटेंट कराया।1920: अमेरिका के संविधान का 19वां संशोधन लागू हुआ, जिससे महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला।1944: जनरल चार्ल्स डी गॉल ने नाजी कब्जे से मुक्त हुए पेरिस में विजय मार्च का नेतृत्व किया।1999: रूस ने दागिस्तान के आक्रमण के जवाब में दूसरे चेचेन युद्ध की शुरुआत की।

वन पट्टाधारी किसानों की खेती एग्रीस्टैक से गायब!

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। शासन द्वारा किसानों को खेती-किसानी के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने और कृषि व्यवस्था को ऑनलाइन करने के लिए एग्रीस्टैक जैसी डिजिटल व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन वन पट्टाधारी किसानों के लिए यही व्यवस्था अब परेशानी का कारण बनती नजर आ रही है। छुरा विकासखंड के ग्राम गोंदलाबाहरा, पोस्ट अकलवारा के वन पट्टाधारी किसानों ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के जनदर्शन कार्यक्रम में अपनी समस्या रखी और फसल की ऑनलाइन प्रविष्टि तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की।

किसानों द्वारा सौंपे गए आवेदन में बताया गया है कि वे वर्षों से वन पट्टा प्राप्त भूमि पर खेती-किसानी कर अपनी आजीविका चला रहे हैं। वन भूमि का पट्टा मिलने के बाद वे नियमित रूप से कृषि कार्य करते आ रहे हैं। पूर्व में उन्हें सोसायटियों के माध्यम से खाद-बीज सहित कृषि कार्य के लिए आवश्यक सुविधाओं और राशि का लाभ मिलता रहा है, लेकिन अब वर्ष 2026-27 के पी-2 एवं फसल विवरण में उनकी फसल दिखाई नहीं दे रही है।

फसल खेत में, लेकिन रिकॉर्ड में गायब!

किसानों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि खेतों में फसल खड़ी है, किसान दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन सरकारी ऑनलाइन रिकॉर्ड में उनकी फसल का विवरण दर्ज नहीं दिखाई दे रहा है। किसानों का कहना है कि एग्रीस्टैक में फसल की जानकारी नहीं होने के कारण उन्हें कृषि से जुड़े जरूरी लाभ प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों के मुताबिक फसल प्रविष्टि नहीं होने से खाद-बीज प्राप्त करने, कृषि कार्य के लिए ऋण लेने और आगामी समय में अपनी उपज की बिक्री करने को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। यदि समय रहते रिकॉर्ड दुरुस्त नहीं किया गया तो इसका सीधा असर उनकी खेती और परिवार की आजीविका पर पड़ सकता है।

पटवारी और संबंधित विभाग के चक्कर काट रहे किसान

किसानों ने बताया कि अपनी समस्या के समाधान के लिए वे संबंधित पटवारी एवं विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर चुके हैं। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के जनदर्शन में आवेदन देना पड़ा।

किसानों का कहना है कि वन पट्टा मिलने के बाद वे उसी भूमि पर लगातार कृषि कार्य कर रहे हैं। ऐसे में उनकी वास्तविक खेती का विवरण सरकारी रिकॉर्ड और एग्रीस्टैक में दर्ज होना बेहद जरूरी है। यदि ऑनलाइन रिकॉर्ड में फसल दर्ज नहीं होगी तो भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी परेशानी उत्पन्न हो सकती है।

धान की बिक्री को लेकर भी बढ़ी चिंता

वन पट्टाधारी किसानों की चिंता केवल खाद-बीज तक सीमित नहीं है। किसानों को आशंका है कि यदि समय रहते पी-2 एवं फसल विवरण में आवश्यक सुधार नहीं किया गया तो आने वाले समय में धान पंजीयन और उपज बिक्री के दौरान भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि खेती के पूरे सीजन मेहनत करने के बाद यदि तकनीकी अथवा रिकॉर्ड संबंधी खामी के कारण उपज बेचने में दिक्कत आती है तो इसका सीधा नुकसान उन्हें उठाना पड़ेगा।

कलेक्टर से तत्काल जांच और सुधार की मांग

किसानों ने कलेक्टर को सौंपे आवेदन में मांग की है कि मामले की गंभीरता से जांच कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए तथा वन पट्टाधारी किसानों की भूमि और फसल का वास्तविक सत्यापन कराकर पी-2, फसल विवरण एवं एग्रीस्टैक में फसल की प्रविष्टि तत्काल कराई जाए।

किसानों ने कहा कि वे किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि जिस भूमि पर वे वर्षों से खेती कर रहे हैं, उस पर बोई गई फसल का सही विवरण सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कराने की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें शासन की कृषि योजनाओं, खाद-बीज, ऋण और उपज बिक्री जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

19 किसानों के नाम आवेदन में शामिल

कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में ग्राम गोंदलबाहरा के कई वन पट्टाधारी किसानों के नाम और उनके भूमि संबंधी विवरण भी दर्ज किए गए हैं। किसानों ने सामूहिक रूप से प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। आवेदन सौंपते समय बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे और उन्होंने अपनी समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की।

अब देखना होगा कि खेतों में लहलहाती किसानों की फसल सरकारी रिकॉर्ड में कब तक दिखाई देती है और एग्रीस्टैक की तकनीकी/रिकॉर्ड संबंधी समस्या का समाधान कब तक होता है। किसानों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश देगा।

इंटक परिवार ने गजमाला पहना कर पूर्व मुख्यमंत्री का मनाया जन्मदिन

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल के जन्मदिन पर राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) परिवार ने उत्साहपूर्वक समारोह मनाया। इंटक प्रदेश अध्यक्ष टिकेंद्र सिंह ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश, जिला एवं स्थानीय पदाधिकारी रायपुर पहुंचे और भूपेश बघेल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर इंटक परिवार ने गजमाला पहनाकर भूपेश बघेल का आत्मीय स्वागत किया। टिकेंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि भूपेश बघेल मजदूरों, किसानों और आमजन की आवाज हैं तथा उनके संघर्ष और नेतृत्व से मेहनतकश वर्ग को निरंतर प्रेरणा मिलती है। इससे पूर्व अभनपुर बस स्टैंड में इंटक कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर, केक काटकर और मिठाई वितरित कर जन्मदिन की खुशियां मनाईं। राहगीरों को भी मिठाई बांटी गई। कार्यक्रम में भरत देवांगन (महाजन) जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक, धीरेंद्र गिलहरे जिला उपाध्यक्ष, राजू मारकंडे जिला महासचिव, नीरज हरवंश जिला महासचिव, मुकुंद सिन्हा, भूपेन्द्र साहू, भुलउ देवांगन, गिरधारी देवांगन, तुषार गिलहरे, साहिल गिलहरे, चंद्रहास साहू, गणेश सिन्हा, किसन मानिकपुरी, हिमांशु यादव, धनी चतुर्वेदी, छम्मन डहरिया, हरगोविंद देवांगन, मनोज साहू, अनुराग भारती, नीरज लहरे, राजा बारले, रोशन, ओम, देवेश, आयुष सहित बड़ी संख्या में इंटक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लीनेस क्लब सक्ती ने जरूरतमंद बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री व वस्त्र

विश्व केसरी

सक्ती। ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट सीजी- सक्ती की ओर से सेवा कार्य की कड़ी में दिव्यांग सेवा का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष लीनेस शहनाज़ बानो की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट माइक्रो चेयरपर्सन लीनेस मनीषा भारद्वाज ने अपने डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट के अंतर्गत एक दिव्यांग बालक को पठन-पाठन सामग्री, स्कूल बैग और वस्त्र भेंट कर सहयोग प्रदान किया।

सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर : इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट माइक्रो चेयरपर्सन लीनेस मनीषा भारद्वाज ने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें सशक्त बनाना हम सभी का नैतिक दायित्व है। बच्चों को शिक्षा के साधन उपलब्ध कराने से वे आत्मनिर्भर बनकर अपने भविष्य को संवार सकते हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भाव रखने का आह्वान किया।

क्लब सदस्यों की रही गरिमामयी उपस्थिति : सेवा कार्य के दौरान लीनेस क्लब की सदस्याओं ने बालक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे नियमित पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित सदस्य: लीनेस विजया जायसवाल,लीनेस संगीता तिवारी,प्रभा जायसवाल, विनीता जायसवाल,कलेश्वरी साहू ,गोपी जायसवाल सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बच्चों को मिलेगी पढ़ाई के लिए पक्की छत

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल। प्राथमिक शाला फित्तेफुलचुर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए खनिज संस्थान न्यास निधि से 15 लाख 84 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। लंबे समय से झोपड़ी में पढ़ाई कर रहे स्कूली बच्चों को अब जल्द ही पक्के भवन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

फित्तेफुलचुर प्राथमिक शाला में पिछले सत्र से ग्रामीणों द्वारा निर्मित झोपड़ी में बच्चों की कक्षाएं संचालित की जा रही थीं। स्कूल भवन की कमी और झोपड़ी में पढ़ाई की समस्या को लेकर समाचार पत्रों में लगातार खबरें प्रकाशित की जा रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले के कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने स्कूल के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण की पहल की, जिसके बाद 15.84 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर दी गई है।

भवन निर्माण पूर्ण होने के बाद अगले सत्र से बच्चों को झोपड़ी में पढ़ाई करने की मजबूरी से निजात मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों और पालकों ने भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत होने पर खुशी जताई है। अब क्षेत्रवासियों को निर्माण कार्य जल्द शुरू होने और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने का इंतजार है।

कांवड़ यात्रा में शामिल हुए अंचल वासी

विश्व केसरी

सक्ती। नगर अधिष्ठात्री देवी मां महामाई के दरबार से कांवर पूजन करने बाद गाजे बाजे, नृत्य एवं बोल बम के उद्घोष के साथ जिला पंचायत सभापति धर्मेंद्र सिंह एवं आयुष शर्मा के संयुक्त आयोजन में श्रद्धालुओं की कांवड़ यात्रा तुरी धाम के लिए प्रस्थान किया इन पलों में वरिष्ठ नेता देवेन्द्रनाथ अग्निहोत्री, वरिष्ठ अधिवक्ता चित्रंजय पटेल की गरिमामय उपस्थिति में सांसद कमलेश जांगड़े, जिला भाजपा अध्यक्ष टिकेश्वर गबेल के कांवर पूजन किया।

पश्चात कांवड़ यात्रियों का जत्था नगर के मुख्य मार्गों से धूमधाम से गुजरते हुए प्रथम पड़ाव ग्राम डोंडकी पहुंची जहां ग्रामवासियों के द्वारा यात्रियों का जल पान के साथ भव्य स्वागत किया गया।

इस ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा में अंचल से हर वर्ग के हजारों लोगों की

उपस्थिति से कांवड़ यात्रा भव्य नजर आ रहे थे। इस अवसर पर अमरलाल अग्रवाल(रैन बसेरा), जिला पंचायत रमौतीन बाई, जनपद सदस्य प्रतिभा मेहरा, रोहित देहारे, बाराद्वार नगर पंचायत उपाध्यक्ष जीतेश शर्मा, अर्जुन राठौर (जोगी) के साथ ग्रामीणजनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की मांग, पंचों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। ग्राम पंचायत पाईकभाठा की सरपंच उषा नेताम के खिलाफ पंचायत के पंचों ने अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग की है। इस संबंध में पंचों ने मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नगरी को लिखित आवेदन सौंपकर सरपंच के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पंचों ने आवेदन में आरोप लगाया है कि पंचायत क्षेत्र में शासन की योजनाओं एवं पंचायत के माध्यम से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों को लेकर पंचों से किसी प्रकार का विचार-विमर्श नहीं किया जाता। आरोप है कि सरपंच द्वारा अपने पति के साथ मिलकर पंचायत के कार्यों का संचालन किया जाता है तथा अधिकांश कार्यों में उनके पति की भूमिका रहती है। पंचों का कहना है कि गांव में छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए सरपंच को जानकारी देने के बावजूद उनकी ओर से अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं निभाई जाती।

गुरु रविदास 650वीं जयंती कलश वंदन अभियान

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। कांकेर में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय 'कलश वंदन अभियान' का भव्य आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित पुराना कम्युनिटी हॉल में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में जिले के सभी मंडलों से पहुंचे अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं को सम्मानपूर्वक 16 पवित्र कलश सौंपे गए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और जन प्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रभारी रंजना साहू, जिला अध्यक्ष महेश जैन, एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष झाडूराम नरेटी, मंडल अध्यक्ष दिनेश रजक, सांसद भोजराज नाग और विधायक आशाराम नेताम सहित भाजपा के तमाम दिग्गज नेता शामिल हुए।

संत रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष को यादगार बनाने के लिए कांकेर के पुराना कम्युनिटी हॉल में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। जिला स्तरीय कलश वंदन अभियान के तहत 16 कलशों का पूजन कर उन्हें जिले के सभी मण्डल अध्यक्षों एवं सदस्यों को सहसम्मान सौंपा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेताओं ने संत रविदास जी के विचारों और उनकी सामाजिक समरसता की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मंच पर मौजूद सांसद भोजराज नाग ने संत रविदास जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला, वहीं जिला प्रभारी रंजना साहू और जिला अध्यक्ष महेश जैन ने कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें जयंती वर्ष पर शुरू हुआ यह कलश वंदन अभियान अब जिले के हर मंडल और गांव-गांव तक पहुंचेगा। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि इसके जरिए संत रविदास जी के सामाजिक समरसता के संदेश को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को मिली कड़ी सजा

विश्व केसरी

राजिम (शेखर मिश्रा)। मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में राजिम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना राजिम में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में न्यायालय ने दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को दोषी ठहराते हुए 20-20 वर्ष के कठोर कारावास और 2-2 लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोनों आरोपियों को एक-एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

मामला थाना राजिम के अपराध क्रमांक 399/2024 से संबंधित है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गांजा परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में देवराज पटेल (44), पिता जोगेश्वर पटेल एवं शेखर पटेल (22), पिता परमा पटेल, दोनों निवासी हरिशंकर रोड, थाना लतोर, जिला बलांगीर, ओडिशा शामिल हैं।

समय पर पेश किया चालान, साक्ष्यों के आधार पर हुई सजा

राजिम पुलिस द्वारा मामले में नियमानुसार समय पर न्यायालय में चालान पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने गवाहों एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्यायालय के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत किया। उपलब्ध साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद ने इस सफलता पर थाना राजिम पुलिस टीम एवं पैरवी सेल की सराहना की है। उन्होंने कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

जैन मुनि दिक्षा पूर्व संस्कार दिल्ली में होगा

विश्व केसरी

नवापारा (अंशुल मिश्रा)। श्री दिगंबर जैन समाज नवापारा-राजिम के तत्वावधान में परम पूज्य चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद से दीक्षा के पावन पथ पर अग्रसर पांच दीक्षार्थी ब्रह्मचारी भैयाओं के जैन मुनि दीक्षा पूर्व संस्कार एवं भव्य गोद भराई का मंगल कार्यक्रम श्री दिगंबर जैन मंदिर नवापारा-राजिम में भक्तिभाव, श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

पांच दीक्षार्थी भैयाओं का हुआ आत्मीय स्वागत

इस पावन अवसर पर ब्र. अंकित भैया जी प्रतापगढ़ (राजस्थान), ब्र. अनिकेत भैया जी मुंबई (महाराष्ट्र), ब्र. यश भैया जी भिंड (मध्यप्रदेश), ब्र. प्रसन्न पाटनी जी छत्रपति संभाजी नगर तथा ब्र. वकील चंद जी बड़ौत का नवापारा-राजिम पहुंचने पर समाजजनों ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

गाजे-बाजे और धार्मिक जयघोष के साथ निकली भव्य बिंदोली

पांचों दीक्षार्थी भैयाओं का शाम करीब 7 बजे नवापारा-राजिम आगमन हुआ। इसके पश्चात जैन भवन से गाजे-बाजे, धार्मिक जयघोष और भक्ति गीतों के साथ उनकी भव्य बिंदोली निकाली गई। बड़ी संख्या में समाजजन इस मंगल यात्रा में शामिल हुए। बिंदोली के दौरान पूरे मार्ग में भक्ति, उल्लास और वैराग्य का अद्भुत वातावरण बना रहा।

जिनालय दर्शन के बाद प्रारंभ हुआ गोद भराई का मंगल अनुष्ठान

बिंदोली के पश्चात पांचों दीक्षार्थी भैयाओं ने नए जिनालय में दर्शन-वंदन कर पुण्यार्जन किया। इसके बाद गोद भराई का मंगल कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। बाल ब्रह्मचारी अक्षय भैया जी के कुशल निर्देशन में जैन परंपरा और विधि-विधान के साथ गोद भराई की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित ऋषभ जैन शास्त्री जी के मार्गदर्शन में दीक्षार्थी भैयाओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर धार्मिक जयघोष और मंगलमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भी आ चुके हैं दीक्षार्थी

बताया गया कि पांचों दीक्षार्थी भैया इससे पूर्व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर भी राजिम पधार चुके हैं। उनकी दीक्षा संभावित रूप से अक्टूबर माह में होने जा रही है। संयम, त्याग, तप और वैराग्य के पावन पथ पर अग्रसर इन दीक्षार्थी भैयाओं की भावना को देखकर समाजजन भाव-विभोर नजर आए।

संत रविदास के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कांकेर द्वारा पुराना कम्युनिटी हॉल, कांकेर में जिला स्तरीय कलश वंदन अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संत रविदास जी के जीवन, उनकी शिक्षाओं एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। पवित्र मिट्टी कलश को ऊपर-नीचे शिव मंदिर, कांकेर से पुराने कम्युनिटी हॉल तक महिलाओं द्वारा कलश यात्रा के रूप में लाया गया। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पुराने कम्युनिटी हॉल पहुंचने पर भाजपा के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजजनों ने पवित्र मिट्टी कलश का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर संत रविदास जी का स्मरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष महेश जैन ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आसाराम नेताम, भाजपा जिला संगठन प्रभारी कांकेर रंजना साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाठिया, दिलीप जायसवाल, महर समाज जिला अध्यक्ष कौशल ऊइके, बी नायक संरक्षक बौद्ध समाज, वरुण खापर्डे ब्लॉक अध्यक्ष बौद्ध समाज भानुप्रतापपुर, दुष्यंत कन्नौज अहीरवार समाज, सुगंध सिंह मालबेर उपाध्यक्ष अहिरवार समाज अंतागढ़ उपस्थित रहे।

गिरावट के बाद बाजार में दिखी रौनक सेंसेक्स 287 अंकों की बढ़त के साथ बंद

विश्व केसरी

मुंबई। वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते मंगलवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। पिछले सत्र की गिरावट से उबरते हुए प्रमुख घरेलू बेंचमार्कों ने 0.48 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 286.98 अंकों यानी 0.37 प्रतिशत बढ़कर 77,656.09 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 50 116 अंक यानी 0.48 प्रतिशत बढ़कर 24,335.55 पर बंद हुआ।

हालांकि दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,369.11 से 73.61 अंक फिसलकर 77,295.49 पर फ्लैट खुला, लेकिन दिन के दौरान एक समय इसने 297.28 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,666.39 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं, निफ्टी 50 सत्र के दौरान अपने पिछले बंद 24,219.05 से 43.29 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 24,175.75 पर खुला और एक समय इसने 115.5 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,334.55 का इंट्रा-डे हाई छुआ।

फार्मा और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के चलते बेंचमार्क सूचकांकों ने नुकसान की भरपाई करते हुए उच्च स्तर पर कारोबार समाप्त किया।

व्यापक बाजार में मिला-जुला कारोबार को मिला। निफ्टी मिडकैप में 0.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी पीएसयू बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मेटल का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी50 इंडेक्स में अदाणी एंटरप्राइजेज, मैक्स हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस और इटरनल के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि एचडीएफसी लाइफ, सिप्ला और ओएनजीसी सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान पर अमेरिका के बहुप्रतीक्षित प्रतिबंध बाजार की उम्मीदों से कम रहे, जिससे कच्चे तेल की कीमतें और बॉन्ड यील्ड अपने हालिया उच्चतम स्तर से नीचे आ गए।

'रक्षाबंधन पर 30,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार होने की उम्मीद'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देशभर में रक्षाबंधन के अवसर पर इस बार 30,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। इसमें से अकेले राखी का कारोबार 25,000 करोड़ रुपए का पहुंचने का अनुमान है। यह जानकारी चांदनी चौक से सांसद एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने मंगलवार को दी।

खंडेलवाल ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व में अब केवल चार दिन शेष रहने के साथ ही दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर पहुंच गई है। दिल्ली के चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग, लाजपत नगर, कमला नगर, राजौरी गार्डन, गांधी नगर, खारी बावली, लक्ष्मी नगर तथा विभिन्न स्थानीय बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

कैट को देशभर के व्यापारिक संगठनों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष रक्षाबंधन पर केवल राखियों का कारोबार लगभग 25 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि अकेले दिल्ली में यह कारोबार 4 हजार करोड़ रुपए के आसपास रहने की संभावना है। यदि उपहार, मिठाइयों, परिधानों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावटी वस्तुओं, ड्राई फ्रूट्स, पूजा सामग्री और अन्य त्योहारी उत्पादों को भी शामिल किया जाए तो रक्षाबंधन से संबंधित कुल व्यापार 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है। खंडेलवाल के मुताबिक, इस वर्ष पारंपरिक राखियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं, भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा तथा 'विकसित भारत-2047' के संकल्प से प्रेरित राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। विशेष रूप से 'विकसित भारत राखी', 'मोदी गारंटी राखी', 'ब्रह्मोस राखी', 'नारी वंदन राखी', 'आत्मनिर्भर भारत राखी', 'वोकल फॉर लोकल राखी', 'भारत गौरव राखी', 'लखपति दीदी राखी', 'नमामि गंगे राखी', 'राष्ट्र रक्षा सूत्र राखी' और 'अमृतकाल राखी' की मांग लगातार बढ़ रही है।

केंद्र ने कच्ची चीनी के आयात नियमों में किया बदलाव, प्रसंस्करण और बिक्री के लिए 2 महीने की छूट दी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकार ने शुल्क-मुक्त आयात की गई कच्ची चीनी के प्रसंस्करण और बिक्री की समयसीमा में बदलाव किया है। अब आयातकों को बिल ऑफ एंट्री दाखिल करने की तारीख से अधिकतम दो महीने का समय मिलेगा, जिसके भीतर उन्हें कच्ची चीनी को सफेद या रिफाइंड चीनी में बदलकर घरेलू बाजार में बेचना होगा।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अगस्त की शुरुआत में अधिसूचित उन नियमों में संशोधन किया है, जिनके तहत टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) योजना के अंतर्गत 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति दी गई थी।

पहले के प्रावधान के अनुसार,टीआरक्यू के तहत आयात की गई कच्ची चीनी को 31 अक्टूबर तक सफेद या रिफाइंड चीनी में प्रसंस्कृत कर घरेलू बाजार में बेचना जरूरी था। संशोधित प्रावधान में यह निश्चित समयसीमा हटा दी गई है। अब आयातकों को बिल ऑफ एंट्री दाखिल करने की तारीख से अधिकतम दो महीने के भीतर आयातित कच्ची चीनी का प्रसंस्करण और बिक्री करनी होगी।

इसके अलावा, सरकार ने 20 अगस्त को घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में तेज वृद्धि के बीच, आगामी त्योहारी सीजन से पहले टीआरक्यू योजना के तहत 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। हालांकि, ताजा संशोधन में 20 अगस्त की अधिसूचना में दिए गए अन्य नियमों और शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सरकार ने 20 अगस्त तक एसआईओएन ई-52 के तहत जारी मौजूदा 'एडवांस ऑथराइजेशन' को टीआरक्यू स्कीम में एक बार बदलने की इजाजत भी दी थी, ताकि उन ऑथराइजेशन के तहत असल में आयात की गई कच्ची चीनी को इसमें शामिल किया जा सके। इसमें पहले से तैयार रिफाइंड चीनी के साथ-साथ आयातित कच्ची चीनी से तैयार की जाने वाली चीनी भी शामिल है। इस पर आयात के समय छूट दिए गए जीएसटी के भुगतान और अन्य निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा।

सरकार का यह फैसला अगस्त से नवंबर के बीच आने वाले त्योहारी सीजन से पहले घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर दबाव कम करने के प्रयासों के तहत आया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 150 मिलियन डॉलर के निवेश से इंटीग्रेटेड एयर कार्गो हब बनाएगी फेडएक्स

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ग्लोबल लॉजिस्टिक्स कंपनी फेडएक्स ने मंगलवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे स्थित जीएमआर क्रागो सिटी में एक इंटीग्रेटेड एयर कार्गो हब विकसित करने के लिए लगभग 150 मिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की।

फेडएक्स ने बताया कि प्रस्तावित सुविधा करीब 2.30 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैली होगी। इसमें अंतरराष्ट्रीय गेटवे और पिकअप-एंड-डिलीवरी ऑपरेशन को एक ही छत के नीचे लाया जाएगा, जिससे शिपमेंट की आवाजाही तेज होगी और परिचालन दक्षता बढ़ेगी।

इस परियोजना के भूमिपूजन समारोह में नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू भी शामिल हुए।

कंपनी के अनुसार, पूरी तरह ऑटोमेटेड यह हब शुरू होने के बाद 5,000 पैकेज प्रति घंटा प्रोसेस करने की क्षमता रखेगा। मांग बढ़ने के साथ इसकी क्षमता को और बढ़ाने की भी गुंजाइश होगी।

इस सुविधा में एडवांस ऑटो-सॉर्टर, नई पीढ़ी की एक्स-रे मशीनें, बेहतर सुरक्षा प्रणालियां और स्मार्ट पैकेज-हैंडलिंग तकनीक शामिल होंगी। कंपनी ने कहा कि इन तकनीकों से शिपमेंट प्रोसेसिंग में सुधार, नेटवर्क की मजबूती और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। फेडएक्स के मध्य पूर्व, भारतीय उप महाद्वीप और अफ्रीका (एमईआईएसए) के अध्यक्ष कामी विश्वनाथन ने कहा कि भारत कंपनी के वैश्विक नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण बाजार है। उत्तर और पूर्वी भारत देश की बढ़ती व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विश्वनाथन ने कहा, 'दिल्ली में अपनी मौजूदगी मजबूत करने से इन बाजारों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और कारोबार के विस्तार में कंपनियों को सहायता मिलेगी। यह भारत में हमारे दीर्घकालिक भरोसे और देश की बदलती व्यापारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक क्षमता और क्षमताओं में निवेश की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

प्रस्तावित हब जीएमआर क्रागो सिटी में बनाया जाएगा। यह दिल्ली एयरपोर्ट पर विकसित किया जा रहा एक एकीकृत कार्गो और लॉजिस्टिक्स प्रोजेक्ट है।

जीएमआर क्रागो सिटी करीब 50 एकड़ में फैली है और इसमें कुल लगभग 15-20 लाख वर्ग फुट विकास की क्षमता है। इसके पहले चरण में करीब 30 एकड़ क्षेत्र में लगभग 10 लाख वर्ग फुट का विकास किया जाएगा।

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई के नोटिस के बाद कई खाद्य कंपनियों ने बदली पैकेजिंग और वापस लिए विज्ञापन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा भ्रामक स्वास्थ्य, पोषण, व्यापारिक और उत्पाद संबंधी दावों पर नोटिस जारी किए जाने के बाद कई खाद्य कंपनियों ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले दावों को हटाने, विज्ञापनों को वापस लेने, उत्पादों की सूची हटाने और पैकेजिंग में संशोधन करने जैसे कदम उठाए हैं, ताकि खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

एफएसएसएआई ने कहा कि खाद्य उत्पादों के लेबल और प्रचार सामग्री में किसी भी प्रकार के ऐसे दावे नहीं होने चाहिए जो उपभोक्ताओं को गुमराह करें। नियामक के अनुसार, नोटिस जारी होने के बाद कई प्रमुख खाद्य कारोबार संचालकों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपने उत्पादों और विपणन सामग्री में आवश्यक बदलाव किए हैं।

एफएसएसएआई ने बताया कि मोंडेलेज इंडिया फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के कुछ उत्पादों पर भ्रामक स्वास्थ्य और पोषण संबंधी तुलनात्मक दावे पाए गए थे। नोटिस मिलने के बाद कंपनी ने संबंधित दावों और विज्ञापनों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया तथा नियमों के अनुरूप आवश्यक संशोधन किए।

इसी प्रकार सैपियंस लैब्स को भी एक भ्रामक दावे को लेकर नोटिस जारी किया गया था। कंपनी ने एफएसएसएआई को जवाब सौंपते हुए अपने उत्पाद से जुड़े सभी दावे और प्रचार सामग्री वापस ले ली।

एक अन्य मामले में विची एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विपणन (मार्केटिंग) किए जा रहे और मिसेज जानकी जय बारोट/जेजे फूड्स द्वारा प्रसंस्कृत एवं पैक किए गए उत्पादों पर भ्रामक व्यापारिक नाम का उपयोग पाया गया। एफएसएसएआई के हस्तक्षेप के बाद फ्लिपकार्ट से जवाब प्राप्त हुआ और संबंधित उत्पाद को प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया।

एफएसएसएआई ने एमवे इंडिया एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी कार्रवाई की। कंपनी अपने उत्पाद '100 परसेंट प्योर कोकोनट ऑयल' के नाम में '100 परसेंट' शब्द का उपयोग कर रही थी। नियामक ने कहा कि यह खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006, खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन एवं दावे) विनियम, 2018 तथा खाद्य उत्पादों के लेबल और प्रचार सामग्री पर '100 परसेंट' शब्द के उपयोग को बंद करने संबंधी परामर्श का उल्लंघन था।

नोटिस मिलने के बाद एमवे इंडिया ने अनुपालन रिपोर्ट सौंपते हुए पुष्टि की कि उसने स्वेच्छा से अपने उत्पाद की पैकेजिंग और प्रचार सामग्री से '100 परसेंट' शब्द हटा दिया है। कंपनी ने यह भी बताया कि पुराने स्टॉक की बिक्री बंद कर दी गई है और संशोधित पैकेजिंग के साथ नए उत्पाद बाजार में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

एफएसएसएआई का कहना है कि उसका उद्देश्य केवल नियमों का पालन कराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि उपभोक्ताओं को खाद्य उत्पादों के बारे में सही, स्पष्ट और तथ्यात्मक जानकारी मिले। नियामक ने दोहराया कि भ्रामक दावों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि उपभोक्ता हितों की रक्षा की जा सके और खाद्य बाजार में पारदर्शिता बनी रहे।

यूपीआई भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुनिया में पहुंचा रहा; अब तक 11 देशों में हुआ ऑपरेशनल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रियों ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के 10 साल पूरे होने पर कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच से शुरू हुई क्रांति है और यह अब भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुनिया में पहुंचा रहा है और अब तक 11 देशों में ऑपरेशनल हो चुका है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि यूपीआई अब दुनिया के 11 देशों में ऑपरेशनल हो चुका है, जिसमें फ्रांस, सिंगापुर, यूएई, ग्रीस और मॉरिशस जैसे देशों का नाम शामिल है।

पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में आसान पेमेंट की सुविधा देने से लेकर सीमाओं के पार डिजिटल ट्रांजैक्शन को संभव बनाने तक, यूपीआई हमारे डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुनिया भर में पहुंचा रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर कहा कि यूपीआई, प्रधानमंत्री मोदी की सोच से शुरू हुई एक क्रांति है और 'डिजिटल इंडिया' की एक झलक है।

गोयल ने डिजिटल पेमेंट के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल का जिक्र करते हुए कहा कि 'क्यूआर कोड प्लीज?' अब करोड़ों भारतीयों की रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बन गया है।

वहीं, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में आए बदलाव का श्रेय पीएम मोदी के नेतृत्व को दिया। पुरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यूपीआई भारत की डिजिटल यात्रा में एक क्रांतिकारी ताकत बन गया है।'

उन्होंने कहा कि यूपीआई ने पेमेंट को तेज, आसान, सुरक्षित और ज्यादा सुलभ बना दिया है, जिससे लाखों भारतीय वित्तीय भागीदारी के एक नए दौर में शामिल हो गए हैं।

सोने में सीमित दायरे में कारोबार, चांदी की कीमत घटी

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी में मंगलवार के शुरुआती सत्र में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। इस दौरान सोने में 0.15 प्रतिशत की बढ़त और चांदी में 0.22 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोपहर 12 बजे सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 247 रुपए या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,63,476 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,62,564 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,63,617 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। यह दिखाता है कि सोने में सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है। सुबह यह पिछली क्लोजिंग 1,63,229 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मामूली कमजोरी के साथ 1,63,015 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला था। वहीं, खबर लिखे जाने तक चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 542 रुपए या 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,43,678 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,44,420 रुपए प्रति किलो का उच्च स्तर और 2,42,299 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर छुआ। सुबह यह पिछली क्लोजिंग 2,44,220 रुपए प्रति किलो के मुकाबले कमजोरी के साथ 2,42,299 रुपए प्रति किलो पर खुली थी। जानकारों के मुताबिक, ईरान पर अमेरिका के प्रतिबंधों और ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर दूसरे दर्जे के प्रतिबंध (सेकेंडरी सैंक्शन) के खतरे ने अनिश्चितता का एक नया दौर पैदा कर दिया है। इससे सोने की कीमतों में तेजी को सपोर्ट मिला है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमत फिर से 4,700 डॉलर प्रति औंस के पार चली गई है, जो कि बीते तीन महीने का सबसे उच्चतम स्तर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में तेजी के साथ और चांदी में करीब सपाट कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,708 डॉलर प्रति औंस और चांदी सपाट कारोबार के साथ 68 डॉलर प्रति औंस पर थी।

52 घाटों में खास है पुष्कर की ये जगह, शाम होते ही बदल जाता है नजारा, ऐसे ढलता है सूरज

पुष्कर आने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर घाट सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि खूबसूरत नजारों और सुकून भरे माहौल का भी खास ठिकाना है. पुष्कर सरोवर के 52 घाटों में शामिल यह पुराना घाट धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है. सुबह यहां मंदिरों की घंटियों और सरोवर के शांत वातावरण के बीच आध्यात्मिक अनुभूति होती है, जबकि शाम के समय इसका नजारा पूरी तरह बदल जाता है. अरावली की पहाड़ियों के पीछे ढलता सूरज और सरोवर के पानी पर पड़ती सुनहरी किरणें जयपुर घाट को आकर्षक सनसेट पॉइंट बना देती हैं. पर्यटक यहां सूर्यास्त की तस्वीरें लेने के लिए खास तौर पर पहुंचते हैं.

अजमेर. राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित ब्रह्मा नगरी पुष्कर अपनी आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के कारण दुनियाभर में प्रसिद्ध है. यहां स्थित पवित्र पुष्कर सरोवर श्रद्धालुओं के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र है. सरोवर के चारों ओर बने 52 घाट इसकी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को और खास बनाते हैं. इन्हीं प्रमुख घाटों में से एक है जयपुर घाट, जो अपनी खूबसूरती, ऐतिहासिक महत्ता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है.

जयपुर घाट पुष्कर सरोवर के पुराने और प्रमुख घाटों में शामिल है. धार्मिक दृष्टि से इसका विशेष महत्व है. सुबह और शाम के समय यहां का वातावरण बेहद मनमोहक नजर आता है. मंदिरों की घंटियों की आवाज, सरोवर का शांत पानी और आसपास का प्राकृतिक दृश्य यहां आने वाले लोगों को अलग ही अनुभूति कराता है. वहीं पुष्कर सरोवर का घाट न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि पर्यटकों के लिए भी एक विशेष अनुभव प्रदान करता है. इस घाट के पास में कैफे और रेस्टोरेंट भी बने हुए हैं, जहां से पुष्कर सरोवर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है.

सनसेट पॉइंट पर्यटकों के लिए है पसंदीदा स्पॉट

जयपुर घाट सनसेट पॉइंट के रूप में भी जाना जाता है. शाम के समय जब सूर्य धीरे-धीरे अरावली की पहाड़ियों के पीछे ढलता है, तब सरोवर का पानी सुनहरी रोशनी से चमक उठता है. आसमान में बदलते रंग और पानी में पड़ती सूर्य की किरणें यहां के दृश्य को बेहद खूबसूरत बना देती हैं. पर्यटक इस पल को कैमरे में कैद करने के लिए खास तौर पर यहां पहुंचते हैं.

कैसे पहुंचे पुष्कर

पुष्कर का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन अजमेर है, जो लगभग 14 किमी दूर है. यहां से आप बस या टैक्सी लेकर पुष्कर पहुंच सकते हैं।

पुष्कर का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा किशनगढ़ है, जो लगभग 60 किमी दूर है. हालांकि, जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा सबसे अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है, जो पुष्कर से लगभग 150 किमी दूर स्थित है. किसी भी हवाई अड्डे से आप बस ले सकते हैं और पुष्कर पहुंच सकते हैं. पुष्कर की यात्रा एक अद्वितीय अनुभव है, जो धार्मिकता, संस्कृति और प्रकृति का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

बेबी के कपड़ों से नहीं जा रही दूध की गंध? धोने से पहले करें ये छोटा सा काम, खुद दिखेगा फर्क

बेबी के कपड़ों में दूध की गंध रह जाए तो धोने से पहले उन्हें पानी में थोड़ा बेकिंग सोडा डालकर 15-30 मिनट भिगो सकते हैं. इसके बाद हल्के डिटर्जेंट से धोकर अच्छी तरह सुखाएं और तेज केमिकल से बचें.

बच्चे के कपड़ों पर दूध गिरना घर-घर की रोजमर्रा की बात है. कई बार कपड़ा तुरंत धोने के बाद भी उसमें हल्की-सी दूध की गंध रह जाती है. खासकर नवजात के कपड़ों में यह परेशानी ज्यादा महसूस होती है, क्योंकि दूध के दाग या छींटे कपड़े के रेशों में जल्दी बस जाते हैं. ऐसे में बार-बार डिटर्जेंट से धोना भी हर बार असरदार नहीं होता. दरअसल, दूध की गंध हटाने के लिए सिर्फ कपड़ा धोना ही काफी नहीं, बल्कि धोने से पहले उसे थोड़ी देर सही तरीके से तैयार करना भी जरूरी है.

अच्छी बात यह है कि इसके लिए घर में मौजूद एक साधारण चीज मदद कर सकती है. इससे कपड़े को धोने से पहले गंध वाले हिस्से को ट्रीट करना आसान हो जाता है.

धोने से पहले करें यह छोटा सा काम

अगर बच्चे के कपड़े पर दूध गिर गया है तो उसे तुरंत कपड़ों के ढेर में डालकर न छोड़ें. पहले प्रभावित हिस्से को सामान्य या ठंडे पानी से अच्छी तरह भिगो दें. इसके बाद एक बाल्टी पानी में थोड़ा सा बेकिंग सोडा मिलाकर कपड़े को कुछ देर भिगोया जा सकता है. बेकिंग सोडा कपड़े में फंसी गंध को कम करने में मदद कर सकता है. इसके लिए बहुत ज्यादा मात्रा लेने की जरूरत नहीं है. एक बाल्टी पानी में करीब एक से दो चम्मच बेकिंग सोडा पर्याप्त हो सकता है. कपड़े को लगभग 15 से 30 मिनट तक भिगोने के बाद सामान्य तरीके से धो लें.

दूध की गंध कपड़ों में क्यों रह जाती है?

दूध में प्रोटीन और वसा जैसे घटक होते हैं. अगर दूध कपड़े पर गिरने के बाद लंबे समय तक लगा रहे, तो उसके अवशेष कपड़े के रेशों में रह सकते हैं. बाद में कपड़ा धोने के बावजूद हल्की गंध महसूस हो सकती है. यही वजह है कि बच्चे के कपड़ों को जल्दी साफ करना बेहतर रहता है. अगर कपड़ा तुरंत धोना संभव नहीं है तो कम से कम दूध वाले हिस्से को पानी से धोकर अलग रख दें.

गर्म पानी इस्तेमाल करने में जल्दबाजी न करें

दूध के दाग वाले कपड़ों को साफ करते समय बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल करने से बचना बेहतर है. प्रोटीन वाले दागों के लिए शुरुआत में ठंडा या सामान्य तापमान का पानी अधिक उपयुक्त माना जाता है. पहले दूध के अवशेष हटाएं और फिर कपड़े के लेबल पर दिए निर्देश के अनुसार उसे धोएं.

बेबी कपड़े धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

बच्चे की त्वचा संवेदनशील होती है, इसलिए कपड़े धोने के लिए तेज खुशबू वाले या बहुत कठोर क्लीनिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से बचना बेहतर है. बेबी कपड़ों के लिए उपयुक्त हल्का डिटर्जेंट इस्तेमाल करें और धोने के बाद कपड़ों में डिटर्जेंट का अवशेष न रहने दें।

ताजे पाव में घर का मक्खन और दूध का ट्विस्ट, मऊ का ये बंद मक्खन क्यों है इतना फेमस? जानिए रेसिपी और खासियत

मऊ: अगर आप अलग-अलग शहरों के लोकल स्ट्रीट फूड का स्वाद चखना पसंद करते हैं, तो मऊ का बंद मक्खन आपको जरूर आकर्षित कर सकता है. ताजे पाव में घर का मक्खन और दूध से तैयार खास मिश्रण भरकर इसे सेंका जाता है. चाय के साथ मिलने वाला यह स्नैक अपने स्वाद और बनाने के अनोखे अंदाज के कारण स्थानीय लोगों के बीच खास पहचान बना चुका है.

मऊ: उत्तर प्रदेश के मऊ में स्ट्रीट फूड के शौकीनों के बीच एक खास तरह का बंद मक्खन इन दिनों अपनी अलग पहचान बना रहा है. ताजे पाव, मक्खन और दूध से तैयार होने वाला यह नाश्ता स्वाद में इतना अलग है कि इसे खाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ आसपास के इलाकों से भी लोग पहुंचते हैं. खास बात यह है कि इसमें बाजार के सामान्य बटर के बजाय घर के बने मक्खन का इस्तेमाल किया जाता है.

अज परवेज टी कॉफी हंट के संचालक मोहम्मद जीशान बताते हैं कि उनकी दुकान पर बंद मक्खन और चाय की बिक्री दोपहर करीब 2 बजे से रात 11 बजे तक होती है. दुकान पर आने वाले कई ग्राहक इसे पसंद करने के बाद दोबारा इसका स्वाद लेने पहुंचते हैं.

इस बंद मक्खन की सबसे खास बात इसकी तैयारी में इस्तेमाल होने वाली सामग्री है. दुकान पर अमूल दूध और घर में तैयार मक्खन का इस्तेमाल किया जाता है. दूध और मक्खन के मिश्रण को पकाकर गाढ़ा तैयार किया जाता है, जिसे बाद में ताजे पाव के साथ इस्तेमाल किया जाता है. दुकानदार के मुताबिक, घर के मक्खन की वजह से बंद मक्खन में एक अलग तरह की मलाईदार खुशबू और स्वाद आता है।

झील में तैरने के बाद 8 साल की बच्ची की मौत, दिमाग को खा गया यह जीव, जानें कैसे हुआ यह इंफेक्शन

अमेरिका के लुइसियाना में झील में तैरने के बाद एक 8 साल की बच्ची की दुर्लभ अमीबा संक्रमण से मौत हो गई. Naegleria fowleri नाम का यह अमीबा नाक के रास्ते शरीर में पहुंचकर दिमाग को संक्रमित कर सकता है. जानें यह संक्रमण कितना खतरनाक है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है.

अमेरिका के लुइसियाना में एक 8 साल की बच्ची की दुर्लभ और बेहद जानलेवा संक्रमण के कारण मौत हो गई. बच्ची का संक्रमण Naegleria fowleri नाम के एक सूक्ष्म अमीबा से हुआ था. स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, संक्रमण की आशंका लुइसियाना के क्लेबोर्न पैरिश स्थित लेक क्लेबोर्न में तैरने के बाद जताई गई थी.

लिलियन स्मार्ट ने अपनी आठवीं सालगिरह मनाने के ठीक एक दिन बाद शनिवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया. वह 15 अगस्त से रस्टन के एक अस्पताल में इलाज करा रही थी. लुइसियाना डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ ने 19 अगस्त को राज्य में Naegleria fowleri संक्रमण के एक मामले की पुष्टि की थी. इसके बाद स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में संक्रमित बच्ची की पहचान लिलियन के तौर पर की गई.

परिवार के मुताबिक, संक्रमण के कारण लिलियन के दिमाग में काफी सूजन आ गई थी. बच्ची की हालत लगातार गंभीर बनी हुई थी और डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी. परिवार ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट के जरिए उसकी मौत की पुष्टि की. 21 अगस्त को उसके आठवें जन्मदिन के मौके पर 'Love for Lilian' नाम से एक फंडरेजर भी आयोजित किया गया था.

इस संक्रमण की खास बात यह है कि दूषित पानी पीने से PAM नहीं होता. यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी नहीं फैलता. वहीं, समुद्री पानी में यह अमीबा नहीं पाया जाता और सही तरीके से मेंटेन किए गए क्लोरीनयुक्त स्विमिंग पूल में भी इसके मौजूद होने की संभावना नहीं होती.

शुरुआत में ऐसे दिख सकते हैं लक्षण

PAM के शुरुआती लक्षणों में तेज सिरदर्द, बुखार, मतली और उल्टी शामिल हो सकते हैं. बीमारी तेजी से गंभीर रूप ले सकती है और गर्दन में अकड़न, दौरे, भ्रम की स्थिति और कोमा जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं. आमतौर पर लक्षण संक्रमण के करीब पांच दिन बाद दिखाई देते हैं, हालांकि यह अवधि एक से 12 दिन तक हो सकती है.

यह संक्रमण बेहद दुर्लभ है, लेकिन इसकी मृत्यु दर बहुत ज्यादा है. अमेरिकी CDC के अनुसार, PAM विकसित करने वाले करीब 97 फीसदी मरीजों की मौत हो जाती है. अमेरिका में 1937 से अब तक इसके लगभग 180 मामले दर्ज किए गए हैं. लुइसियाना में भी पिछले वर्षों में इसके कुछ ही मामले सामने आए हैं।

मिट्टी के बर्तन में जमाएं दही, सौंधी खुशबू से बढ़ेगा स्वाद, मिलेगा रबड़ी सा गाढ़ापन

घर पर दही तो हर कोई जमाता है पर इसे मिट्टी के बर्तन में जमाया जाए तो स्वाद और बनावट दोनों ऐसे होते हैं कि बार-बार खाने का जी करता है. मिट्टी के बर्तन में परफेक्ट दही जमाने के लिए आपको कुछ टिप्स और ट्रिक्स का ध्यान रखना चाहिए.

जमशेदपुर. गर्मियों के मौसम में दही खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है. दही न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि इससे रायता, लस्सी, कढ़ी और कई तरह के व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं. बाजार में मिलने वाले दही के बजाय अगर आप घर पर मिट्टी के बर्तन में दही जमाते हैं, तो इसका स्वाद और खुशबू दोनों ही अलग महसूस होते हैं. मिट्टी के बर्तन में दही जमाने की प्रक्रिया भी बेहद आसान है और इसके लिए आपको कुछ सामान्य चीजों की ही जरूरत पड़ेगी.

ठंडा होने दें दूध

सबसे पहले दही जमाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला दूध लें. आप चाहें तो फुल क्रीम या टोंड दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन गाढ़े दही के लिए फुल क्रीम दूध बेहतर माना जाता है. एक लीटर दूध को अच्छी तरह उबाल लें. दूध में एक-दो उबाल आने के बाद इसे कुछ मिनट धीमी आंच पर पकाएं. इससे दूध थोड़ा गाढ़ा हो जाता है और दही भी अच्छा तरह जमता है. इसके बाद दूध को गैस से उतारकर सामान्य तापमान पर ठंडा होने दें.

तापमान बेहद जरूरी

अब सबसे जरूरी बात है दूध का सही तापमान. दूध न तो बहुत गर्म होना चाहिए और न ही पूरी तरह ठंडा. उंगली से छूने पर दूध हल्का गुनगुना महसूस हो, तो यह दही जमाने के लिए सही तापमान है।

कृति सेनन राखी ऐडः क्या 'फैशन और ट्रेंड्स' के चक्कर में खो रही त्योहारों की पवित्रता? या बेवजह हम हो

इन दिनों एक ऐड टीवी पर देखने को मिल रहा है, जिसमें एक मॉडर्न विचारों वाली बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांध रही है और पास उत?सुकता में बैठे अपने पेट डॉग (क्क्वह्ल) को दिलासा दे रही है कि इंतजार करे, उसे भी बांधेगी. सुनने में यह बहुत ही क्यूट और इमोशनल लग रहा है, लेकिन कृति सेनन का यह रक्षाबंधन ऐड विवादों में घिर गया है. आरोप है कि फैशन के चक्कर में त्योहारों की पवित्रता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. पढ़िए परंपरा, ट्रेंड्स और बदलती सोच पर यह खास ओपेनियन पीस.

हर साल जब त्योहारों का सीजन आता है, तो टीवी से लेकर सोशल मीडिया के न्यूजफीड तक नए-नए विज्ञापनों (Advertisements) की बाढ़ आ जाती है. ये ऐड सिर्फ ज्वेलरी या कपड़े नहीं बेचते, बल्कि एक खूबसूरत कहानी और भावनाएं बेचने की कोशिश करते हैं. लेकिन हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का एक ज्वेलरी ब्रांड के लिए किया गया रक्षाबंधन ऐड एक अलग ही वजह से चर्चा का विषय बन गया है.

ऐड में कृति अपने भाई के साथ रक्षाबंधन मनाती हैं, अपने पेट डॉग को भी राखी बांधती हैं और उनका आउटफिट काफी मॉडर्न व वेस्टर्न-फ्यूजन स्टाइल का है. बस, फिर क्या था! सोशल मीडिया दो गुटों में बंट गया. एक पक्ष का कहना है कि 'ट्रेंड्स और फैशन' के चक्कर में त्योहार की पवित्रता को हल्का किया जा रहा है, वहीं दूसरा पक्ष इसे एक प्रगतिशील और सुंदर सोच मान रहा है.

आखिर इस विवाद के पीछे की सच्चाई क्या है? क्या वाकई हमारी परंपराएं खतरे में हैं या फिर आज के दौर में हम हर छोटी बात पर बेवजह आहत होने लगे हैं? आइए इस मुद्दे को आज के बदलते समाज के चश्मे से समझने की कोशिश करते हैं.

क्या वाकई खो रही है त्योहारों की पवित्रता?

पारंपरिक सोच रखने वाले लोगों और कई सोशल मीडिया यूजर्स की आपत्ति के पीछे मुख्य रूप से दो बातें हैं- पहला, कपड़ों की स्टाइलिंग और दूसरा है परंपरा का 'कॉमर्शियलाइजेशन'.

स्टाइलिंग बनाम सादगी:

भारत में त्योहारों का एक खास सांस्कृतिक कोड रहा है. जब रक्षाबंधन की बात आती है, तो आंखों के सामने पारंपरिक एथनिक वेयर (जैसे कुर्ती, साड़ी या लहंगा) की तस्वीर उभरती है. ऐड में कृति के बोल्ड और मॉडर्न फेस्टिव लुक को देखकर कुछ लोगों को लगा कि यह रक्षाबंधन के बजाय किसी इंटरनेशनल फैशन शो का विज्ञापन ज्यादा लग रहा है.

परंपरा का 'कॉमर्शियलाइजेशन':

आलोचकों का मानना है कि ब्रांड्स आजकल खुद को 'कूल' और 'इवॉल्व्ड' दिखाने की होड़ में त्योहार के मूल सार (Essence) को भूल जाते हैं. जब आप हर पारंपरिक चीज को मॉडर्न तड़का देने लगते हैं, तो कई बार वह त्योहार की उस सादगी और भक्ति भाव को कमजोर कर देता है जो पीढ़ियों से चली आ रही है.

बदलती दुनिया का क?या है नजरिया?

दूसरी तरफ एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इस ऐड के बिल्कुल समर्थन में खड़ा है. उनका तर्क है कि वक्त के साथ अगर हम अपने सोचने का दायरा नहीं बढ़ाएंगे, तो त्योहार सिर्फ एक पुरानी रीत बनकर रह जाएंगे, आज की युवा पीढ़ी उनसे जुड़ नहीं पाएगी.

पेट्स भी परिवार का हिस्सा:

आज के न्यूक्लियर फैमिली और सिंगल-पर्सन हाउसहोल्ड के दौर में पेट्स (पालतू जानवर) सिर्फ जानवर नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह होते हैं. कई लोग सालों से अपने पेट्स को रक्षा का प्रतीक मानकर स्नेहात्मक रूप से राखी बांधते आए हैं. ऐड में इसे दिखाना किसी परंपरा का अपमान नहीं, बल्कि निस्वार्थ प्रेम (Unconditional Love) का जश्न है.

संस्कृति यानी बहती नदी:

इतिहास गवाह है कि पहनावा, खान-पान और उत्सव मनाने के तरीके समय के साथ बदलते रहे हैं. जीन्स के ऊपर कुर्ती पहनकर या मॉडर्न ज्वेलरी के साथ राखी मनाना किसी के मन से अपने भाई के प्रति प्यार या सम्मान को कम नहीं कर देता.

कहीं हम बेवजह तो आहत नहीं हो रहे?

आज के डिजिटल युग की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि यहां हर बात पर विवाद खड़ा करना बहुत आसान हो गया है. सोशल मीडिया एल्गोरिदम इस तरह डिजाइन हैं कि जहां गुस्सा और बहस होती है, वहां रीच (Reach) ज्यादा मिलती है.

कई बार हम किसी 30-सेकंड के ऐड को एक पूरे कल्चरल अटैक (सांस्कृतिक हमले) की तरह देखने लगते हैं. अगर कोई ब्रांड किसी त्योहार को नए दौर के हिसाब से रिप्रेजेंट कर रहा है, तो क्या वह वाकई हमारी सदियों पुरानी संस्कृति को नुकसान पहुंचा सकता है? अगर हमारी सांस्कृतिक बुनियाद इतनी मजबूत है, तो एक ऐड से उस पर सवाल कैसे उठ सकते हैं?

संतुलन ही असली समाधान!

हमें याद रखना होगा कि त्योहारों का मूल उद्देश्य लोगों को जोड़ना है, आपस में विवाद पैदा करना नहीं. रक्षाबंधन का असली अर्थ 'सुरक्षा और प्रेम का संकल्प' है. यह संकल्प चाहे पारंपरिक कुर्ता-पायजामा पहनकर लिया जाए या मॉडर्न आउटफिट में, चाहे भाई को राखी बांधी जाए या किसी ऐसे साथी(भले ही वह घर का पेट ही क?यों न हो) को जो आपकी जिंदगी में रक्षा का अहसास कराता हो—भावना हमेशा एक ही रहती है।

राखी सावंत के ड्रामे को लोग नहीं समझते, वो एक परफॉर्मेंस है : सौंदौस

रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स-2' में नजर आई अभिनेत्री सौंदौस मौफाकिर ने की राखी की तारीफ

मुंबई। अभिनेत्री और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर सौंदौस मौफाकिर हाल ही में रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स-2' में नजर आई थीं। मीडिया के साथ बातचीत में उन्होंने राखी सावंत की तारीफ की। साथ ही, रियलिटी शो के बढ़ते चलन पर बात भी की।

"जो एक्टर पहले कहते थे कि वो कभी भी रियलिटी शो नहीं करेंगे, आज वही रियलिटी शो में आने के लिए मिन्नतें कर रहे हैं। मुझे लगता है कि दुनिया बदलने वाली नहीं है बल्कि बदल चुकी है और लोग अब आखिरकार ये मानने लगे हैं कि रियलिटी शो भी एक फुल-टाइम परफॉर्मेंस है और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का ही एक हिस्सा है।"

"जब आप रियलिटी शो में जाते हैं, तो आप ड्रामा भी करते हैं। जैसे लोग राखी सावंत को उनके ड्रामे के लिए बुरा-भला कहते हैं, लेकिन वो ये नहीं समझते कि ये भी एक परफॉर्मेंस है और रियलिटी शो में ऐसी परफॉर्मेंस करने के लिए आपको आइकॉन होना पड़ता हैं। इसलिए लोगों को रियलिटी शो को भी फिल्मों की तरह ही इज्जत देनी चाहिए।"

"मैंने शो में अपना बेस्ट दिया, शुरुआती दौर में बाहर होना दुख देता है, लेकिन यही है शो का फॉर्मेट।
- सौंदौस मौफाकिर

राखी सावंत को ड्रामे के लिए नहीं, उनकी परफॉर्मेंस के लिए पहचानें।

उन्होंने कहा, 'जो एक्टर पहले कहते थे कि वो कभी भी रियलिटी शो नहीं करेंगे, आज वही रियलिटी शो में आने के लिए मिन्नतें कर रहे हैं। मुझे लगता है कि दुनिया बदलने वाली नहीं है बल्कि बदल चुकी है और लोग अब आखिरकार ये मानने लगे हैं कि रियलिटी शो भी एक फुल-टाइम परफॉर्मेंस है और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का ही एक हिस्सा है।'

राखी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'जब आप रियलिटी शो में जाते हैं, तो आप ड्रामा भी करते हैं। जैसे लोग राखी सावंत को उनके ड्रामे के लिए बुरा-भला कहते हैं, लेकिन वो ये नहीं समझते कि ये भी एक परफॉर्मेंस है और रियलिटी शो में ऐसी परफॉर्मेंस करने के लिए आपको आइकॉन होना पड़ता है। इसलिए लोगों को रियलिटी शो को भी फिल्मों की तरह ही इज्जत देनी चाहिए।'

सौंदौस मौफाकिर ने शो 'द ट्रेटर्स-2' में एक 'फेथफुल' के तौर पर प्रवेश किया था। अभिनेत्री ने शो में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'शो के शुरुआती दौर में ही बाहर हो जाना बहुत दुख देता है, लेकिन शो का फॉर्मेट ही ऐसा है। इसलिए खुद को दोष देने का बोझ थोड़ा कम हो जाता है। मुझे लगता है कि मैंने अपना बेस्ट दिया।'

शो 'द ट्रेटर्स-2' में एंटरटेनमेंट, टीवी, सोशल मीडिया, फूड और दूसरी फील्ड से 21 कंटेस्टेंट शामिल थे, जिनमें मुनव्वर फारुकी, मल्लिका शेरावत, श्वेता तिवारी, रिया चक्रवर्ती, अभिषेक मल्हान, शालिनी पासी और रणवीर बरार जैसे नाम शामिल हैं।

ये शो भरोसा, धोखे और चालबाजी पर बना है, जिसमें कंटेस्टेंट्स को छिपे हुए गद्दारों को पहचानना होता है और साथ ही खुद को शो से बाहर होने से भी बचाना होता है। नए सीजन में जबरदस्त लड़ाइयों, चौंकाने वाले एलिमिनेशन और बदलती दोस्तियों की वजह से पहले से ही काफी चर्चा हो रही है, जो आगे और भी ज्यादा अनिश्चित और धोखे से भरी जंग का वादा करता है।

आसिम रियाज से विवाद के बीच हिमांशी खुराना का नया पोस्ट, बोलीं- 'सॉरी, मैं लो मेंटेनेंस वाली नहीं हूं'

विश्व केसरी ■

मुंबई। हिमांशी खुराना और आसिम रियाज का भले ही ब्रेकअप हो चुका है, लेकिन दोनों के बीच की पुरानी बातें एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में दोनों ने अपने रिश्ते और उससे जुड़े विवादों को लेकर अलग-अलग बातें सामने रखी हैं। मामला धर्म से जुड़े मतभेदों से शुरू हुआ और अब हिमांशी के उन दावों तक पहुंच गया है, जिनमें उन्होंने सबूत होने की बात कही है। इसी बीच मंगलवार सुबह हिमांशी ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों के बीच एक मैसेज ने लोगों का ध्यान खींच लिया, जिसे उनके हालिया विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

हिमांशी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरों से भरा एक पोस्ट शेयर किया। इनमें एक तस्वीर ऐसी भी थी, जिसमें दीवार पर लिखा था, 'सॉरी, मैं लो मेंटेनेंस वाली नहीं हूं।' यानी 'मैं ऐसे व्यवहार का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं, जिसमें मुझे कम अहमियत दी जाए।'

हिमांशी ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में व्हाइट हार्ट वाली इमोजी लगाई। फैंस उनके इस पोस्ट को आसिम रियाज से चल रहे विवाद से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल, यह पूरा मामला तब फिर चर्चा में आया जब हिमांशी ने पारस छाबड़ा के साथ एक पॉडकास्ट में अपने पुराने रिश्ते और धर्म से जुड़े मतभेदों पर बात की। इसके बाद आसिम रियाज ने हिमांशी की बातों पर प्रतिक्रिया दी। आसिम ने कहा, ''मैंने कभी किसी से धर्म बदलने के लिए नहीं कहा। एक बार भी नहीं। बल्कि, मैं ही तुम्हें फिटनेस की ओर लेकर गया था। मुझसे मिलने के बाद ही तुम इस शेप में आई हो, उससे पहले तुम कैसी दिखती थीं, यह सभी जानते थे। इसलिए धर्म को हथियार की तरह इस्तेमाल मत करो। यह बहुत संवेदनशील विषय है। किसी निजी बात को लोगों के मन में मेरे लिए नफरत पैदा करने की वजह बनाना नासमझी है और इससे सिर्फ यह पता चलता है कि ध्यान खींचने के लिए तुम कितनी नीचे जा सकती हो।''

आसिम के इस बयान के बाद हिमांशी ने सोशल मीडिया पर लंबा जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा अपनी निजी जिंदगी के बारे में ईमानदारी से बात की है। चाहे वह मेरा बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो या मेरी सेहत से जुड़ी बातें। मैंने अपनी जिंदगी के इन हिस्सों के बारे में हमेशा समझदारी से बात की है। मैंने कभी किसी को नीचा दिखाने या बदनाम करने के लिए अपनी कहानी का इस्तेमाल नहीं किया।'

स्कूल में बार-बार फेल होती थीं गीतू मोहनदास, पिता की सलाह ने बदल दी जिंदगी

मुंबई। अभिनेता यश की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज से पहले चेन्नई में एक खास कार्यक्रम रखा गया, जहां फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने अपने जीवन से जुड़ी एक ऐसी बात साझा की, जिसने उन्हें मुश्किल समय में आगे बढ़ने की हिम्मत दी। गीतू ने बताया कि वह बचपन में पढ़ाई में अच्छी नहीं थी और कई बार फेल भी हुई थी। ऐसे समय में उनके पिता ने उनसे एक सवाल पूछा था, जिसका असर उनकी पूरी जिंदगी पर पड़ा।

'टॉक्सिक' के प्री-रिलीज इवेंट में गीतू ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, ''मेरा सिनेमा से रिश्ता बहुत छोटी उम्र में ही शुरू हो गया था। मैं करीब साढ़े चार साल की उम्र में फिल्मों की दुनिया से जुड़ गई थीं। मैंने जिंदगी में बहुत लंबा रास्ता तय किया है।''

गीतू ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा, ''मैं पढ़ाई में बहुत अच्छी नहीं थीं और स्कूल में लगातार फेल होती रहती थीं। वहीं स्कूल में होने वाली कई गतिविधियों में भी मुझे चुना नहीं जाता था। चाहे बास्केटबॉल हो या कोई दूसरी चीज, मैं अक्सर पीछे ही रहती थी। एक समय ऐसा भी था, जब मैं खुद को फेलियर मानने लगी थी।''

उन्होंने कहा, ''इस दौरान मेरे पिता ने मुझसे एक ऐसा सवाल पूछा, जो आज तक मेरी जिंदगी की सोच का हिस्सा बन हुआ है। मेरे पिता ने मुझसे कहा था कि अगर पढ़ाई में परेशानी हो रही है तो बताओ कि आखिर आप जिंदगी में क्या करना चाहती हैं। आप बड़ी होकर क्या बनना चाहती हैं।' गीतू ने कहा, ''उस समय मैंने अपने पिता से कहा था कि मैं बेकर बनना चाहती हूं। मेरा जवाब सुनने के बाद मेरे पिता शांत हो गए ।

जब अमिताभ को अपना बेटा समझ बैठे थे किशोर कुमार, घर बुलाकर दिखाया था वीडियो कैसेट्स का कलेक्शन

विश्व केसरी ■

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन और दिग्गज गायक-अभिनेता किशोर कुमार, दोनों ने एक दौर में साथ काम किया और कई मौकों पर एक-दूसरे से मुलाकात भी हुई। इस कड़ी में बिग बी ने अब उनसे जुड़ी कुछ खास यादें साझा की हैं। इनमें एक फोन कॉल का किस्सा शामिल है, जब किशोर कुमार अमिताभ की आवाज सुनकर उन्हें अपना बेटा समझ बैठे थे। इसके अलावा, अमिताभ ने उनके घर जाने का किस्सा भी याद किया, जहां गायक ने बड़े प्यार से उनका स्वागत किया था।

क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18' के आने वाले एपिसोड में अमिताभ बच्चन, किशोर कुमार को याद करते नजर आएंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह बहुत ही दिलदार इंसान थे। उनसे कई बार मुलाकात हुई और वह हमेशा बेहद प्यार से मिलते थे।

अमिताभ ने बताया कि उन्हें किशोर कुमार के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियो में बैठने का मौका भी मिला था।

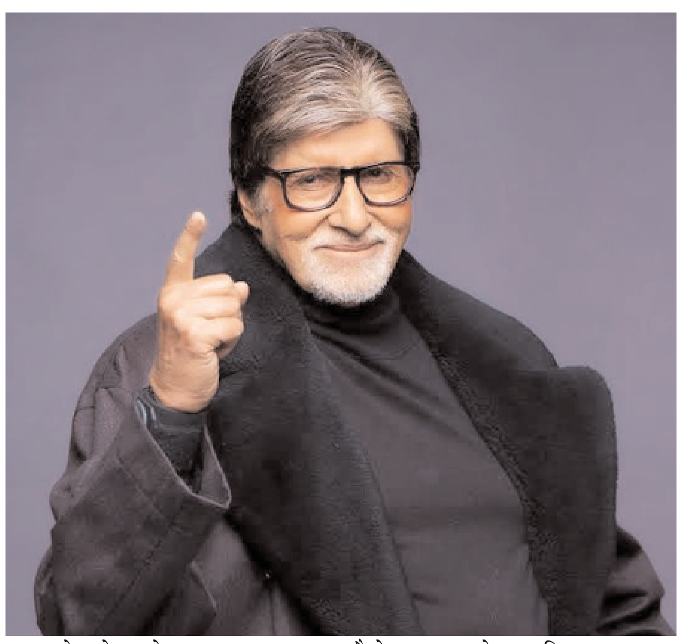

बिग बी ने कहा, ''एक बार किशोर कुमार ने मुझे अपने घर बुलाया था। उस दौर में वीडियो कैसेट्स का चलन था और किशोर कुमार को उन्हें जमा करने का बहुत शौक था। किशोर कुमार ने मुझे अपने घर पर दुनिया भर की फिल्मों और वीडियो के कैसेट्स का कलेक्शन दिखाया था। वह अपने इस कलेक्शन को लेकर काफी उत्साहित थे और बड़े गर्व से उसे दिखा रहे थे।''

इसके बाद अमिताभ बच्चन ने किशोर कुमार के साथ हुई एक मजेदार फोन कॉल का किस्सा भी सुनाया। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैंने फोन पर खुद का परिचय देते हुए कहा, 'मैं अमित बोल रहा हूं', तो किशोर कुमार ने समझ लिया कि फोन उनके अपने बेटे और गायक अमित कुमार का है।''

शो में मौजूद प्रतियोगी वीरेंद्र जायसवाल, जो किशोर कुमार के जन्मस्थान खंडवा से आते हैं, ने भी महान गायक के साथ शहर के खास रिश्ते के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ''किशोर कुमार के गाने खंडवा के लोगों के दिलों में इस तरह बसे हुए हैं कि उनका नाम आते ही लोग उनके गीत गुनगुनाने लगते हैं।''

वीरेंद्र ने कहा, 'किशोर कुमार ने गायक, अभिनेता, लेखक और मनोरंजन की दुनिया से जुड़े कई दूसरे काम भी किए। शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र रहा हो, जिसमें किशोर कुमार ने अपनी छाप न छोड़ी हो। खंडवा में आज भी उनके जन्मदिन, 4 अगस्त, को खास अंदाज में मनाया जाता है। वहां अलग-अलग इलाकों में लोग उनके गाने गाते हैं।

'अर्जुन रेड्डी' के 9 साल पूरे, शालिनी पांडे ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री शालिनी पांडे की लोकप्रिय तेलुगु रोमांटिक ड्रामा फिल्म अर्जुन रेड्डी ने अपनी रिलीज के 9 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री शालिनी पांडे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर तस्वीर शेयर की, जिसमें शालिनी पांडे के साथ अभिनेता विजय देवरकोंडा नजर आ रहे हैं। शालिनी ने लिखा, '25-08-2017। यही वो शुरुआत थी, यहीं से सब शुरु हुआ था। इतना प्यार देने के लिए, हमें इतना प्यार देने के लिए और प्रीति को हमेशा के लिए अपना हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का दिल से शुक्रिया। मेरी पहली फिल्म, मेरे दिल का एक टुकड़ा, आप सभी को ढेर सारा प्यार।'

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित फिल्म में विजय देवरकोंडा (अर्जुन रेड्डी) और शालिनी पांडे (प्रीति शेट्टी) मुख्य भूमिका में थे। यह शालिनी पांडे की पहली थी, जिसमें उन्होंने डॉक्टर प्रीति शेट्टी का किरदार निभाया था।

फिल्म अर्जुन रेड्डी शालिनी पांडे और विजय देवरकोंडा दोनों के करियर के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक मोड़ साबित हुई थी, जिसने दोनों स्टार को रातों रात स्टार बना दिया था।

फिल्म में अभिनेता विजय देवरकोंडा ने एक गुस्सैल और आत्म-विनाशकारी सर्जन अर्जुन रेड्डी का किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्हें 'बेस्ट एक्टर' का पुरस्कार भी मिला। इस फिल्म की सफलता के बाद उनका स्टार स्टेटस पूरी तरह बदल गया और उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग पहचान मिली।

अर्जुन रेड्डी देशमुख (विजय देवरकोंडा) एक प्रतिभाशाली लेकिन बेहद गुस्सैल सर्जन होता है, जिसे कॉलेज में अपनी जूनियर प्रीति शेट्टी (शालिनी पांडे) से प्यार हो जाता है। हालांकि, प्रीति के पिता जातिगत कारणों से उनके रिश्ते को अस्वीकार कर देते हैं और प्रीति की शादी किसी और से तय कर देते हैं। इस सदमे के बाद अर्जुन शराब और ड्रग्स की लत में डूबकर खुद को बर्बाद करने के रास्ते पर चल पड़ता है। अंत में कई उतार-चढ़ाव और अपनी गलतियों का अहसास होने के बाद, कहानी में दोनों का मिलन होता है।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए दुनिया भर में काफी कमाई की थी। 'कबीर सिंह' नाम से बनाया गया, जिसमें शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में थे। फिल्म के कच्चे और आक्रामक अंदाज को काफी सराहा गया।

सलमान खान को धमकी देकर वसूली की साजिश का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी ने खुद रची थी फर्जी कहानी

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को किसी संगठित अपराध गिरोह से धमकी मिलने और उनके नाम पर पैसे वसूलने की साजिश का दावा करने वाले एक मामले में पुलिस ने कथित फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने खुद ही पूरी कहानी तैयार की थी। उसने फर्जी पहचान के जरिए व्हॉट्सऐप चैट बनाई और ऐसा दिखाने की कोशिश की कि किसी आपराधिक गिरोह की ओर से सलमान खान को जान से मारने या शारीरिक नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है।

मामला मुंबई के बांद्रा इलाके का है। इस मामले में पुलिस ने आसिफ मोहम्मद मुस्लिम राजा, जिसकी उम्र 25 साल है, को आरोपी बनाया है। पुलिस ने बताया, आसिफ फिलहाल बांद्रा में रह रहा था, जबकि वह मूल रूप से बिहार के सीवान जिले का रहने वाला है। मामले को लेकर बांद्रा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज

किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, आसिफ ने दावा किया था कि कुछ अज्ञात लोगों ने उसे पैसे और मोबाइल फोन दिए थे।

उसने आरोप लगाया कि इन लोगों की ओर से सलमान खान को धमकी देने और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है। मामला गंभीर होने के कारण पुलिस ने उसके दावे को लेकर जांच शुरू की।

जांच आगे बढ़ी तो पुलिस ने आरोपी के मोबाइल फोन की तकनीकी जांच की। इसी दौरान व्हॉट्सऐप चैट में कई ऐसी बातें सामने आईं, जिनसे पुलिस को उसकी कहानी पर संदेह हुआ।

पुलिस का दावा है कि चैट में जिस व्यक्ति ने कथित तौर पर मैसेज भेजे थे और जिस व्यक्ति ने उनका जवाब दिया था, दोनों के लिखने के तरीके और शब्दों में काफी समानता थी। इससे पुलिस को शक हुआ कि चैट किसी दूसरे व्यक्ति ने नहीं, बल्कि खुद आरोपी ने तैयार की हो सकती है।

भारत-रूस व्यापार को 100 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य आईआरआईजीसी-टेक में जयशंकर ने रखे तीन सुझाव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रूस में आईआरआईजीसी-टेक के 27वें सत्र की संयुक्त अध्यक्षता करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत-रूस व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टेक) के 27वें सत्र में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-रूस आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हमारे पिछले सत्र के बाद से, दोनों देशों के नेताओं ने हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए लगातार स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। दिसंबर 2025 में आयोजित 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत और रूस की साझेदारी ने हमेशा अपनी मजबूती और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता दिखाई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद, दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार बढ़ा है। यह हमारे साझा हितों और आपसी भरोसे को दर्शाता है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की सबसे बड़ी ताकत है। जयशंकर ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार चार गुना से भी अधिक बढ़ा है। यह 2021-22 में लगभग 13 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2025-26 में करीब 60 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी आर्थिक साझेदारी की बड़ी संभावनाओं को दिखाता है। हालांकि, व्यापार में इस तेज वृद्धि के साथ व्यापार असंतुलन भी काफी बढ़ा है। यह लगभग 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 50 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। आज इस व्यापार असंतुलन को कम करना हमारी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है।

विदेश मंत्री ने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के हमारे साझा लक्ष्य को हासिल करने के लिए बाजार तक बेहतर पहुंच, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को हटाना, भुगतान व्यवस्था को मजबूत बनाना और व्यवसायों के बीच सहयोग बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण होगा। आज हम भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के बीच प्रस्तावित 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' पर हुई चर्चाओं की भी समीक्षा कर सकते हैं। इस दौरान विदेश मंत्री ने आईआरआईजीसी-टेक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए कार्य समूहों और उप-समूहों के सह-अध्यक्षों के लिए तीन सुझाव भी रखे। इनमें क्रियान्वयन और परिणामों पर ध्यान देना, व्यापार जगत के साथ जुड़ाव और मजबूत करना और नए अवसरों की लगातार तलाश करना शामिल हैं।

बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्री से मिले भारतीय उच्चायुक्त, आर्थिक संबंधों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

ढाका। भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्री खंडाकर अब्दुल मुक्तादिर से मुलाकात की। दोनों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और वाणिज्य सहयोग बढ़ाने को लेकर गहन चर्चा हुई।

मंगलवार को भारतीय उच्चायोग ने मुलाकात का ब्योरा देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उच्चायुक्त ने व्यवसायों और निजी क्षेत्र में आर्थिक साझेदारी की महत्ता बताई। उन्होंने बताया कि कैसे व्यापार और निवेश के क्षेत्र में की गई साझेदारी दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। पारस्परिक हित और लाभ से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

इसमें आगे कहा गया, 'बातचीत में भारत-बांग्लादेश संबंधों की मजबूत नींव का कारण पीपुल-टू-पीपुल संबंधों को बताया गया। इसके साथ ही दोनों देशों के कारोबारी समुदायों, पेशेवरों और आम लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करने की जरूरत को रेखांकित किया गया।' स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बातचीत में सीमा-पार व्यापार को सरल बनाने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। इसमें बॉर्डर हाट को फिर से खोलने, लैंड पोर्ट के पूर्ण रूप से कार्यशील होने और जमीनी मार्ग से धागे के आयात पर लगी पाबंदियों में ढील देने पर ध्यान दिया गया। सोमवार को भारतीय उच्चायुक्त त्रिवेदी के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुक्तादिर ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 13 अरब डॉलर का है, लेकिन पिछले डेढ़ साल में कई बाधाओं के कारण इसकी रफ्तार धीमी हुई है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने मुक्तादिर के हवाले से कहा, 'हमने समस्याओं पर चर्चा की और इस बात पर भी कि भविष्य में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को कैसे आसान और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि चीन के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भारत है। ये दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे आर्थिक संबंधों को दर्शाता है।

संक्षिप्त खबर

राष्ट्रपति ट्रंप की वैश्विक नेताओं से हो रही सीधी बात ईरान से रिश्ता तोड़ने की अपील : स्कॉट बेसेंट

नई दिल्ली। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि ईरान के खिलाफ 'आर्थिक युद्ध' को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया भर के नेताओं को फोन करके उनसे ईरान के साथ अपने संबंध और संपर्क खत्म करने के लिए कह रहे हैं।

ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य तेहरान की आर्थिक जीवनरेखाओं को काटकर उसे पूरी तरह अलग-थलग करना है। हमारा लक्ष्य इस दमनकारी शासन को सहारा देने वाली हर आर्थिक जीवनरेखा को काट देना है, जब तक कि तेहरान पूरी तरह अकेला न पड़ जाए। रूसी समाचार एजेंसी 'टास' की रिपोर्ट के अनुसार, बेसेंट ने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप दुनियाभर के देशों के नेताओं से सीधे बात कर रहे हैं। इस बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप सभी नेताओं से ईरान के साथ किसी भी तरह का संपर्क बंद करने का अनुरोध कर रहे हैं। टास के अनुसार, उन्होंने उन देशों या नेताओं के नाम बताने से इनकार कर दिया जिन्हें ये फोन कॉल किए गए हैं। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि हम किसी का नाम नहीं बताएंगे। हमने पहले ही इसके कुछ नतीजे देखे हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि राष्ट्रपति लोगों को अपनी बात समझाने में काफी प्रभावशाली हैं, जैसा कि आप सभी जानते ही हैं।

ईरान की करेंसी अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंची

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की मुद्रा रियाल खुले बाजार में अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह गिरावट अमेरिका की ओर से लगाए गए नए प्रतिबंधों की घोषणा से कुछ घंटे पहले दर्ज की गई। सोमवार (स्थानीय समयानुसार) बाजार खुलने पर एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रियाल की कीमत 2.02 मिलियन तक गिर गई। वहीं, ईरान के केंद्रीय बैंक की ओर से तय आधिकारिक विनिमय दर लगभग 1.5 मिलियन रियाल प्रति डॉलर थी। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए संयुक्त हमलों से पहले ही ईरानी मुद्रा दबाव में थी। इसके बाद लगभग छह महीने से जारी संघर्ष ने देश की अर्थव्यवस्था पर और अधिक बोझ डाला है, जिससे रियाल लगातार नए निचले स्तर पर पहुंचता जा रहा है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को ईरान के लिए 'आर्थिक डी-डे' की चेतावनी दी। उन्होंने दुनिया भर में ईरान के वित्तीय संबंधों को निशाना बनाने वाले कदमों को 'ईरान के खिलाफ आर्थिक हमला' बताया। ट्रेजरी डिपार्टमेंट के अनुसार, नए प्रतिबंध पांच प्रमुख क्षेत्रों डिजिटल एसेट्स, टेक्नोलॉजी, सोना, एविएशन और शिपिंग को निशाना बनाते हैं। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका को ईरान के प्रति अपना रवैया और नीति बदलनी चाहिए। उन्होंने सोमवार को तेहरान में कहा कि अमेरिका का दबाव और धमकाने वाली रणनीति पर भरोसा केवल मामलों को और जटिल बनाएगा।

ईरान संघर्ष के बाद होर्मुज में 68 घटनाएं, 20 नाविकों और बंदरगाह कर्मियों की मौत: आईएमओ

विश्व केसरी

लंदन। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने होर्मुज में नाविकों और बंदरगाह कर्मियों की मौत को लेकर एक आंकड़ा जारी किया है। इसके अनुसार, ईरान पर अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए संयुक्त हमले के बाद होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। इस दौरान करीब 68 घटनाओं में 20 नाविकों या बंदरगाह कर्मियों की मौत हुई है।

आईएमओ ने बताया कि इन घटनाओं में 35 लोग घायल हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। संगठन के अनुसार, इस अवधि में औसतन हर 2.6 दिन में एक घटना दर्ज की गई। इनमें अधिकांश घटनाओं को 'हमले' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है और वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति के लिए इसका विशेष महत्व है। यहां बढ़ते हमलों ने व्यापारिक जहाजों, नाविकों और बंदरगाह कर्मियों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल दिया है। आईएमओ के आंकड़ों के अनुसार, प्रभावित जहाजों में तेल टैंकरों की संख्या सबसे अधिक रही। इसके अलावा कंटेनर जहाज और बल्क कैरियर भी घटनाओं की चपेट में आए। विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाज इन घटनाओं में शामिल रहे हैं।

संकट के दौरान घटनाओं की रफ्तार में भी बदलाव आया। शांति वार्ता के दौरान घटनाओं की संख्या में कमी देखी गई, लेकिन वार्ता के बाद समुद्री मार्ग में फिर से हमलों की आवृत्ति बढ़ गई।

आईएमओ के मुताबिक, इस संकट से क्षेत्र में काम कर रहे करीब 20,000 नाविक, बंदरगाह कर्मचारी और ऑफशोर कर्मी प्रभावित हुए हैं। संगठन ने प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान भी चलाया। जून में इस अभियान के तहत 136 जहाजों के जरिये करीब 2,900 नाविकों को सुरक्षित निकाला गया।

आईएमओ ने कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के लिए सुरक्षित आवाजाही की विश्वसनीय गारंटी नहीं है। संगठन ने जोर दिया कि संघर्ष के बीच नाविकों की सुरक्षा और जीवन की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

होर्मुज दुनिया के ऊर्जा व्यापार के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां लंबे समय तक असुरक्षा रहने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति, शिपिंग लागत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर व्यापक असर पड़ सकता है।

राष्ट्रपति ली का पुलिस को ताकतवर बनाने पर जोर, बोले- जवाबदेही भी होगी तय

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने मंगलवार को कहा कि पुलिस जल्द ही सरकारी एजेंसियों में सबसे ज्यादा ताकतवर हो जाएगी। उन्होंने पुलिस सुधार की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक सरकारी निकाय बनाने पर भी जोर दिया।

ली ने पुलिस के बढ़ते अधिकारों के बीच उसकी जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि आने वाले समय में पुलिस के पास सरकार की किसी भी अन्य एजेंसी की तुलना में सबसे अधिक शक्ति हो सकती है, इसलिए इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी नियंत्रण व्यवस्था जरूरी है।

राष्ट्रपति ली ने मंगलवार को एक सरकारी बैठक के दौरान कहा कि आपराधिक प्रक्रिया कानून में हालिया बदलाव लागू होने के बाद अभियोजन पक्ष की जांच संबंधी शक्तियां समाप्त हो जाएंगी और जांच का अधिकार मुख्य रूप से पुलिस के पास चला जाएगा।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि उन्होंने कहा कि पुलिस को व्यापक अधिकार मिलने के साथ उसकी जिम्मेदारी भी बढ़नी चाहिए। ली ने प्रधानमंत्री कार्यालय को जनता की राय लेने के बाद पुलिस सुधार के लिए एक अलग सरकारी निकाय गठित करने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। राष्ट्रपति ने कहा, 'किसी भी संस्था में शक्ति का अत्यधिक केंद्रीकरण समस्याएं पैदा कर सकता है। पुलिस को अधिक अधिकार दिए जाने के साथ-साथ उसके कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और निगरानी सुनिश्चित करना भी जरूरी है।'

ली ने अपने संबोधन में जेजू द्वीप पर एक महिला के लापता होने के मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने पुलिस की कथित लापरवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिला की सुरक्षा या स्थिति की पर्याप्त पुष्टि किए बिना मामले को बंद कर दिया गया था।

चीन के उपराष्ट्रपति से मिले एनएसए अजीत डोभाल सीमा पर शांति मजबूत करने पर की चर्चा

विश्व केसरी

बीजिंग। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत-चीन सीमा मुद्दे पर भारत के विशेष प्रतिनिधि अजीत डोभाल सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे थे। यह यात्रा चीन के विदेश मंत्री और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो सदस्य वांग यी के निमंत्रण पर हुई। चीन की ओर से सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वांग यी और डोभाल मंगलवार को भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के 25वें दौर की बैठक करेंगे। इस बैठक से पहले डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति से मुलाकात की और दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, '25 अगस्त को भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधि और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति महामहिम हान झेंग से मुलाकात की। विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के 25वें दौर से पहले, एनएसए डोभाल और उपराष्ट्रपति हान ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को मजबूत करने तथा दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुसार आर्थिक, राजनीतिक और बहुपक्षीय मंचों पर द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की।' इससे पहले सोमवार को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा था कि भारत और चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी सहमति की भावना के अनुरूप सीमा मुद्दे पर गहन बातचीत जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि चीन-भारत सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक दोनों देशों के बीच सीमा वार्ता का मुख्य माध्यम है और आपसी चिंताओं वाले मुद्दों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच भी है।

अल नीनो की वजह से कोलंबिया में जंगल की आग का खतरा तेज, हवाई मदद की गुहार

विश्व केसरी

बोगोटा। कोलंबिया की नेशनल यूनिट फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट ने बताया कि अल नीनो की स्थिति के बीच देश के तीन इलाकों में अभी भी जंगल की आग सक्रिय है।

एजेंसी ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) कहा कि पिछले सात दिन में 84 आग की घटनाओं पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल सक्रिय आग की घटनाएं मुख्य रूप से टोलीमा इलाके में हैं, जहां दस स्थानों पर आग लगी हुई है। जबकि काल्डस और हुइला विभागों में एक-एक जगह आग सक्रिय है।

टोलीमा के सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में से एक कोएलो नगर पालिका के मेयर सैंटियागो हेरेरा ने आग पर काबू पाने के लिए केंद्र सरकार से तत्काल हवाई सहायता भेजने की अपील की है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हेरेरा ने 'नोटिसियास काराकोल' को बताया कि नगर पालिका की स्थिति बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि तेज गर्मी, तेज हवाएं और कई जगहों पर लगी आग के कारण आग को पूरी तरह नियंत्रित करना मुश्किल हो रहा है।

उन्होंने बताया कि कोएलो के तीन ग्रामीण इलाकों में फिलहाल छह स्थानों पर आग जल रही है। स्थानीय अग्निशमन दल के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और सभी प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हेरेरा ने कहा कि बचाव और जंगल की आग बुझाने में विशेषज्ञता रखने वाले लगभग 100 लोग स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, लेकिन स्थिति को देखते हुए हेलीकॉप्टर सहायता की तत्काल जरूरत है।

उनके अनुसार, हवाई सहायता ही तापमान कम करने में मदद कर सकती है और जमीन पर काम कर रही टीमों को आग वाले क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचने का मौका दे सकती है।

बांग्लादेश जुलाई 2024 विरोध-प्रदर्शन मामला आईसीटी ने तीन पत्रकारों को भेजा जेल

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने जुलाई आंदोलन से जुड़े केस में तीन पत्रकारों को जेल भेज दिया। कोर्ट ने तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार दिखाकर जेल भेजने का आदेश दिया।

इन तीन बांग्लादेशी पत्रकारों में 'भोरर कागोज' के पूर्व संपादक श्यामला दत्ता, 'एकात्तोर टीवी' के मैनेजिंग डायरेक्टर और एडिटर-इन-चीफ मोजम्मेल बाबू और उनकी मुख्य संवाददाता फरजाना रूपा शामिल हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक, जेल अधिकारियों ने सोमवार को इन तीनों को ट्रिब्यूनल के सामने पेश किया; ये तीनों पहले से ही हिरासत में थे।

अभियोजक गाजी मोनाववर हुसैन तमीम ने आरोप लगाया कि 14 जुलाई, 2024 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपियों के भड़काऊ बयानों के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 'रजाकार' वाली टिप्पणी की थी, जिससे बाद में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। बाबू और रूपा पर मानवता के विरुद्ध अपराध के एक अलग मामले में भी मुकदमा चल रहा है। यह मामला 2013 में मोटिज्हील के शापला चत्तर और नारायणगंज में हेफाजत-ए-इस्लाम की रैली पर की गई कार्रवाई से जुड़ा है।

जापान में 1,800 लोगों ने रस्सियों से खींचकर 360 टन का किला फिर अपनी जगह पहुंचाया

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान में 400 साल पुराने ऐतिहासिक हिरोसाकी कैसल (किले) को उसकी पुरानी जगह पर वापस पहुंचाने के लिए करीब 1,800 लोगों ने रस्सियों के सहारे 360 टन वजनी किले के मुख्य टावर को खींचा। यह अनोखी कवायद देश के आओमोरी प्रांत में सप्ताहांत के दौरान हुई और इसमें पारंपरिक जापानी तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

प्रतिभागियों ने 30 मीटर लंबी रस्सियों को खींचते हुए किले के टावर को रेल जैसी पटरी पर आगे बढ़ाया। शनिवार को टावर को 1.13 मीटर और रविवार को 1.09 मीटर, यानी कुल 2.22 मीटर आगे खिसकाया गया। लोगों की टीमें बारी-बारी से रस्सियां खींचती रहीं और पूरे अभियान के दौरान उत्साह बढ़ाने के लिए जापानी नारे लगाए गए। जापानी न्यूज एजेंसी क्योडो के अनुसार, इस अभियान के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। आयोजकों को 1,800 स्थानों के लिए करीब 8,000 आवेदन मिले, यानी उपलब्ध अवसरों से लगभग चार गुना ज्यादा। प्रतिभागी सिर्फ हिरोसाकी शहर से ही नहीं, बल्कि जापान के दूसरे हिस्सों और विदेशों से भी पहुंचे। किले को खींचने के लिए 'हिकिया' नाम की पारंपरिक तकनीक अपनाई गई। इसमें किसी ऐतिहासिक इमारत को तोड़ने के बजाय उसे रोलर्स और रेल की मदद से धीरे-धीरे दूसरी जगह ले जाया जाता है। हिरोसाकी कैसल के अधिकारियों के मुताबिक, यह तकनीक प्राचीन जापान में इस्तेमाल होती रही है और करीब एक सदी बाद पहली बार किसी किले को इस तरह स्थानांतरित करने में इसका इस्तेमाल किया गया। हिरोसाकी कैसल की पत्थर की दीवार को भूकंप से नुकसान पहुंचा था। इसकी मरम्मत के लिए 2015 में करीब 360 टन वजनी मुख्य टावर को उसकी मूल जगह से हटाकर लगभग 80 मीटर दूर ले जाया गया था।

अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश एक म्यूल अकाउंट से 21 राज्यों में हुई ठगी

विश्व केसरी

सूरजपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से देश के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड में से एक का खुलासा हुआ है। यहां के एक बैंक खाते से 21 राज्यों में 150 लोगों से 113 करोड़ 32 लाख 9 हजार 604 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (IYC) के पोर्टल से मिली शिकायतों के बाद एसपी योगेश पटेल की टीम ने जांच शुरू की तो पूरा अंतरराज्यीय नेटवर्क सामने आ गया।

पुलिस जांच में पता चला कि देवनारायण चक्रधारी और महेश कुमार चक्रधारी ने मिलकर भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की सूरजपुर शाखा में D.N. Chakradhari Education Development Association नामक संस्था के संस्थापक के नाम पर खाता खुलवाया था।

इसी खाते को म्यूल अकाउंट के तौर पर इस्तेमाल किया गया। अलग-अलग राज्यों में ठगी की गई रकम को इसी खाते में मंगाया जाता था और फिर यहां से आरोपियों के निजी खातों में 45 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सुनियोजित तरीके से अवैध धन अर्जित करने का तरीका था।

यह पूरा मामला IYC के ज्वाइंट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन पोर्टल से सामने आया। देश के 21 राज्यों में हुई साइबर ठगी के मामलों में पीड़ितों ने अलग-अलग शिकायतें की है। जांच में खुलासा हुआ कि ठगी की रकम इसी खाते में जमा की गई।

छोटा सा शहर बना साइबर फ्रॉड का हिस्सा

समन्वय पोर्टल पर लगभग 150 शिकायतें लिंक होने के बाद सूरजपुर पुलिस को अलर्ट मिला। खाते की जांच करने पर 113 करोड़ 32 लाख 09 हजार 604 रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा हुआ। यह खाता अब सिर्फ सूरजपुर का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की साइबर जांच का हिस्सा बन गया है। चालाक साइबर ठगों ने अपना यह कारोबार चलाने के लिए छत्तीसगढ़ के एक छोटे शहर को चुना और चक्रधारी बंधुओं का इस्तेमाल किया।

इस मामले में पुलिस ने महेश कुमार चक्रधारी को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात यह है कि महेश को इसी तरह के साइबर फ्रॉड में मुंबई पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा था और वह मुंबई जेल में बंद था। सूरजपुर पुलिस ने उसे वहां से लाकर इस केस में गिरफ्तार किया।

वहीं दूसरा मुख्य आरोपी देवनारायण चक्रधारी अभी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। एसपी योगेश पटेल के अनुसार इस नेटवर्क में और भी लोग जुड़े हो सकते हैं। एसपी योगेश पटेल ने बताया कि 21 राज्यों के 150 खाताधारकों की दर्ज शिकायतों में कुल 113 करोड़ 32 लाख 9 हजार 604 की रकम ठगे जाने की बात सामने आई है। आरोपियों ने कथित तौर पर सुनियोजित तरीके से अवैध धन अर्जित करने के उद्देश्य से इस बैंक खाते का इस्तेमाल किया। इस बैंक अकाउंट के माध्यम से अन्य राज्यों में साइबर ठगी किए जाने के संकेत मिले हैं।

2023 में हुआ था संस्था का पंजीयन

फरार देवनारायण चक्रधारी ने 25 मई 2023 को मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स, गुरुग्राम से संस्था का पंजीयन कराया था। इसके बाद सूरजपुर स्थित स्टेट बैंक में संस्था के नाम से संयुक्त खाता खोला गया। पुलिस अब संस्था के गठन, बैंक खाता खुलवाने, केवाईसी दस्तावेज, मोबाइल नंबर और खाते से जुड़े अन्य बैंकिंग विवरण की भी जांच कर रही है।फिलहाल पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि सामान्य किसान परिवार से जुड़े बताए जा रहे दोनों आरोपितों के बैंक खाते में इतनी बड़ी साइबर ठगी की रकम का कनेक्शन कैसे पहुंचा।

सड़क निर्माण में जब्त जेसीबी और हाइवा छोड़ने पर उठ रहे सवाल

वन विभाग की कार्यप्रणाली चर्चा में

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। भानुप्रतापपुर वन परिक्षेत्र में वन भूमि पर अवैध रूप से सड़क निर्माण का मामला अब गरमाने लगा है। हाल ही में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से एक जेसीबी और एक हाइवा वाहन को जब्त किया था। हालांकि, जब्ती के महज कुछ ही दिनों बाद दोनों वाहनों को बिना किसी ठोस सार्वजनिक कारण के छोड़ दिया गया, जिससे वन विभाग की निष्पक्षता और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए अधिकारियों का यह रवैया समझ से परे है। नियम विरुद्ध तरीके से वन भूमि को नुकसान पहुंचाकर बनाई जा रही सड़क के मामले में इतनी जल्दी वाहनों को राहत देना कई तरह के संदेह पैदा कर रहा है।

हौसले हो रहे बुलंद

क्षेत्रवासियों का कहना है कि वन भूमि पर बिना अनुमति के भारी मशीनों का उपयोग कर सड़क निर्माण करना सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है। यदि ऐसे गंभीर मामलों में जब्त किए गए वाहनों को इतनी आसानी से छोड़ दिया जाएगा, तो इससे अवैध कब्जा करने वाले भू-माफियाओं और ठेकेदारों के हौसले बुलंद होंगे।

संरक्षण से जुड़े लोगों का मानना है कि इस तरह की नरमी से न केवल वन संपत्ति को नुकसान पहुंचेगा, बल्कि भविष्य में भी लोग बेझिझक सरकारी और वन भूमि पर अतिक्रमण करने की हिम्मत करेंगे। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में असंतोष का माहौल है और लोग उच्च अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप कर पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं।

सरगुजा संभाग के चार जिलों में 930 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा नेस्लेके सहयोग से सरगुजा संभाग के चार जिलों मनेन्द्रगढ़, बलरामपुर, जशपुर एवं अंबिकापुर में विशेष FoSTaC (फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सार्टिफिकेट) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संभाग में पहली बार स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण में कुल 930 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों की सुरक्षित तैयारी, खाद्य सामग्री के उचित रख-रखाव एवं भंडारण, व्यक्तिगत स्वच्छता, कार्यस्थल की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन के संबंध में व्यावहारिक जानकारी एवं आवश्यक कौशल प्रदान करना रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से विक्रेताओं को यह समझाया गया कि भोजन की गुणवत्ता के साथ-साथ उसकी स्वच्छता और सुरक्षा भी उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चार जिलों के 930 विक्रेता हुए प्रशिक्षित

फूड सेफ्टी ट्रेनिंग एंड सार्टिफिकेट प्रशिक्षण के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़, बलरामपुर, जशपुर और अंबिकापुर जिले के कुल 930 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान स्ट्रीट फूड व्यवसाय में प्रतिदिन अपनाई जाने वाली स्वच्छता संबंधी प्रक्रियाओं, खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने तथा भोजन को संदूषण से बचाने के उपायों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षार्थियों को खाद्य सामग्री की खरीद से लेकर उसके भंडारण, तैयारी और उपभोक्ताओं को परोसने तक प्रत्येक स्तर पर खाद्य सुरक्षा के आवश्यक प्रावधानों के बारे में बताया गया। साथ ही, स्वच्छ पानी के उपयोग, खाद्य पदार्थों को उचित तापमान पर रखने और साफ-सफाई के निर्धारित मानकों का पालन करने के महत्व को भी समझाया गया।

सड़क में गड्ढों को लेकर ग्रामीणों ने मोर्चा खोला

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत रानीपरतेवा से देवसरा, करचाली, द्वारतरा और बंहनी को जोड़ने वाली सड़क इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे और उनमें भरा बारिश का पानी राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़क को देखकर यह समझना मुश्किल हो गया है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। जर्जर सड़क से परेशान ग्रामीण अब सड़क सुधार की मांग को लेकर आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि रानीपरतेवा से देवसरा तक करीब 3 किलोमीटर का सड़क मार्ग बेहद जर्जर हो चुका है। सड़क की हालत लगातार बिगड़ने के कारण देवसरा, द्वारतरा, करचाली और बंहनी सहित आसपास के गांवों के हजारों ग्रामीणों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दिनों में सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा भी नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया है।

स्कूली बच्चों से लेकर किसानों तक सब परेशान

इस सड़क की बदहाली का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों, किसानों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा है। विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है, वहीं किसानों को खाद-बीज ले जाने तथा धान बेचने के लिए परिवहन की समस्या झेलनी पड़ रही है। बस परिवहन भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, जिसके चलते कुछ ही वर्षों में सड़क की हालत खराब होने लगी। वर्तमान में जगह-जगह डामर उखड़ चुका है और बड़े-बड़े गड्ढे जानलेवा रूप लेते जा रहे हैं।

तीन साल से आवेदन, फिर भी नहीं निकला समाधान

ग्रामीणों के अनुसार सड़क की समस्या को लेकर पिछले दो-तीन वर्षों से लगातार संबंधित विभाग और जनदर्शन के माध्यम से आवेदन एवं शिकायतें की जा चुकी हैं। इसके बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार आश्वासन तो मिलता है, लेकिन सड़क की वास्तविक स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं और सड़क की स्थिति विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में है, तो आखिर मरम्मत में इतनी देरी क्यों की जा रही है?

समाधान नहीं हुआ तो 15 सितंबर को चक्काजाम

क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पन्नालाल ध्रुव ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से सड़क सुधार की मांग कर रहे हैं। यदि निर्धारित समय में सड़क की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो 15 सितंबर 2026 को जर्जर सड़क पर चक्काजाम और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग कोई नई सड़क बनाने की नहीं, बल्कि वर्षों से खराब पड़े मार्ग को आवागमन योग्य बनाने की है।

वेशभूषा बदलकर भानुप्रतापपुर कलेक्टर अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच पहुंचे, ली जानकारी, दिए निर्देश

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। नवागत जिला कलेक्टर कुंदन कुमार के भानुप्रतापपुर पहुंचते ही प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है। कलेक्टर के कड़े रुख और सख्त कार्यशैली को देखते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उनकी अगवानी के लिए पहुंचे।

कलेक्टर की सख्त छवि का असर अधिकारियों के हाव-भाव और वेशभूषा पर साफ दिखाई दिया। अनौपचारिक कपड़ों जैसे जीन्स और टोपी पहनकर आए अधिकारी कलेक्टर से दूरी बनाते नजर आए, वहीं जो कर्मचारी आमतौर पर नियमित रूप से टोपी पहनते हैं, वे भी आज बिना टोपी के अनुशासन में उपस्थित रहे। पहली बार प्रशासनिक क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी देखी गई, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। कार्य के प्रति बेहद सजग और अनुशासनप्रिय माने जाने वाले कलेक्टर कुंदन कुमार के एक्शन मोड में आते ही जिले भर के अमले में दहशत का माहौल है। उनकी इस कार्यशैली से यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि प्रशासनिक कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने एसडीएम कार्यालय भानुप्रतापपुर का किया निरीक्षण

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने कांकेर जिले में पदस्थापना के बाद अनुविभाग मुख्यालय भानुप्रतापपुर का प्रथम प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने एसडीएम एवं तहसील कार्यालय का अवलोकन तथा निरीक्षण कर वहां पदस्थ स्टाफ से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षों में जाकर निरीक्षण किया और स्टाफ से भेंट की। ज्ञात हो कि आज से लगभग 10 वर्ष पहले कलेक्टर कुमार, भानुप्रतापपुर एसडीएम के तौर पर इसी कार्यालय में पदस्थ रहे। उन्होंने यहां सेवारत स्टाफ से मुलाकात की और आत्मीयता के साथ गले लगाकर पुरानी यादें ताजा की। इसके उपरांत वे भानुप्रतापपुर के रेलवे स्टेशन का दौरा किया तथा आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सहित स्थानीय नागरिक और मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का सफल आयोजन

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन प्रगति विद्या मंदिर, कोट क, कसडोल में सफलतापूर्वक किया गया। संगोष्ठी का विषय 'भारतीय ऊर्जा परिप्रेक्ष्य-2047 : संभावनाएं एवं चुनौतियां' रखा गया। प्रतियोगिता में विकासखंड कसडोल के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा 8वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में जिला नोडल अधिकारी कौशिक मुनि त्रिपाठी, विकासखंड नोडल अधिकारी थानू राम साहू, बलदाऊ डडसेना, प्रगति विद्या मंदिर के संचालक शेषनारायण साहू तथा संस्था की प्राचार्य श्रीमती लता सोनवानी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में मीनू वर्मा, श्रीकांत पुरेना, बिजेन्द्र कुमार देवांगन, खेमराम जायसवाल, सूरज कैवर्त एवं हेराम देवांगन ने अपनी भूमिका निभाई।

कौशिक मुनि त्रिपाठी ने कहा जिला नोडल अधिकारी कौशिक मुनि त्रिपाठी ने कहा कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्ष 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की विज्ञान संगोष्ठियां विद्यार्थियों को केवल प्रतियोगिता का मंच नहीं देतीं, बल्कि उन्हें देश की भविष्य की चुनौतियों पर चिंतन करने और समाधान प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का विद्यार्थी ही विकसित भारत के निर्माण का प्रमुख आधार बनेगा।

थानू राम साहू ने कहा विकासखंड नोडल अधिकारी थानू राम साहू ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और देश के भविष्य से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विचार निश्चित रूप से भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बलदाऊ डडसेना ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, प्रस्तुतीकरण क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं आत्मविश्वास विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि 'भारतीय ऊर्जा परिप्रेक्ष्य-2047' जैसा विषय विद्यार्थियों को देश के भविष्य के बारे में सोचने और अपनी रचनात्मक सोच को सामने रखने का अवसर प्रदान करता है।

संचालक शेषनारायण साहू ने कहा

प्रगति विद्या मंदिर के संचालक शेषनारायण साहू ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन हमारे विद्यालय में होना हमारे लिए सौभाग्य और गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार को विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों एवं आयोजकों की मेजबानी करने का अवसर मिला, जिससे विद्यालय में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ।

महतारी वंदन योजना की किस्त से सरिता राजवाड़े के परिवार में आई खुशियां

विश्व केसरी

अंबिकापुर (उमाकांत पाण्डेय)। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिल रही नियमित आर्थिक सहायता उनके लिए आर्थिक संबल का आधार बन रही है। योजना के तहत प्राप्त राशि से महिलाएं अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ पर्व एवं त्योहार भी उत्साहपूर्वक मना रही हैं। रक्षाबंधन पर्व से पहले योजना की 31वीं किस्त मिलने से लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत झुमरपारा की रहने वाली सरिता राजवाड़े के परिवार में भी खुशी का माहौल है।

सरिता राजवाड़े ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भैया द्वारा 31वीं किस्त की राशि जारी किए जाने से उन्हें बहुत खुशी हुई है। रक्षाबंधन जैसे पर्व से पहले आर्थिक सहायता मिलने से अब वे अपने भाई के लिए राखी, मिठाई और उपहार खरीदकर त्योहार को पूरे उत्साह के साथ मना सकेंगी।

उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस अवसर पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं। महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से इस बार वे भी अपने भाई के लिए अपनी पसंद की राखी और मिठाई खरीद सकेंगी तथा उन्हें उपहार भेंट कर सकेंगी। उनके लिए यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि त्योहार की खुशियों को और बेहतर ढंग से मनाने का अवसर भी लेकर आई है।

राखी का बंधन, खुशियों का संसार-महतारी वंदन से बहनों को संबल अपार

लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत लटोरी निवासी ममता राजवाड़े महिमा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं तथा जेंडर गतिविधियों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत उन्हें नियमित रूप से प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त होती है। योजना की 31वीं किस्त समय पर मिलने से इस वर्ष रक्षाबंधन का उत्साह और भी बढ़ गया है। ममता राजवाड़े कहती हैं कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व है। महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि ने इस पर्व की तैयारियों को आसान बना दिया है। समय पर किस्त मिलने से वे अपने भाई के लिए राखी, मिठाई एवं अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर सकी हैं। इससे परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक भार भी नहीं पड़ा और त्योहार की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई यह योजना उनके जैसे हजारों परिवारों के लिए सहारा बनी है।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने साप्ताहिक बाजार स्थल का किया निरीक्षण

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर ने 25 अगस्त को भानुप्रतापपुर के साप्ताहिक बाजार स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) एवं सब इंजीनियर हिमांशु कवाड़े के साथ मौके पर चर्चा कर बाजार परिसर को नए एवं सुव्यवस्थित तरीके से विकसित करने की योजना पर विचार-विमर्श किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि साप्ताहिक बाजार और दैनिक सब्जी मार्केट को बेहतर ढंग से व्यवस्थित किया जाए, ताकि सब्जी विक्रेताओं एवं आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था के साथ बाजार को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए आवश्यक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के प्रचार-प्रसार मंत्री नरोत्तम सिंह चौहान, समाजसेवी नरेंद्र शर्मा सहित सब्जी विक्रेता उपस्थित रहे।

डुअल-चिपसेट तकनीक कैसे भारत में मोबाइल गेमिंग और कंटेंट देखने के अनुभव को दे रही नया रूप

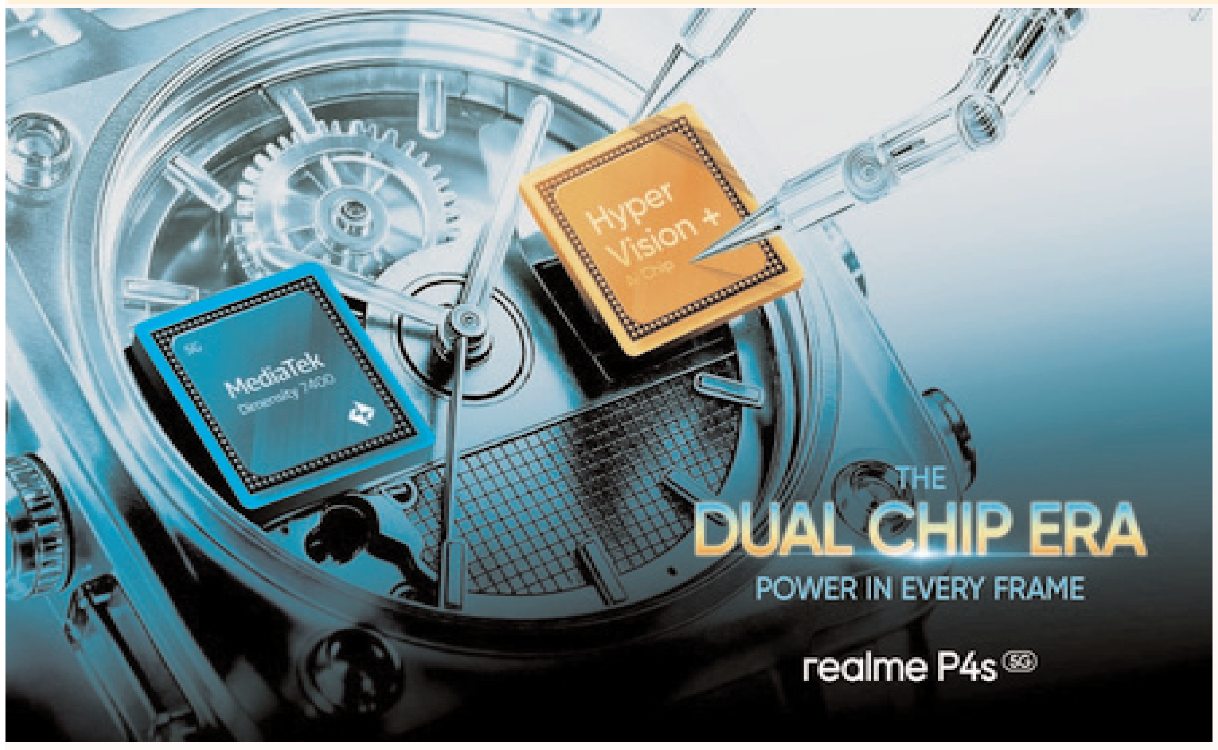

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मोबाइल गेमिंग अब केवल समय बिताने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह एक बड़े डिजिटल मनोरंजन उद्योग का हिस्सा बन चुकी है। आज के स्मार्टफोन उपयोगकर्ता ऐसे अनुभव की अपेक्षा करते हैं जो पहले केवल विशेष गेमिंग उपकरणों में देखने को मिलता था। बेहतर ग्राफिक्स, उच्च रिफ्रेश रेट, तेज टच रिस्पॉन्स और जटिल गेमिंग वातावरण ने स्मार्टफोन के प्रदर्शन की मांग को काफी बढ़ा दिया है।

मॉर्डर इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग बाजार 2026 में लगभग 5 अरब डॉलर से बढ़कर 2031 तक 9.89 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इस बाजार का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल गेमिंग से आने की उम्मीद है। यही कारण है कि भारत में स्मार्टफोन अब गेमिंग का सबसे बड़ा माध्यम बन चुके हैं, जबकि कंसोल और पर्सनल कंप्यूटर की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है।

बढ़ती गेमिंग मांग के साथ अब केवल शक्तिशाली प्रोसेसर होना पर्याप्त नहीं माना जाता। लंबे समय तक स्थिर फ्रेम रेट, कम विलंबता, प्रभावी ताप प्रबंधन और बेहतर बैटरी प्रदर्शन भी उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं। यही वजह है कि स्मार्टफोन उद्योग गेमिंग प्रदर्शन को केवल बेंचमार्क स्कोर के बजाय समग्र अनुभव के रूप में देखने लगा है। इस बदलाव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका लगातार बढ़ रही है। पहले जहां एआई का उपयोग मुख्य रूप से कैमरा, उत्पादकता और निजीकरण सुविधाओं तक सीमित था, वहीं अब यह गेमिंग अनुभव को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एआई-आधारित प्रोसेसिंग अतिरिक्त फ्रेम तैयार कर सकती है, दृश्य गुणवत्ता को बेहतर बना सकती है और रियल टाइम में गेम के अनुसार प्रदर्शन को अनुकूलित कर सकती है, जिससे गेमिंग अनुभव अधिक स्मूद और स्थिर बनता है।

भारतीय उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में भी यह बदलाव स्पष्ट दिखाई देता है। फ्लिपकार्ट और काउंटरपॉइंट की स्मार्टफोन इनसाइट्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत में 89 प्रतिशत स्मार्टफोन खरीदारों ने कहा कि एआई सुविधाएं उनके खरीद निर्णय को प्रभावित करती हैं। इससे स्पष्ट है कि एआई अब अतिरिक्त सुविधा नहीं बल्कि स्मार्टफोन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आधुनिक गेमिंग स्मार्टफोन की वास्तविक क्षमता प्रोसेसर, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट, डिस्प्ले, कूलिंग सिस्टम, बैटरी और सॉफ्टवेयर के सामंजस्यपूर्ण काम करने पर निर्भर करती है। इसी सोच के तहत अब कई कंपनियां डुअल-चिपसेट आर्किटेक्चर को अपनाने लगी हैं।

डुअल-चिपसेट तकनीक में मुख्य प्रोसेसर के साथ एक अतिरिक्त विशेष चिप दी जाती है, जो दृश्य प्रसंस्करण और एआई आधारित कार्यों को संभालती है। इससे मुख्य प्रोसेसर पर दबाव कम होता है और प्रणाली अधिक कुशल तरीके से काम करती है। यह तकनीक विशेष रूप से लंबे गेमिंग सत्रों के दौरान स्थिर प्रदर्शन बनाए रखने में मदद करती है।

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव पर नैसकॉम की नजर, सभी प्रमुख पक्षों के साथ कर रहा संवाद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के शीर्ष संगठन नैसकॉम ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका में एच-1बी वीजा शुल्क में प्रस्तावित भारी बढ़ोतरी को इस कार्यक्रम के मूल उद्देश्य के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह कार्यक्रम उन क्षेत्रों में अस्थायी रूप से कुशल पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था, जहां अमेरिका में कौशल की कमी होती है।

नैसकॉम ने कहा कि वह इस मुद्दे पर सभी प्रमुख हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से संवाद बनाए हुए है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग द्वारा प्रस्तावित नए नियम के तहत एच-1बी वीजा के लिए 1,03,265 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। यह अभी एक प्रस्तावित नियम है, जिस पर आम जनता और संबंधित पक्षों को अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया है।

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इस शुल्क का उद्देश्य आव्रजन प्रणाली (इमीग्रेशन सिस्टम) की लागत की भरपाई करना और कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों पर निर्भर रहने के बजाय अमेरिकी नागरिकों की भर्ती और प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करना है।

नैसकॉम ने अपने बयान में कहा कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम लंबे समय से अमेरिका में अल्पकालिक कौशल कमी को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। संगठन ने यह भी रेखांकित किया कि पिछले 5 वर्षों में अमेरिकी बाजार में कार्यरत भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के एच-1बी कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है, क्योंकि कंपनियों ने स्थानीय स्तर पर भर्ती बढ़ाने की रणनीति अपनाई है।

उद्योग संगठन के अनुसार, भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियां अमेरिका में स्थानीय कौशल विकास को भी समर्थन दे रही हैं। इस क्षेत्र ने अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित शिक्षा को मजबूत करने के लिए 1.1 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इसके तहत 130 से अधिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के साथ साझेदारी की गई है, जिससे लगभग 29 लाख छात्रों को लाभ पहुंचा है और 2.55 लाख से अधिक कर्मचारियों को नए कौशलों का प्रशिक्षण दिया गया है।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा व्यवस्था के तहत आने वाली याचिकाओं पर यह अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यदि यह लागू होता है, तो भारत सहित अन्य देशों के कुशल पेशेवरों की भर्ती करने वाली कंपनियों की लागत में भारी वृद्धि हो सकती है।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, यह शुल्क एच-1बी वीजा की वार्षिक सीमा के अंतर्गत आने वाली प्रत्येक याचिका पर लागू होगा। इसमें वे आवेदक भी शामिल होंगे जो अमेरिकी संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए उपलब्ध विशेष श्रेणी के तहत पात्र हैं।

छोटा फल, बड़े फायदेः औषधीय गुणों का खजाना है करौंदा, आयरन और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। खट्टा-मीठा स्वाद और औषधीय गुणों से भरपूर करौंदा (कैरिसा कैरेंडस) भले ही एक छोटा सा जंगली फल हो, लेकिन सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। गुच्छों में लगने वाला यह फल आमतौर पर अचार, चटनी और मुरब्बे में इस्तेमाल होता है, लेकिन आयुर्वेद में इसे कई बीमारियों का प्राकृतिक इलाज माना गया है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने एक्स पोस्ट में कहा, 'करौंदा छोटे, सुगंधित फूलों और रंग-बिरंगे फलों वाला एक उपयोगी और कम देखभाल में पनपने वाला पौधा है। इसके फलों का उपयोग अचार, जैम और जेली बनाने में किया जाता है। वहीं, यह आयरन और विटामिन-सी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है।'

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने बताया कि करौंदे के पौधे की ऊंचाई 8-12 फीट तक होती है। पौधे पर छोटी, मोटी और विपरीत क्रम में लगी पत्तियां, तने और शाखाओं पर मजबूत कांटे, छोटे, सुगंधित सफेद फूल, फल, कच्चे हरे, पकने पर लाल से बैंगनी-काले होते हैं।

विभाग ने आगे बताया कि करौंदे ताजे फल खाने के साथ अचार, जैम और जेली में उपयोग किए जाते हैं।

इसके अलावा, यह आयरन और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है। करौंदे के पौधे की खासियत है कि यह कम देखभाल में आसानी से पनपता है। कांटेदार होने के कारण प्राकृतिक बाड़े के लिए उपयोगी है।

इसके फल का उपयोग प्राचीन भारतीय हर्बल चिकित्सा प्रणाली, आयुर्वेद में एसिडिटी, अपच, ताजे और संक्रमित घावों, त्वचा रोगों, मूत्र संबंधी विकारों और मधुमेह के अल्सर के इलाज के लिए किया जाता है। इसके साथ ही पित्त की समस्या, पेट दर्द, कब्ज, एनीमिया, त्वचा की समस्याओं, भूख न लगने पर भी इसके फल का इस्तेमाल होता है।

करौंदे के पत्तियों का काढ़ा बुखार, दस्त और कान दर्द के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, करौंदे की जड़ें पेट की बीमारियों के लिए, खुजली के लिए कृमिनाशक दवा के रूप में और कीटनाशक के रूप में भी काम करती हैं।

शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद रोना, तनाव घटाने से लेकर आंखों की सफाई तक, जानें आंसुओं के फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रोते हुए किसी को देखकर हम अक्सर मान लेते हैं कि वह बहुत कमजोर है या अपनी इमोशन्स को संभाल नहीं पा रहा। खासकर बचपन से हमें कई बार कहा जाता है कि 'रोओ मत, मजबूत बनो', लेकिन सच यह है कि रोने से शरीर और मन पर इसके कुछ अच्छे असर भी हो सकते हैं। जब इंसान बहुत ज्यादा परेशान या तनाव में होता है, तो उसका शरीर भी इसका असर महसूस करता है।

दिल तेजी से धड़कता है, बेचैनी बढ़ती है और दिमाग में एक ही बात बार-बार घूमती रहती है। ऐसे समय में रो लेने के बाद कई लोगों को कुछ राहत महसूस होती है। इसका एक कारण यह है कि रोने के दौरान हम अपने अंदर छिपी भावनाओं को बाहर आने देते हैं। इससे मन पर बना दबाव कुछ कम महसूस हो सकता है।

तनाव के बाद शरीर को शांत करने में मदद करता है रोना- वैज्ञानिकों के मुताबिक, जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर का 'स्ट्रेस सिस्टम' सक्रिय हो जाता है। दिल की धड़कन बढ़ सकती है, मांसपेशियों में खिंचाव आता है और दिमाग लगातार परेशान करने वाली बातों के बारे में सोचता रहता है। भावनात्मक रूप से रोने के बाद कुछ लोगों में शरीर के शांत होने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम शरीर को आराम की स्थिति में वापस लाने में भूमिका निभाता है।

इमोशन्स को बाहर निकालने का तरीका हैं आंसू- कई बार हम किसी बात से बहुत परेशान होते हैं, लेकिन उसे शब्दों में समझा नहीं पाते।

ऐसी स्थिति में रोना इमोशन्स को जाहिर करने का एक स्वाभाविक तरीका बन जाता है। किसी भरोसेमंद व्यक्ति के सामने रोने से बातचीत शुरू हो सकती है और सामने वाला यह समझ सकता है कि हम अंदर से परेशान हैं। इस तरह आंसू कभी-कभी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने का काम भी करते हैं।

अब सवाल आता है कि रोने के बाद मन हल्का क्यों लगता है?, दरअसल, भावनात्मक रोने के दौरान शरीर में कई तरह की प्रक्रियाएं चलती हैं। कुछ शोधों में पाया गया है कि रोने के बाद लोगों को शांत और भावनात्मक रूप से बेहतर महसूस होता है। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि व्यक्ति कुछ देर के लिए अपनी भावनाओं को दबाने के बजाय उन्हें स्वीकार करता है। आंसुओं में तनाव के हार्मोन निकलते हैं और इसी वजह से तनाव खत्म हो जाता है, जिससे नींद आसानी से आ जाती है।

आंखों के लिए आंसू बेहद जरूरी हैं। वे आंखों की सतह को नम रखते हैं और पलक झपकने के साथ आंखों पर एक पतली परत बनाए रखते हैं। यही परत आंखों को सूखने से बचाने और बाहरी कणों को हटाने में मदद करती है। धूल या किसी जलन पैदा करने वाली चीज के आंख में जाने पर अचानक आंसू आना भी शरीर की सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि लगातार आंखों से पानी आना किसी दूसरी समस्या का संकेत भी हो सकता है।

कमल की तरह स्थिर करेगा तन और मन, जानिए पद्मसन करने की सही विधि और लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग भारतीय संस्कृति की प्राचीन देन है और इसको अपनाने से तन और मन दोनों ही स्वस्थ्य रहता है। योग के विभिन्न आसनों में पद्मासन विशेष स्थान रखता है। यह शरीर को स्थिरता, मन को एकाग्रता और आत्मा को शांति प्रदान करने वाला अत्यंत प्रभावशाली योग-अभ्यास है।

पद्मासन संस्कृत के दो शब्दों 'पद्म' (कमल) और आसन (बैठने की मुद्रा) के मेल से बना है। अंग्रेजी में इस आसन को 'लोटस पोज' भी कहा जाता है। यह आसन शरीर को मुख्य रूप से ध्यान और प्राणायाम के लिए आधार तैयार करता है।

केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, पद्मासन एक स्थिर और सुखदायक ध्यानात्मक मुद्रा है, जो मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने में अत्यंत प्रभावी है। यह योग अनुशासन का मूल आधार माना जाता है।

यह आसन आधुनिक जीवन की मानसिक थकान को दूर कर एकाग्रता की नई ऊर्जा भरने का एक दिव्य माध्यम है। बिना किसी उपकरण के केवल सही तकनीक और निरंतर अभ्यास से पद्मासन हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य में क्रांतिकारी बदलाव लाता है।

पद्मासन की मुद्रा में बैठने से पेट की मांसपेशियों पर हल्का दबाव पड़ता है, खून का संचार तेज होता है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। यह गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार हो सकता है। साथ ही, इसका रोज अभ्यास करने से जोड़ों का लचीलापन बढ़ता है और वे मजबूत होते हैं। जो लोग ज्यादा देर खड़े रहते हैं या चलते हैं, उनके पैरों के दर्द में यह काफी मदद करता है।

पद्मासन में पीठ सीधी रहती है, जिससे रीढ़ की हड्डी सीधी और मजबूत होती है। यह कमर दर्द और झुककर बैठने की आदत को सुधारता है।

गुजरात ने एक साल में 49.79 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम करने का बनाया रिकॉर्ड

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। रिन्यूएबल एनर्जी प्रोडक्शन (नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन) के क्षेत्र में आज गुजरात न केवल देश का सबसे प्रमुख राज्य बनकर उभरा है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'क्लीन एंड ग्रीन इंडिया' विजन और 2070 तक 'नेट जीरो' के लक्ष्य को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गुजरात ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कार्बन एमिशन में 49.79 मिलियन टन की कमी करके और रिकॉर्ड 67,655 मिलियन यूनिट ग्रीन इलेक्ट्रिसिटी बनाकर हरित विकास की एक बेहतरीन मिसाल पेश की है। आंकड़ों के मुताबिक बीते पांच वर्षों में राज्य कुल 179 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सफल रहा है। यह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य में सोलर और विंड एनर्जी के विस्तार के लिए बनाई गईं नई ऊर्जा नीतियों और हरित निवेश को दिए जा रहे प्रोत्साहन की वजह से संभव हो पाया है।

नागरिकों को घरों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रेरित करने वाली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और किसानों को खेतों में सोलर पंप स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली पीएम कुसुम योजना के सफल कार्यान्वयन ने भी गुजरात को एक प्रमुख ग्रीन एनर्जी स्टेट बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इन योजनाओं से लाभार्थियों की बचत के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

कुल मिलाकर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देकर गुजरात जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में अपना विशेष योगदान दे रहा है। साथ ही, सरकार की इंटीग्रेटेड आर पॉलिसी - 2026 और ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी के अलावा गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल), गुजरात एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (जीईडीए) और गुजरात पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीसीपीएल) जैसी संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से राज्य न सिर्फ 2030 तक 100 गीगावाट (जीडब्ल्यू) रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है।

स्वाइन फ्लू और डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच स्कूलों ने बढ़ाई सख्ती, अभिभावकों के लिए जारी की एडवाइजरी

विश्व केसरी ■

नोएडा । गौतमबुद्ध नगर में स्वाइन फ्लू और डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब स्कूल प्रबंधन भी सतर्क हो गए हैं। बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचाने और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जिले के कई स्कूलों ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। स्कूल प्रबंधन की ओर से अभिभावकों को एडवाइजरी जारी कर बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी बच्चे में सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार या फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे स्कूल न भेजें।

स्कूलों की ओर से अभिभावकों को बताया जा रहा है कि बच्चों में बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर उन्हें घर पर ही आराम कराया जाए और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह ली जाए। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बीमार बच्चे को स्कूल भेजने से न केवल उसकी तबीयत बिगड़ सकती है, बल्कि दूसरे बच्चों में भी संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अभिभावकों से सहयोग की अपील की गई है। कई स्कूलों में बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने, साफ-सफाई रखने और व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

बच्चों को बिना जरूरत आंख, नाक और मुंह को छूने से बचने की सलाह भी दी जा रही है। इसके अलावा स्कूल परिसरों में साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डेंगू के खतरे को देखते हुए स्कूलों में मच्छरों की रोकथाम को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई जा रही है। परिसर में कहीं पानी जमा न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के साथ ही कूलर, गमले, छत और अन्य स्थानों की नियमित जांच करने पर जोर दिया जा रहा है।

जमा पानी मच्छरों के प्रजनन का कारण बन सकता है, इसलिए स्कूल प्रबंधन ऐसे स्थानों को लेकर विशेष सावधानी बरत रहा है। गौतमबुद्ध नगर में मौसम में लगातार बदलाव के बीच वायरल संक्रमण और बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

विश्व केसरी

कोलंबो टेस्ट: तीसरे दिन तक भारत की पकड़ में मैच, श्रीलंका पर मंडराया 'फॉलोऑन' का खतरा

विश्व केसरी ■

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन तक भारत ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। मेहमान टीम ने अपनी पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम दिन की समाप्ति तक 8 विकेट गंवाकर 265 रन बना सकी है। यहां से उसे फॉलोऑन बचाने के लिए 39 रन की दरकार है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित की। भारत ने 66 के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने देवदत्त पड्डिकल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जुटाकर टीम को 186 के स्कोर तक पहुंचाया।

गिल 50 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद पड्डिकल ने मोर्चा संभालते हुए रवींद्र जडेजा के साथ 74 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 281 रन तक पहुंचाया। पड्डिकल 12 चौकों के साथ 117 रन बनाकर आउट हुए।

पहले दिन 'रिटायर्ड हर्ट' होने के बाद अगले दिन फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे ऋषभ पंत ने ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। जुरेल 115 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पंत ने 63 रन की पारी खेली।

मेजबान श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा को 2-2 विकेट हाथ लगे। एक विकेट लाहिरू कुमारा के हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंका ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 83.4 ओवरों का सामना करते हुए 8 विकेट खोकर 265 रन जुटा लिए। बारिश के चलते तीसरे दिन का खेल जल्द समाप्त करना पड़ा। मेजबान टीम दूसरे दिन की समाप्ति तक 2 विकेट के नुकसान पर 8 रन बना सकी थी, जिसके बाद तीसरे दिन उसे 35 के स्कोर पर कामिल मिशारा (19) के रूप में तीसरा झटका लगा।

यहां से पसिंदु सूरियाबंदारा ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन जोड़कर टीम को 122 के स्कोर तक पहुंचाया। मेंडिस 32 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 173 के स्कोर तक अपने 7 विकेट खो दिए।

यहां से सोनल दिनुशा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने केशरा नुवानथा के साथ आठवें विकेट के लिए 57 रन जुटाए। नुवानथा 18 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद सोनल ने लाहिरू कुमार (नाबाद 8) के साथ नौवें विकेट के लिए 35 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा है। फिलहाल सोनल 137 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 85 रन बानकर नाबाद हैं। भारत के लिए इस पारी में मानव सुथार और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को 1-1 विकेट हाथ लगा।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली त्रिशा-गायत्री की जोड़ी को रैंकिंग में फायदा

एजेंसी ■

नई दिल्ली । बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की स्टार भारतीय जोड़ी को ड़ा फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में यह स्टार महिला डबल्स जोड़ी 39वें नंबर से 12 पायदान ऊपर चढ़कर दुनिया की 27वीं जोड़ी बन गई है।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने भारत में आयोजित बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए एकमात्र पदक जीता। यह जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची और ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के 2011 में कांस्य पदक जीतने के बाद चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला डबल्स जोड़ी बन गई। ताजा रैंकिंग में दोनों के नाम 44,192 पॉइंट्स हो गए हैं। पिछले सप्ताह की रैंकिंग में वे 33,692 पॉइंट्स के साथ वर्ल्ड में 39वें नंबर पर थीं।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चौथी सीड वाली चीनी जोड़ी जिया यी फैन और झांग शू जियान को हराया था। यह एक शानदार जीत थी जिससे उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 16-21, 21-15, 21-13 से जीता था। दोनों की जीत की वजह से भारत ने 2011 से वर्ल्ड्स में कम से कम एक मेडल जीतने का अपना सिलसिला बनाए रखा।

इस बीच, पुरुषों की सिंगल्स रैंकिंग के टॉप 10 में बड़ा बदलाव हुआ। इंडोनेशियाई शटलर जोनाथन क्रिस्टी नए वर्ल्ड नंबर 1 बन गए हैं, क्योंकि उन्होंने राउंड-ऑफ-16 में जगह बनाने के बाद तीसरे से दो स्थान ऊपर चढ़कर जगह बनाई है। पिछले सप्ताह के वर्ल्ड नंबर 1 शि यूकी को भारत के आयुष शेट्टी से पहले राउंड में हार के बाद पांच स्थान का नुकसान हुआ है। अब वह नंबर 6 पर हैं। कुनलावुत विटिडसार्न और एंडर्स एंटोनसेन भी एक-एक स्थान नीचे खिसककर नंबर 2 और नंबर 4 पर आ गए हैं।

क्रिस्टो पोपोव तीन जगह चढ़कर नंबर 2 पर पहुंच गए हैं, जबकि चाउ टिएन चेन दो जगह चढ़कर लेटेस्ट रैंकिंग अपडेट के अनुसार चौथे स्थान पर आ गए हैं। नए वर्ल्ड चैंपियन एलेक्स लैनियर तीन जगह चढ़कर नंबर 7 पर आ गए हैं।

एशियन गेम्स के लिए चुनी गई भारतीय कबड्डी टीम में केसीएल का जलवा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जाने-माने कबड्डी खिलाड़ी आशु मलिक ने इंडिया टीम में अपने चयन पर खुशी जताई है। जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए इंडिया की टीम में चुने गए 12 खिलाड़ियों में से 9 कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) से निकले हैं। केसीएल ने इस बड़ी कामयाबी का जश्न मनाया है।

केसीएल में हिसार हीरोज का प्रतिनिधित्व करने वाले मलिक ने कहा कि वह उन मौकों के लिए शुक्रगुजार हैं जिन्होंने उनके करियर को बनाया है। उन्हीं मौकों की वजह से वह इंटरनेशनल स्टेज पर जाने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'इंडिया की जर्सी पहनना एक ऐसी भावना है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैं उन मौकों के लिए शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरे सफर को बनाया है और मैं इंडिया के लिए अपना सौ प्रतिशत दूंगा।'

केसीएल में मजबूत प्रतिनिधित्व से पता चलता है कि लीग भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों के लिए एक प्रतियोगी रास्ता बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। नेशनल टीम में लीग का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में करनाल किंग्स के सुनील मलिक, सोनीपत स्टार्स के अयान लौचाब, भिवानी बुल्स के देवांक दलाल, गुरुग्राम गुरुज के राहुल सेटपाल, फरीदाबाद फाइटर्स के जयदीप दहिया और पानीपत पैंथर्स के अंकित जगलान शामिल हैं। घरेलू फ्रेंचाइजी से शुरू हुआ खिलाड़ियों का सफर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुका है।

निशानेबाज जीतू राय: विश्व कप और कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए जीता स्वर्ण पदक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । भारतीय निशानेबाजी जगत में जीतू राय का नाम बेहद सफल और प्रतिष्ठित है। भारतीय सेना में कार्यरत जीतू ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्वर्ण पदक जीतकर दुनियाभर में भारत का नाम ऊंचा किया है।

जीतू राय का जन्म 26 अगस्त 1987 को नेपाल के संखुसावा में हुआ था। उनके पिता पिता भारतीय सेना के गोरखा राइफल्स रेजिमेंट में थे। जीतू के पिता ने 1971 में भारत की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई भी लड़ी थी। जीतू का बचपन नेपाल में अपने गांव में बीता और उस समय निशानेबाजी से दूर-दूर तक उनका नाता नहीं था। जीतू का बचपन खेतों और भैंस, बकरियों के साथ बीता।

महज 19 वर्ष की उम्र में जीतू राय के सिर से पिता का साया उठ गया था। वह अपने पिता की तरह आर्मी में शामिल होना चाहते थे। जीतू ने भारतीय सेना के कैंप में रजिस्ट्रेशन करवाया और उनका चयन हो गया। सेना में शामिल होने के बाद उनका रुझान निशानेबाजी की तरफ हुआ। 2013 से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगे।

जीतू राय को पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और प्रसिद्धी 2014 में मिली। इस साल जीतू ने विश्व कप, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीते। इस सफलता के बाद वह भारतीय निशानेबाजी जगत में स्थापित हो गए। रियो ओलंपिक 2016 में जीतू का पदक जीतने का सपना टूट गया था। फाइनल में पहुंचने के बावजूद उन्हें आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा। हालांकि इस इवेंट की असफलता से वह निराश नहीं हुए और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी सफलता को बनाए रखा।

10 मीटर एयर पिस्टल और 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में अपनी विशेषज्ञता रखने वाले जीतू की बड़ी उपलब्धियों पर गौर करें तो उन्होंने 2017 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में स्वर्ण और 2014 में मारीबोर में आयोजित विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था।

2014 में इंचियोन में आयोजित एशियन गेम्स में 50 मीटर पिस्टल इवेंट में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। जीतू के नाम कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में 50 मीटर पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक है।

निशानेबाजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2015 में 'अर्जुन पुरस्कार', 2016 में 'मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार', और 2020 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया था।

हॉकी विश्व कप: भारतीय पुरुष और महिला टीम बाहर, पीआर श्रीजेश ने कहा- मुश्किल सवाल कौन पूछेगा?

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम हॉकी विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। दोनों ही टीमें दूसरे राउंड से बाहर हुईं। भारतीय पुरुष टीम को दूसरे राउंड में नीदरलैंड और अर्जेंटीना से मिली हार के बाद बाहर होना पड़ा। विश्व कप से बाहर होने के बाद पुरुष हॉकी टीम का 1975 से हॉकी विश्व कप में पदक जीतने का इंतजार और बढ़ गया।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम के विश्व कप से बाहर होने के बाद पुरुष टीम के पूर्व गोलकीपर और ओलंपिक पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे पीआर श्रीजेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है और भारतीय हॉकी में जिम्मेदारी के स्तर पर सवाल उठाए हैं।

श्रीजेश ने एक्स पर लिखा, 'चिंता मत करो, वर्ल्ड कप से कोई फर्क नहीं पड़ता। एशियन गेम्स आ रहे हैं। वहां पदक जीतो, और फिर हम लॉस एंजिल्स 2028 के सपने देखना शुरू कर सकते हैं। जाहिर है, वर्ल्ड कप में जो कुछ भी गलत हुआ, उसे कवर करने के लिए यह काफी है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'वर्ल्ड कप से ठीक पहले महिला टीम के मुख्य कोच छुट्टी पर थे — और लड़कियों ने फिर भी जी-जान से लड़ाई लड़ी और उम्मीदों से बढ़कर किया। खिलाड़ियों को इसका श्रेया जाता है, लेकिन जिम्मेदारी कहां है? क्या हम सच में उम्मीद करते हैं कि टीम अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी जब मुख्य कोच तैयारी के आखिरी चरण में बाहर हो?' श्रीजेश ने लिखा, 'पुरुषों की टीम एक शीर्ष टीम से हार जाती है। यह सीखने का अनुभव है। एक एशियन टीम को हरा देती है शानदार जीत। अच्छी हॉकी खेलती है। अच्छा प्रदर्शन। यहां एक मुश्किल सवाल है। क्या हम अच्छी हॉकी खेलने के लिए टीम बना रहे हैं, या दुनिया की श्रेष्ठ टीमों के खिलाफ जीतने में काबिल टीम? सीखने, अच्छी हॉकी और आने वाले टूर्नामेंट के पीछे छिपना बंद करो। वर्ल्ड कप कोई रिहर्सल नहीं है। यह वर्ल्ड कप है।' उन्होंने अंत में लिखा, 'मुश्किल सवाल कौन पूछेगा? जिम्मेदारी की मांग कौन करेगा? सबसे जरूरी बात, क्या सच में किसी को परवाह है।

चेल्सी ने फुलहम को 3-2 से हराया, मैनेजर जाबी अलोंसो की शानदार शुरुआत

विश्व केसरी ■

लंदन । चेल्सी ने सोमवार को हुए एक रोमांचक मुकाबले में फुलहम पर 3-2 की जीत दर्ज की। चेल्सी की जीत में कोल पामर की भूमिका अहम रही। वहीं, चेल्सी के साथ जाबी अलोंसो के करियर की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में हुई।

चेल्सी के लिए जोआओ पेड्रो ने मैच के पहले मिनट में गोल किया। फुलहम की तरफ से जोश किंग ने 23वें मिनट में गोल किया और टीम को बराबरी पर ले आए। इसके बाद चेल्सी के लिए लगातार 2 गोल हुए। मॉर्गन रोजर्स ने 41वें और कोले पामर ने 49वें वें मिनट में गोल किया। पामर के गोल के बाद चेल्सी की बढ़त 3-1 की हो गई थी। लेकिन, फुलहम की तरफ से गोंजालिजो ग्रेसिया ने 54वें मिनट में गोल कर फुलहम की वापसी की उम्मीदों को जिंदा किया। हालांकि, इसके बाद टीम की तरफ से और कोई गोल नहीं हो सका और फुलहम को चेल्सी ने 3-2 से हरा दिया।

चेल्सी के मैनेजर जाबी अलोंसो के बतौर कोच सफर की शुरुआत शानदार रही। उन्होंने चेल्सी के अटैक की क्वालिटी का इस्तेमाल किया और उन्होंने सेटअप को अपनी तेजी दिखाने का मौका दिया। हालांकि, कुछ खिलाड़ियों को अभी भी सिस्टम के हिसाब से ढलने की जरूरत है, लेकिन कुल मिलाकर यह अच्छे संकेत हैं। अलोंसो इस बात से खुश नहीं होंगे कि फुलहम को दूसरे हाफ में वापस आने दिया गया। टीम को गेम नियंत्रण में रखने के लिए मिडफील्ड में सुधार की जरूरत है।

चेल्सी के लिए यह जीत बड़ी नहीं थी। लेकिन, जाबी अलोंसो और ब्लूज के फैन्स के लिए कुछ बहुत अच्छे संकेत हैं। अलोंसो के शानदार फ्रंट थ्री के साथ, कोल पामर का फॉर्म में वापस आना खास रहा। फुलहम दूसरे हाफ में चेल्सी के खिलाफ गेम जीतने की कोशिश में उतरा और कई बार उन्होंने अलोंसो की टीम को परेशान किया। हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली और चेल्सी तीन पॉइंट्स हासिल किए।

चेल्सी का अगला मुकाबला ईएफएल कप में गुरुवार, 27 अगस्त को ल्यूटन टाउन से होगा।

नेक्सो चैंपियनशिप: शुभांकर शर्मा टी-46 पर रहे, जेमिसन ने घरेलू जीत हासिल की

विश्व केसरी ■

एबरडीन (स्कॉटलैंड)। नेक्सो चैंपियनशिप 2026 में भारतीय गोल्फर शुभांकर शर्मा ने अंतिम दौर में ईवन-पार 72 का कार्ड खेला और संयुक्त 46वें स्थान पर रहते हुए अपना अभियान समाप्त किया। यह प्रतियोगिता स्कॉटलैंड के एबरडीन स्थित ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में खेली गई।

शुभांकर शर्मा के आखिरी राउंड में तीन बर्डी और तीन बोगी शामिल थीं और उन्होंने टूर्नामेंट को चार-ओवर 292 के स्कोर के साथ पूरा किया। उनके चार राउंड के स्कोर 73-72-75-72 थे। साथी भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू इस हफ्ते की शुरुआत में कट से बाहर हो गए थे।

स्कॉटलैंड के स्कॉट जेमिसन ने शानदार आखिरी राउंड में 67 का स्कोर करते हुआ अपना दूसरा डीपी वर्ल्ड टूर खिताब जीता। उन्होंने 11-अंडर पार का स्कोर किया और इंग्लैंड के मैथ्यू जॉर्डन से दो शॉट आगे रहे। 42 वर्षीय जेमिसन ने पिछले साल ग्रांट फॉरेस्ट की जीत के बाद ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में लगातार दूसरी बार स्कॉटिश जीत हासिल की।

जेमिसन ने आखिरी राउंड की शुरुआत ओवरनाइट लीडर शॉन नॉरिस से तीन शॉट पीछे रहकर की थी, लेकिन फ्रंट नाइन में तीन बर्डी लगाकर उन्होंने जल्द ही इस अंतर को खत्म कर दिया। इसके बाद नॉरिस को नियम 8.1 के उल्लंघन के लिए दो-स्ट्रोक की पेनाल्टी दी गई। यह नियम उन कार्यों से संबंधित है जो स्ट्रोक को प्रभावित करने वाली स्थितियों में सुधार करते हैं। इससे जेमिसन को बढ़त मिल गई।

स्कॉटिश खिलाड़ी ने बैक नाइन की शुरुआत में दो और बर्डी लगाकर अपनी स्थिति मजबूत की। 13वें होल पर एक शॉट गंवाने के बाद, स्कॉट जेमिसन ने तुरंत 14वें होल पर बर्डी लगाकर अपनी बढ़त फिर से हासिल कर ली।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित संपादक : सुजीत कुमार (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251